प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 15 अंक 9 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2015-2017 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Shastri Circle, Udaipur

ISSN 2349-6614

नवम्बर, 2017

मूल्य : 25 ₹

# प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

## जन्म शताब्दी

## (1917-2017)

'मेरे खून का एक-एक कतरा
भारत को मजबूती देगा,
अखंड भारत को जीवित रखेगा।'

इन्दिरा गांधी

### राज्य सरकार ने प्रदान किया 'प्रत्यूष' के प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी को 'वरिष्ठ नागरिक सम्मान-2017'

### नेशनल टूरिज्म अवार्ड - 2016 ग्रहण करते एचआरएच ग्रुप के लक्ष्यराज सिंह मेवाड़

# शुरुआत करो
# पक्की बात करो

RK GROUP

WONDER
CEMENT
EK PERFECT SHURUAAT

नवम्बर
2017
वर्ष 15, अंक 9

# प्रत्यूष

मूल्य 25 ₹
वार्षिक 300 ₹

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर
मदन, भूमिका, उषा
चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

Supreme Designs
कम्प्यूटर ग्राफिक्स विकास सुहालका

मुद्रक पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि.
गुलाब बाग रोड, उदयपुर (राज.) फोन : 2418482, 2410659

**सलाहकार मण्डल**
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

**छायाकार :**
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

**चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा**

**जिला संवाददाता**
बांसवाड़ा - अनुराग वेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
"रक्षाबंधन", धानमण्डी, उदयपुर-313001

## अन्दर के पृष्ठों पर...

**06 प्रसंगवश**

सबका साथ-सबका विकास
नारे पर पसस्ता जनाक्रोश

**08 डॉन डॉजियर**

दहशत और आतंक के मोस्ट
वांटेड का सफाया कब ?

**12 प्रवाह**

पार्टियां क्यों
नहीं देती चन्दे
का हिसाब ?

**16 मायाजाल**

सस्ते
तेल
का
महंगा
फंडा

**22 सियासत**

भाजपा के लिए आसान नहीं
गुजरात की चुनावी जंग

कार्यालय पता : 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष : 0294-2427616, 2414933, 2413477, 2100408-09, फेक्स : 0294-2525499
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
visit us at : www.pratyushpatrika.com, E-mail : pankajkumarsharrma@pratyushpatrika.com
pankajkumarsharma2013@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाब बाग रोड, उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर से प्रकाशित।

# MAHILA SAMRIDHI BANK

हमारा ध्येय – आपकी समृद्धि

**Financials**

| Particulars | March 2016 | March 2017 |
|---|---|---|
| Profit | 105.42 lakh | 112.27 lakh |
| Deposits | 9717.13 lakh | 12722.77 lakh |
| Advances | 4463.61 lakh | 4349.50 lakh |

## Attractions

- Account on Net
- RTGS/NEFT Facility
- SMS alerts
- ATM/Debit Card
- E Commerce Facility
- Balance on Miss call
- POS Balance
- Anywhere Banking

## Branches

- Bapu Bazar
- Maldas Street
- Ashok Nagar
- Salumber
- Goverdhan Vilas
- Sunderwas
- Hiran Magri

## Awards

- 0% Net NPA Award
- 7th Best Performing Co-op Bank in India
- 1st Best Perfoming Co-op Bank in Rajasthan
- "Best ATM Initiative " FCBA Award 2015
- 4 FCBA Award 2016 - Best CEO, Best Chairperson, Best IT Head, Best Head Office
- 3 FCBA Award 2017 - Best e Payment Phase-1, Best HR Practices, Best Financial Literacy

**Vidhyakiran Agrawal**
Chairperson

**Sunita Mandawat**
Vice Chairperson

**Vinod Chaplot**
Chief Executive Officer

**Directors**

**Vimla Mundra, Meenakshi Shrimali, Chandrakala Bolia, Neeta Mundra**
**Bhagwati Mehta, Rashmi Pagaria, Sapana Chittora, Sarika Bohra**
**Lata Nayak, Sanjana Meena, CA Ankita Dangi, CA Dishashree Bhandari**

## THE UDAIPUR MAHILA SAMRIDHI URBAN CO-OP BANK LTD.

H.O. : "Samridhi" 2/7, 1st Floor 100 Ft. Road, Sec-14, Goverdhan Vilas, Udaipur (Raj.) 313002
Tel . : +91 -294-2641003, 2640704, Fax : +91-294-2641003
web : www.samridhibank.com | email : ho@samridhibank.com

# नोटबंदी व जीएसटी से सुधार कम, संकट ज़्यादा

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रेल-जून में देश का सकल घरेलू उत्पाद( जीडीपी ) घटकर 5.7 प्र.श. पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 6.1 प्रतिशत था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के तीन साल के कार्यकाल के दौरान यह अब तक का सर्वाधिक निचला स्तर था। इसका कारण ढूंढते हैं, तो नोटबंदी एक प्रमुख कारक के रूप में उभरता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल 8 नवम्बर को पांच सौ और एक हज़ार के नोटों के प्रचलन को बंद करने की घोषणा की थी। इसके बाद पांच सौ रुपए का नया नोट लाया गया और दो हज़ार रुपए का नोट पहली बार प्रचलन में आया।

नोटबंदी के तुरंत बाद जाने माने अर्थशास्त्री पूर्व-प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान यह आशंका जाहिर कर दी थी कि विमुद्रीकरण के अनायास निर्णय का जीडीपी पर असर पड़ेगा और वह दो प्रतिशत तक गिर सकती है। कुछ ही दिनों बाद देश ने देखा कि मनमोहन सिंह का कहा सच हुआ। 2016 के वित्त वर्ष की पहली तिमाही की 7.9 प्रतिशत की तुलना में 2017 की इसी अवधि में जीडीपी 5.7 प्रतिशत रह गई। तब विश्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने भी भारत की वृद्धि दर में गिरावट चिंता व्यक्त की थी। देश को एक साल बाद भी नोटबंदी की कीमत चुकानी पड़ रही है। नवम्बर 2016 में नोटबंदी के फैसले पर प्रधानमंत्री ने कहा था कि 50 दिन लोगों को संकट से जूझना होगा, उसके बाद सब ठीक हो जाएगा। पर सब जानते हैं कि हालात उसके बाद भी सामान्य नहीं हो पाए थे, इसके चलते किसानों से लेकर छोटे-मझोले व्यापारियों, मज़दूरों को महीनों तक बहुत परेशानी उठानी पड़ी। फैसला भी बड़ा अजीब था, जिन लोगों की कमाई बैंकों में जमा थी, उसे निकालने से रोक दिया गया। बाज़ार में मंदी पसर गई। लोग संभल भी नहीं पाए कि इसी साल जुलाई में आधी-अधूरी तैयारी के साथ जटिल स्वरूप में जीएसटी लागू कर पहले से ही महंगाई की मार से कराह रहे आम आदमी पर इतना बोझ बढ़ा दिया गया कि कमर दोहरी हो रही है। देश का आर्थिक परिदृश्य निरन्तर चिंताजनक स्थिति की ओर बढ़ रहा है। विश्व बैंक के अनुसार जीएसटी से मैन्युफैक्चरिंग और सेवाएं काफी बड़े स्तर पर प्रभावित हुई हैं और इनमें काफी कमी आई हैं। लेकिन वित्तमंत्री एक ही रट लगाए बैठे हैं कि सब कुछ ठीक है। नोटबंदी पर रिज़र्व बैंक के आंकड़े सामने आने से यह स्पष्ट हुआ कि करीब एक फीसद नोट छोड़कर शेष जितने भी प्रचलन में थे, सब बैंकों में लौट आए। मतलब साफ है कि नोटबंदी का असल मकसद काले धन को बैंकों के माध्यम से मुख्यधारा में शमिल करना था, लेकिन चतुर-सुजान लोगों ने बैंकों के बड़े अफसरों और नेताओं की मिलीभगत से 50 दिनों में कालाधन सफेद करने में सफलता पा ली।

हालांकि इसकी आहट पहले ही मिल गई थी कि करीब-करीब सारा काला धन किसी न किसी जुगत से बैंकों में सफेद हो रहा है, लेकिन इसका अनुमान शायद ही किसी को रहा हो कि चलन से बाहर किए नए नोटों का 98.96 फीसदी बैंकों में पहुंच जाएगा। दुर्भाग्य से ऐसा ही हुआ और इस तरह केवल 16,050 करोड़ रुपए काले धन के रूप में नष्ट हुए, जबकि नोटबंदी के बाद यह माना जा रहा था कि तीन-चार लाख करोड़ रुपये का कालाधन बैंकों में वापस आने से स्वत: नष्ट हो जाएगा। माना कि सरकार का निर्णय अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना था और नि:स्संदेह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसके लिए यह बड़ा कदम भी उठाया लेकिन बैंकिंग सिस्टम उनकी उम्मीदों पर खतरा नहीं उतरा, जिसका खामियाजा सामान्य जनता को आज भी भुगतना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री को इसकी तह में जाना चाहिए था और देश को बताना चाहिए था कि ऐसा क्यों हुआ और वे इसकी भरपाई कैसे करेंगे ? जो 18 लाख खाते संदिग्ध पाए गए हैं, उनके बारे में भी देश पूरी सच्चाई जानना चाहता है। सरकार को नोटबंदी से आम आदमी पर पड़े प्रभाव और जीएसटी के कारण हो रही परेशानियों पर दैनंदिन समीक्षा करके हाथोंहाथ उसका समाधान करना होगा। कुल मिलाकर नोटबंदी के परिणामस्वरूप न कालेधन की समान्तर अर्थव्यवस्था पर अंकुश लगा है, न आतंकवाद की कमर टूटी है और न ही माओवादी-नक्सलवादी तत्वों द्वारा निर्दोष लोगों को सताना-मारना बंद हुआ है। जिस कैशलेस सिस्टम की बात की जा रही है, वह भी औंधे मुंह गिरा पड़ा है। जीएसटी प्रणाली व्यापक विचार-विमर्श और अर्थशास्त्रियों की लगातार डिबेट के बाद ही लागू होनी चाहिए थी, दूरगामी परिणामों का झुनझुना बजाते हुए आम आदमी को महंगाई और परेशानी के दौर में डाल दिया गया है। पेट्रो उत्पाद के दाम लगातार आकाश छूने की कोशिश में है। राज्यों द्वारा वैट में मामूली रियायत से भी कोई खास लाभ जनता को नहीं हुआ। यदि हालात सुधारने के लिए शीघ्र कुछ न किया गया तो, भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार को निश्चित रूप से कीमत चुकानी पड़ेगी।

# 'सबका साथ-सबका विकास' नारे पर पसरता जनाक्रोश

– सुधीर जोशी

मई 2014 के जनादेश में बीजेपी ने तकरीबन एकतरफ़ा चुनावी जीत हासिल की थी। नरेन्द्र दामोदरदास मोदी करिश्माई नेता के रूप में उभरे। उसके बाद से भाजपा वनमैन शो पार्टी है। सयाने सखा अमित शाह ने बतौर अध्यक्ष ऐसे समीकरण बनाए कि दिग्गज और अनुभवी स्वत: पार्टी के हाशिए पर चले गए। इकतालीस माह में नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में जल्दबाजी में कुछ बड़े निर्णय भी किए। वे पांच साल में ही समूचे प्रशासनिक और आर्थिक ढांचे को बदल देना चाहते हैं, जो संभव नहीं है। इन निर्णयों में उन्होंने यह ख़्याल नहीं रखा कि आमजन पर उनका असर क्या होगा? लोकसभा चुनाव उन्नीस माह दूर है, जनता का कोई भी वर्ग सरकार के फैसलों से खुश नहीं है। छोटे कारोबारियों की कमर टूट गई है। कॉरपोरेट जगत भी प्रसन्न नजर नहीं आता। विरोध के तीव्र होते स्वरों के बीच आनन-फानन में अक्तूबर में जीएसटी में छोटे कारोबारियों को जो राहत दी गई वह भी नाकाफी है।

## सत्ता का नशा

नेतृत्व-चाहे जितना तजुर्बेदार हो, चुनावी जीत पचाने में भूल कर ही बैठता है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ही इसकी मिसाल हैं। 2009 में कांग्रेस ने और उससे पहले भाजपा ने 2003-04 में 'शाइनिंग इंडिया' में बहती 'फील गुड' की हवा का असर भांपने की भारी भूल की थी। 2014 में आशा से अधिक सीटें पाकर भाजपा यह समझ बैठी है कि अगली जीत भी उसकी जेब में है। वह भूल बैठी कि सन् 84 में उसे पूरे देश में सिर्फ दो सीटें ही मिली थी। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी और आरएसएस ने तो यह मान लिया कि अब कांग्रेस उभर ही नहीं सकेगी। इसीलिए तो वह 2019 की नहीं 2024 के चुनावों की बात करती है। उसे यह नहीं पता कि जनता के बीच खदबदाता असंतोष ज्वालामुखी बन फूट सकता है। बीजेपी के ज्यादातर नेता सत्ता की खुमारी में आत्ममुग्ध हैं। वे यह भूल रहे हैं कि राजनीति आरोहण-अवरोहण का चक्र है, जो सतत गतिमान है। भाजपा को पिछला जनादेश कांग्रेस के भ्रष्टाचारी और घोटालेबाज नेताओं की नीतियों के खिलाफ अभिव्यक्ति थी।

## पलकों पर बिठाती तो पटखनी भी देती

जनता की उम्मीदों और असंतोष के संकेतों से भले ही भाजपा निगाहें फेर ले, लेकिन 'सबका साथ, सबका विकास' के नारों पर पसरता जनआक्रोश एंटी इनकम्बेंसी बनता दिखाई पड़ रहा है। पूंजीपति तो सरकार से मनोनुकूल फैसले करवा रहे हैं, परन्तु मध्यमवर्ग, किसान, मजदूर, अल्पसंख्यक, दलित, उपेक्षित और बेरोजगार व्यक्ति की कहीं सुनवाई नहीं हो रही। समृद्धि के वादों पर सवार अवतरित नेता आज पस्त हैं। क्या सोचा था? क्या हुआ? सुशासन, न्यूनतम सरकार अधिकतम राजकाज, कौशल विकास, बुनियादी ढांचे में तब्दीली, भ्रष्टाचार से जंग, गरीबी का खात्मा, स्मार्ट शहर, स्वच्छ देश, प्रतिवर्ष दो करोड़ नौकरियां, हर व्यक्ति के खाते में 15 लाख रुपये की जमा और अच्छे दिनों के उसके सब्जबाग सिर्फ मुट्ठी की रेत साबित हुए।

## विकल्प में विलम्ब नहीं

चुनाव सिर्फ सर्जिकल स्ट्राइक, डोकाला विवाद, बुलेट ट्रेन के सपने और महिला आरक्षण के कोरे आश्वासन से नहीं जीता जा सकता। साढ़े तीन साल में तो ज्यादा कुछ हुआ नहीं। बचे डेढ़ साल में अलादीन का चराग़ भी जलने से रहा? वोट के बदले चोट खाई जनता के सब्र का बांध टूट सकता है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी अब पूर्वापेक्षा अधिक संजीदा और तेवर में हैं, कांग्रेस जनता की तकलीफों को लेकर शहर-शहर आन्दोलनरत है परन्तु कांग्रेस के पर्याप्त कायाकल्प का इंतजार है। जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह खारिज नहीं किया है, 2014 में भाजपा की विजय खेमों में बंटी कांग्रेस के आत्मघात की कहानी थी और इससे सबक लेना पार्टी के लिए जरूरी है।

## वादों से नहीं बदलती तस्वीर

मोदी सरकार के कार्यकाल का दो तिहाई समय बीत चुका है। नए चुनाव में उन्नीस माह शेष हैं। भाजपा ने पार्टी के सिद्धान्तकार पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्मशती पर 25 सितम्बर को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम

में विस्तृत बैठक कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि भाजपा का कोई विकल्प नहीं है। भाजपा से जुड़े 13 मुख्यमंत्री, 6 उपमुख्यमंत्री, 60 केन्द्रीय मंत्री, 232 प्रांतीय मंत्री, 1515 विधानसभा व विधानपरिषद सदस्य तथा 334 लोकसभा एवं राज्यसभा सदस्यों सहित पूरे देश से आए भाजपा नेताओं तथा पार्टी कार्यकर्ताओं की जम्बो कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी अध्यक्ष अमित शाह ने जनता को आश्वस्त किया कि पार्टी की रीति-नीति से वे हटे नहीं हैं।

2022 तक 'न्यू इंडिया' बनाने की कल्पना संकेत देती है कि वह अगले लोकसभा चुनाव से भी आगे 2024 का चुनाव जीतने की रणनीति पर चल रही है। हालांकि बैठक से ठीक तीन महीने पहले के आर्थिक आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलेगा कि एनडीए राज के बेहतरीन लम्हे तो पीछे छूट चुके।

जीडीपी में गिरावट, कीमतों का बढ़ना, संघर्ष पर आमादा किसान, औद्योगिक गिरावट, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और बेरोजगारी के भयावह आंकड़े सरकार के चेहरे पर हवाइयां उड़ाने को काफी है। नोटबंदी, जीएसटी और लालफीताशाही से आम जनता और छोटे कारोबारी त्राहिमाम की स्थिति में है। अर्थव्यवस्था उसी तरह कमजोर हो गई है जैसे कार के टायर में हवा कम होने पर डगमगाती वह रेंगती है। सुब्रमण्यम स्वामी और भाजपा के शीर्ष नेता पूर्व केन्द्रीय वित्तमंत्री यशवंत सिन्हा तो देश की अर्थव्यवस्था का कबाड़ा कर देने के संगीन आरोप मोदी सरकार पर लगा चुके हैं। एनडीए के साढ़े तीन साल के राज से आम लोग हताश और निराश हैं। मार्केट में मनी सर्कुलेशन शरीर में रक्त संचरण की तरह होना चाहिए। यदि ऐसा न हुआ तो अर्थव्यवस्था का भट्टा बैठना निश्चित है।

गुजरात तथा हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों के मद्देनजर केन्द्रीय वित्तमंत्री अरूण जेटली ने एक बार जीएसटी में छोटे व्यापारियों को राहत की पोटली थमाने के उद्देश्य से रिटर्न भरने और कुछ जरूरी वस्तुओं पर जीएसटी दरों को पुनर्निर्धारण किया है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में रियायत का यह सिलसिला और पेट्रो-डीजल के दाम में कमी करना जारी रहेगा। लेकिन इससे असन्तोष का लावा शमित होगा, ऐसा फिर भी नहीं लगता।

TVS
ROSHAN TVS
Authorised Main Dealer TVS Motor Company Limited
Roshan Lal Jain Motors Private Limited

Anand Plaza, Ayad Bridge, University Road, Udaipur (Raj.) - 313001
Mobile No :- 9784431280, 9829043992
1-A, Adinath Nagar, Fatehpura Main Road, Udaipur Mob No:-9461524542

# दहशत और आतंक का मोस्ट वांटेड सफ़ाया कब?

- शांतिलाल शर्मा

**एक अक्तूबर को अमेरिका के लास वेगास में कन्सर्ट पर खौफनाक हमला हुआ, जिसमें 59 लोग मारे गए और 715 लोग घायल हो गए। इस घटना ने विश्व समुदाय को आगाह किया कि आतंक कहीं भी, कभी भी और किसी भी रूप में आ सकता है। दरअसल यह सरकारों और सिस्टम को डराने से ज्यादा आम इंसान के दिलो-दिमाग में भय बैठाने की कोशिश का मामला है। 24 बरस पहले 12 मार्च, 1993 को मुंबई में सिलसिलेवार बम धमाकों का मुख्य मुजरिम दाऊद इब्राहिम पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की सरपरस्ती में अब भी आतंक, असंतोष, जाली मुद्रा, इग तस्करी, धमकी देकर धन ऐंठने और काली कमाई के साम्राज्य विस्तार में लगा है। ऐसे में बड़ा सवाल है कब तक देश के दुश्मन यूं ही सिर उठा कर हमें लहुलूहान करते रहेंगे?**

आतंक ने फिर सिर उठाया है। इस बार विश्व की महाशक्ति अमेरिका का लास वेगास शहर बेगुनाहों के खून से लाल हो गया। यहां एक अक्तूबर को मैंडले-बे रिसॉर्ट एंड कसीनो में चल रहे रूट-91 हार्वेस्ट फेस्टिवल के दौरान एक आतंकी ने अंधाधुन्ध फायरिंग कर करीब साठ लोगों की हत्या कर दी तथा 715 लोगों को घायल कर दिया। हमले की जिम्मेदारी आईएस ने ली है, परन्तु अभी घटना की जांच चल रही है। हमलावर 64 वर्षीय स्टीफन पैडॉक ने घटना के बाद खुद को भी गोली मार दी। अमेरिकी इतिहास में यह सबसे बड़ी और भयावह घटना है। पिछले पांच साल से विश्व में लगातार ऐसे कई हमले हो रहे हैं। भारत तो कई साल से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का दंश भोग रहा है। चूंकि भारत लोकतांत्रिक देश है, इसलिए यहां पर आतंकी घटनाओं को अंजाम देने वाले दहशतगर्द लम्बे समय तक अपनी खाल बचाने में सफल हो जाते हैं। 24 साल पहले दुनिया के पहले आतंकी सीरियल ब्लास्ट से मुंबई दर्दभरी कराह के साथ लहुलूहान हुई थी। दाऊद इब्राहिम 12 मार्च 1993 को मुंबई में हुए बम धमाकों का मुख्य आरोपी है, जिसमें दो सौ साठ लोगों की जान चली गई और सात सौ से ज्यादा लोग घायल हुए थे। मुंबई में अपराधों की दुनिया में कुख्यात डॉन दाऊद बम धमाकों की उस घटना को अंजाम देने के बाद भारत से भाग गया। माना जा रहा है कि तब से वह पाकिस्तान में अलग-अलग ठिकानों पर रह रहा है। लेकिन पाकिस्तान लगातार दाऊद के अपने यहां होने से इनकार करता रहा है। 24 साल से भारतीय खुफिया एजेंसियां उसकी तलाश में हैं और वह पड़ोसी मुल्क की सरकार और आईएसआई की मदद से दुनिया भर में आतंक, ड्रग्स, माफिया और अन्य गैर-कानूनी कामों को अंजाम दे रहा है। अक्टूबर में दाऊद और उसके गुर्गों की इंटरसेप्ट बातचीत के मुताबिक भगोड़ा दाऊद एक बार फिर मुंबई हमले जैसी बड़ी साजिश की तैयारी में है।

## दाऊद कैसे बना डॉन?

डॉन मूल रूप से इतालवी भाषा का शब्द है। इसे किसी के नाम के शुरू में लगाया जाता है। मुंबई पुलिस के कांस्टेबल इब्राहिम कासकर के सात बेटों में से एक है दाऊद इब्राहिम, जिस पर डॉन शब्द ऐसा चस्पा हुआ कि दुनिया आज भी उसके नाम से थर्राती है। कोंकणी मुस्लिम परिवार में जन्मे दाऊद की चार बहनें थी। दाऊद की पत्नी का नाम मेहजबीन उर्फ जुबीना जरीन है। दोनों के चार बच्चे थे। तीन बेटियां माहरूख, माहरीन और मारिया। एक बेटा मोइन है। बेटी मारिया की साल 1998 में मौत हो गई। डॉन की सबसे बड़ी बेटी माहरूख के पति पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर जावेद मियादाद के बेटे जुनैद हैं। छोटी बेटी माहरीन की शादी अमेरिका में बिजनसमैन अयूब से हुई है। बेटे मोइन की शादी कराची में लंदन के बिजनेसमैन की बेटी सानिया से 2011 में हुई। मोइन ससुराल में ही रहता है।

सैंकड़ों लोगों की मौत के जिम्मेदार अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के भाई-बहनों का आपराधिक रिकार्ड भी छोटा नहीं है। हालांकि दूसरों के बच्चों को अपराध की दुनिया में धकेलने वाले डॉन ने खुद की औलाद को इस काली दुनिया से दूर ही रखा है। दाऊद के बड़े भाई शाबिर की हत्या पठान गैंग ने 1981 में ही कर दी थी। दाऊद 1986 में भारत छोड़कर दुबई भाग गया। बाद में वह पाकिस्तान शिफ्ट हो गया। दाऊद के साथ कराची में रह रहा दूसरा भाई नूरा 2009 में सरदार रहमान गैंग के हाथों मारा गया। एक भाई हुमायूं कासकर 2016 में बीमारी से मर गया। चौथे नम्बर के भाई इकबाल कासकर को महाराष्ट्र पुलिस के ठाणे एक्सटार्शन सेल ने जबरन वसूली के मामले में सितम्बर 2017 में गिरफ्तार कर लिया है। एक और भाई अनीस इब्राहिम वह शख्स है जो आज भी डी कंपनी का बिजनैस चला रहा है। इसमें दाऊद की दो बहनें मुमताज शेख और सईदा पारकर और उनके पति भी हाथ बंटाते हैं। दो बहनों फरजान तुंगेकर और हसीना पारकर की मौत हो चुकी है।

दाऊद के दुबई भागने के बाद उसका कारोबार बहनोई इब्राहिम पारकर संभालने लगा था, जिसकी गवली गैंग के गुर्गों ने हत्या कर दी थी। इसके बाद 'गॉडमदर' के नाम से मशहूर हसीना पारकर ने दाऊद का कारोबार संभाला। लेकिन उसकी भी मौत हो गई।

डॉन के परिवार के बचे-खुचे सदस्य और कुछ विश्वसनीय

शख्स डी कंपनी की कमान संभाले हैं, लेकिन देश-विदेश में उसके गुर्गों की अब भी एक बड़ी फौज है। उसके गुर्गे जो आज भी मौत के सौदागर और आतंक के पर्याय बने घूम रहे हैं।

## दुनिया भर में कारोबार

फोर्ब्स के अनुसार दाऊद की संपत्ति 6.7 अरब डॉलर है। दस देशों में 50 से ज्यादा अहम लोकेशन्स पर इसकी प्रोपर्टी है। सबसे ज्यादा संपत्ति यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में है। दूसरे नम्बर पर स्पेन आता है। ब्रिटेन में अरबों रुपये की जायदाद है। भारत, मोरक्को, थाइलैण्ड, तुर्की, साइप्रस, सिंगापुर, पाकिस्तान में भी अकूत संपत्ति है। दाऊद ने ज्यादातर संपत्ति बेनामी तौर पर खरीदी है। इकबाल मिर्ची यह काम किया करता था। भारत में ही उसकी 1000 प्रोपर्टी है, जिनकी कीमत 80 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा है। डी कंपनी में अब भी 5000 गुर्गे हैं, जिनमें कई शॉर्प शूटर हैं। दाऊद अब दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप से जुड़े सरगनाओं से ड्रग्स की आपूर्ति करवाता है। पहले वह अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत में भी ऐसा करवाता था। ड्रग्स अफ्रीका और यूरोप सहित कई देशों में सप्लाई की जाती है। मुंबई में आज भी अपराध जगत में उनका सिक्का चलता है। डॉन के भाई इकबाल ने वसूली का अब नया तरीक अपनाया है। उसने अभी हाल ही में एक बिल्डर से 30 लाख नकद और पांच करोड़ कीमत के चार फ्लैट जबरन वसूलने के लिए कॉल किया था। ठाणे पुलिस के इनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा ने इकबाल को उसकी बहन हसीना के एक करीबी रिश्तेदार इकबाल पारकर और ड्रग डीलर मोहम्मद यासीन के साथ इसी सितम्बर में गिरफ्तार किया था।

## कैसे दबोचा जाए दाऊद ?

दाऊद पड़ोसी पाकिस्तान में है, जिसे सरकार और सीआईए का पूरा प्रश्रय है। वह तीन दशक से वहीं रह कर भारत में आतंकवाद को पाल-पोस रहा है। वह 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट का खास मुजरिम है। इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी कर रखा है। अमेरिका ने उसे 2003 में ही ग्लोबल टैरिरिस्ट घोषित कर रखा है। परन्तु उसने पाकिस्तान के प्रति 2014 तक नरम रवैया रखा। इसलिए उसे पकड़ा नहीं जा सका। दाऊद ने अलकायदा से साजबाज होकर अपने तस्करी वाले रूट्स का इस्तेमाल कर आतंकी वारदातों को अंजाम देने के लिए हथियार और फंड इस्तेमाल किया है।

पाकिस्तान आतंक की फैक्ट्री है। उसे लगता है कि दाऊद के जरिए वह भारत में असंतोष, दंगे-फसाद, नकली नोटों और मादक पदार्थों की सप्लाई कर उसे तबाह कर सकता है। इसलिए उसे लगातार 24 साल तक 'अम्ब्रेला कवर' में सहेजा जा रहा है। कुछ माह पहले ही ब्रिटिश सरकार ने दाऊद को न सिर्फ अन्तरराष्ट्रीय आतंकवादी कहा, बल्कि उसके पाकिस्तान में होने की पुष्टि करते हुए पता भी बताया। उसकी सैंकड़ों करोड़, मूल्य की सम्पत्ति भी जब्त कर ली है। इससे यूएई पर भी दबाव पड़ेगा, जहां दाऊद की सबसे ज्यादा प्रोपर्टी है।

अब उसे वैश्विक आतंकवादी घोषित करना बाकी है। छोटा राजन को इंडोनेशिया और अबु सलेम को पुर्तगाल से पकड़ने और भारत लाने में इंटरपोल की उल्लेखनीय कामयाबी रही है। वैसी ही कोशिश दाऊद की गिरफ्तारी के लिए भी की जानी चाहिए। दाऊद पर शिकंजा कसने के लिए अमरीका और वहां के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के सबसे बड़े मददगार बन सकते हैं जो इन दिनों राजनयिक रूप से और आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के काफी निकट हैं।

## मुंबई से चोली दामन का साथ

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई का पहला डॉन करीम लाला था। 40 के दशक में इस पठान ने शराब तस्करी-सट्टा रैकेट शुरू किया था। तदन्तर-मुंबई में अनेक छोटे-मोटे अपराधी मालामाल होने के लिए अपराध जगत में आते रहे हैं। साइकिल मरम्मत की दुकान पर काम करने वाला हाजी मस्तान डॉकयार्ड में पहुंच कर डॉन बन गया। उसका

बॉलीवुड में भी खासा दखल रहा। वीटी स्टेशन पर कुली का काम करने वाला वरदराजन मुदलियार तमिल डॉन बन कर मुंबई डॉकयार्ड से शराब की तस्करी करने लगा। यूपी के आजमगढ़ से रोजगार के लिए मुंबई पहुंचा अबु सलेम भी डॉन बन गया। जो पुर्तगाल में पकड़ा गया और उसे भारत लाकर फांसी की सजा सुनाई गई है। मराठा लड़ाका अरूण गवली भी अपराध जगत में गैंगस्टर बन गया। बाद में उसने नेतागीरी का चोला पहन लिया, परन्तु मर्डर केस से बच न सका। वह इस वक्त जेल में बंद है। फिल्मों के टिकट ब्लैक में बेचने वाला राजन नायर (बड़ा राजन) भी अपराध की दुनिया में छा गया और उसका शागिर्द छोटा राजन दाऊद से जुड़कर अपराध जगत का खौफ बन गया। दाऊद के साथ उसकी पटरी न बैठी तो उसने अलग गैंग बना ली, परन्तु दाऊद ने उसके छक्के छुड़ा दिए। उसे इंडोनेशिया भागना पड़ा और पुलिस ने उसे दबोच कर भारत के सिपुर्द किया है। छोटा राजन दाऊद के काफी राज जानता है। इसलिए भारत उसका इस्तेमाल दाऊद को पकड़ने के लिए भी कर सकता है।

## पाकिस्तान में दशा दयनीय

दाऊद इब्राहिम बीवी महजबीन और चार बच्चों के साथ पाकिस्तान के कराची या इस्लामाबाद में है। भारत सरकार ने उसका पासपोर्ट बहुत पहले ही रद्द कर दिया है। लेकिन फिर भी वह पाकिस्तान से अन्य मुल्कों में जाता-आता रहता है। यह पाकिस्तान के वीसा के बिना संभव नहीं है। फिलवक्त डॉन की सेहत नासाज़ है। उसे इस बात की आशंका है कि पाकिस्तान में क्वालिटीयुक्त उपचार न मिलने से असमय ही मौत न हो जाए। शरीर के कई अंग ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। उसे मल्टी-ऑर्गन फैल्योर का भी अंदेशा है। ऐसे में वह जन्मभूमि में समर्पण का इच्छुक है। लेकिन पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई को डर है कि अगर दाऊद भारत चला गया तो वह पाकिस्तान के आतंकी रिश्तों की पोल खोल सकता है। अतः वह उसे भारत नहीं पहुंचने देना चाहती है। आगामी 26 दिसम्बर को उसका जन्मदिन है। उससे पहले वह भारत पहुंच कर चंगा होना चाहता है। दाऊद का पूरा नेटवर्क तहस-नहस हो चुका है। भारत में उसकी प्रोपर्टी ईडी अटैच करने की तैयारी में है। सरकार उसे बख्शने के लिए कतई तैयार नहीं है। कोवर्ट ऑपरेशन से भले ही उसे ठिकाने लगाने की बात दूर हो, परन्तु कूटनीतिक रूप से भारत सरकार उसे गिरफ्त में लेने और उसकी काली कमाई का साम्राज्य ध्वस्त करने को कमर कसे है। मुंबई में 'सुपरकॉप' प्रदीप शर्मा की ठाणे पुलिस में वापसी हो जाने के बाद अब मुंबई में डॉन के बचे-खुचे गुर्गों की खैर नहीं है। वे 113 इनकाउंटर करके पहले ही काफी चर्चित हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि मुंबई में सीरियल ब्लास्ट कर जन-धन की अपार हानि करने वाले मुख्य मुजरिम को भारत लाकर सख्त सजा दिलवाई जानी चाहिए, ताकि आम लोगों का कानून पर विश्वास फिर से बहाल हो सके।

# बुजुर्ग हो जाएं सावधान

***सर्दियों का मौसम स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा माना जाता है, परंतु अपने साथ कुछ समस्याएं भी लाता है। तापमान गिरने के साथ ही वातावरण में वायरस की संख्या भी बढ़ने लगती है, जिससे अधिक प्रभावित होते हैं बुजुर्ग।***

### कान में संक्रमण

मौसम का असर कान पर भी पड़ता है। सर्दी की शुरुआत में अकसर इसका पता नहीं चलता। इसके प्रमुख लक्षणों में बुखार और कान में तेज दर्द होना है।

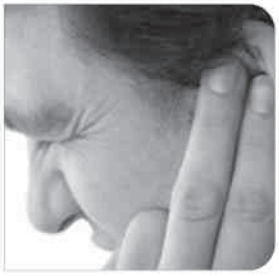

**क्या है इलाज :** जरूरी नहीं कि मरीज में सभी लक्षण दिखाई दें। हो सकता है कि किसी मरीज में केवल दो लक्षण ही हों। कान के अधिकतर संक्रमण वायरस के कारण होते हैं। यह आवश्यक नहीं कि उपचार के लिए एंटीबायोटिक दवाएं ही दी जाएं, लेकिन दर्द से राहत पाने के लिए डीकंजेस्टेंट दवाएं दी जा सकती हैं।

### गले का संक्रमण

ठंड के मौसम में गले का संक्रमण बहुत अधिक बढ़ जाता है। सूखी ठंड में यह ज्यादा परेशान करता है। यह वायरस के कारण होता है, जो आमतौर पर 6-7 दिनों में ठीक हो जाता है। लेकिन इतने समय में ठीक न हो तो यह बैक्टीरियल संक्रमण का रूप ले लेता है। ऐसे में समस्या पर विशेष नजर रखनी होती है, ताकि यह गंभीर रूप धारण न कर लें।

**क्या है इलाज :** शुरुआती संक्रमण में गर्म पानी के गरारे करने से यह ठीक हो जाता है। कई बार एंटीबायोटिक दवा लेनी पड़ती है।

### दमा

तापमान में गिरावट, कोहरा, प्रदूषण या वायरल संक्रमण के कारण सर्दियों में सांस की समस्याएं ज्यादा होती हैं। इन समस्याओं में दमा प्रमुख है। इसमें सांस फूलने, सांस से सांय-सांय की आवाज आने, पीला या सफेद बलगम आने, खांसी बढ़ जाने और रात को सो न पाने जैसे लक्षण दिखते हैं।

**क्या है उपचार :** दमा रोगी शुरुआत में डॉक्टर के पास जाकर अपनी दवा की मात्रा नए सिरे से निश्चित करवा लें। हो सकता है मौसम में बदलाव के साथ दवा की डोज बढ़ानी पड़े।

- दवाएं नियमित रूप से लें।
- खाने में हल्दी, अदरक, तुलसी, काली मिर्च, केसर आदि का प्रयोग करें।

### फ्लू

यह एक प्रकार के वायरस से होने वाली बीमारी है। इसमें तेज बुखार और बदन दर्द, सिर दर्द और गले में दर्द, खांसी आने और कभी-कभी सांस लेने में समस्या होने जैसे लक्षण दिखते हैं।

**क्या है उपचार**

- ऐसे लोगों को घर पर रह कर आराम करना चाहिए। जब तक बहुत जरूरी न हो, सार्वजनिक जगहों पर न जाएं।
- पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का इस्तेमाल करते रहें।
- साफ-सफाई का ध्यान रखें।

**- डॉ. ओमप्रकाश महात्मा**

### बरतें सावधानियां

- धूप निकलने के बाद ही सैर करने जाएं। फिटनेस विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार व्यायाम करें।
- गर्म तरल पदार्थ जैसे चाय, दूध और सूप का प्रयोग करें। अगर पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या है तो तरल पदार्थ लेते समय इस बात का ध्यान रखें।
- डॉक्टर की सलाह से समय रहते फ्लू और निमोनिया का टीका लगवाएं।
- सांस, हृदय और किडनी के मरीज मौसम के बदलाव पर डॉक्टर की सलाह लें और नियमित दवाएं लें। तरल पदार्थ की मात्रा की भी जानकारी डॉक्टर से अवश्य ले लें।
- फ्लू जैसी संक्रामक बीमारी के दौरान घर में रहें, ताकि बीमारी को फैलने से रोका जा सके।

# True Cherishing of Stones

SAMRAT™

**Regular 168 Plus Products with constant R&D to add into products.**

• Epoxy Resin • Color Convertor • Colorex • Shiner •
• Color Shiner • Rust Remover • Paste Pigment • Flocculant Abrasives •
• Floor Cleaner • Paint Remover • Marble Conditioner
• Cement Remover • Adhesive System • Cutting Powder Chemical •

SC

## SAMRAT CHEMICAL INDUSTRIES

**Head Office :** No. 2/9, Meera Nagar, 100 Ft Road, Near Mahapragya Vihar, Bhuwana, Udaipur - 313004, Rajasthan, India, Ph : +91-294-2811144, Fax : +91-294-2441332, e-mail : samrat_chemicals@rediffmail.com

**Factory :** G1-104, IID Center, RIICO Industrial Area, Kaladwas, Udaipur

**Branch at BANGALURU:** Shop No. 8, OTIS Ring Road, Manchanhalli, Jigni Industrial Area, Anekal Taluk, Bangaluru-560105, India
Ph : +91-9243606294

**Contact :** +91- 900 121 7333, 941 415 6824, 829 092 7824
**Customer Care : info@samratchem.com, Web : www.samratchem.com**

# पार्टियां क्यों नहीं देती चन्दे का हिसाब?

**राजनैतिक पार्टियों को मिलने वाले चंदे पर चोट के बगैर भ्रष्टाचार का खात्मा कैसे होगा? भ्रष्टाचार के खात्मे की पैरोकारी तो ये पार्टियां करती हैं, परन्तु जब उन्हें मिलने वाले चंदे का हिसाब मांगा जाए तो आंखें तरेरने लगती हैं। भ्रष्टाचार के तरीके अलग हो सकते हैं, पर ऐसा आचरण कहलाएगा तो भ्रष्टाचार ही। फिर जनता के लिए अलग निकष और राजनीतिक दलों के लिए अलग कसौटी कैसे हो सकती है?**

नौ जनवरी 2014 को एक भाषण में नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि विदेशों में जमा भारतीयों का कालाधन देश में आ जाए तो हर एक परिवार को घर बैठे ही 15-20 लाख रुपया मिल जाएगा। मोदी 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा कि आज नहीं तो कल हम वादे जरूर पूरे करेंगे। पिछले साढ़े तीन साल में उन्होंने जो कुछ कहा और किया, उसका प्रभाव भी पड़ा। भ्रष्टाचार के खात्मे के नाम पर नोटबंदी और जीएसटी जैसे बड़े कदम उठाए, परन्तु सवाल यह है कि केन्द्र सरकार राजनीतिक दलों को मिल रहे विदेशी चंदे की आवक के बारे में तथ्य क्यों छिपाना चाह रही है? हर राजनीतिक दल को विदेशों से चंदा मिलता है, जिसका स्रोत बताने को कोई भी तैयार नहीं है। उन्हें विदेश से ही नहीं अपितु देश के भीतर से भी बेशुमार दौलत चंदे के रूप में हाथ लगती है। इस का हिसाब-किताब सिर्फ एक सीमा तक ही उजागर किया जाता है। बाकी धन और उसका स्रोत पार्टियां गुप्त रखती हैं। उसे सार्वजनिक नहीं किया जाता। क्या यह आचरण भ्रष्टाचार की श्रेणी में नहीं है?

भारत के राजनैतिक दल पिछले सत्तर साल से अदृश्य स्रोतों से धन प्राप्त करते रहे हैं। सरकारें, संसद और चुनाव आयोग भी इसका पता लगाने में नाकाम हैं। एनडीए सरकार ने पिछले बजट में राजनीतिक दलों को नकद राशि के रूप में चंदा देने की सीमा बीस हजार रुपये तय की तथा इससे अधिक चंदा लेने के लिए चुनाव बाँड शुरू करने की घोषणा की थी। पर इस दिशा में हुआ कुछ नहीं। हर राजनीतिक दल चुनाव लड़ने और दैनंदिन खर्च के लिए व्यावसायिक घरानों से बड़ी मात्रा में चंदा लेता है। 1951 के लोकप्रतिनिधित्व कानून की धारा 29सी के अनुसार इन चंदों पर शत-प्रतिशत छूट के लिए पार्टियों को बीस हजार से ऊपर की राशि चुनाव आयोग के समक्ष घोषित करना होता है। गुजरात-हिमाचल प्रदेश के चुनाव सामने आते देख भ्रष्ट आचरण के नाम पर राजनीतिक दलों के नेता एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के पुत्र की अनायास बढ़ी सम्पत्ति को लेकर कांग्रेस ने सरकार और भाजपा पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं अमित शाह और अन्य भाजपा नेता अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस के वर्चस्व के बहाने वहां विकास की आड़ में गांधी परिवार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। दिल्ली **हाईकोर्ट ने अक्तूबर में** आदेश देकर कहा है कि केन्द्र सरकार छह माह में जांच करके बताए कि भाजपा, कांग्रेस और अन्य दलों ने विदेशों से कितना चंदा लिया है? यह पार्टियों को अंतिम मौका है। जनतांत्रिक सुधारों के लिए काम करने वाले एक एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की याचिका पर यह मामला सामने आया है। वैसे, यह तथ्य भी गौरतलब है कि स्वयंसेवी संस्थाएं भी पाक-साफ नहीं है। कई तो निहित स्वार्थ साधने, काले धन को सफेद बनाने और विदेशी फंड से देश की विकास परियोजनाओं पर सवाल खड़े करने के लिए जानी जाती हैं। अदालत वैसे तो यह सवाल कई बार पूछ चुकी है, परन्तु मोटी चमड़ी वाले राजनीतिक दलों पर कोर्ट की चिकौटी का कोई असर होता नहीं दिख रहा। अदालत में मामला करीब तीन साल से है। इस सिलसिले में दो तथ्य ग़ौर करने लायक हैं। पहला, विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम की धारा 4 के अनुसार कोई भी पार्टी या विधायक/सांसद विदेशी स्रोत से चंदा नहीं ले सकता। दूसरा, अदालत ने 2014 में पाया कि कांग्रेस और भाजपा ने ब्रिटेन में स्थित वेदांता रिसोर्सेस कंपनी से चंदा लिया था। सत्तारूढ़ भाजपा ने दलील दी थी कि उसने स्टरलाइट इंडस्ट्रीज और गोवा सेसा से यह रकम ली थी, जो वेदान्ता की कंपनी है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की पूंछ भी चंदे के बोझ से दबी है, फिर भला वही सफाई क्यों दें? भ्रष्टाचार मिटाना है तो चंदे के धंधे पर भी सरकार को प्रहार करना होगा। पार्टियों को मिलने वाले चंदे से ही तो प्रत्याशी चुनाव में अनाप-शनाप खर्च कर वोट लेता आया है। कौन नहीं जानता कि धन बल पर ही गंभीर आपराधिक किस्म के लोग सत्ता के सिंहासन पर चढ़ बैठते हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान राष्ट्रीय दलों को विभिन्न स्रोतों से 247.77 करोड़ का चंदा मिला, जो 2014-15 में बढ़ कर 622.38 करोड़ रुपये का हो गया। यह 177 फीसदी का इज़ाफा है। 303.42 करोड़ के ऐसे चंदे हैं जिनके दाता या उनके पते को विभिन्न राजनीतिक दलों ने नहीं बताया, न ही उनके पैन आदि की जानकारी दी। ये आंकड़े तो चुनाव आयोग के सामने पेश किए गए हिसाब-किताब की मामूली रकम है, अन्यथा देश के सभी राजनीतिक दल बड़े कॉर्पोरेट घरानों को डरा-धमका कर बहला-फुसला कर या अन्य ज़बरिया तरीके से जो धन ऐंठते हैं, उसका पारावार ही नहीं। सत्ता मिलने के बाद ऐसे घरानों को इसका फायदा भी मिलता है। राष्ट्रीय दलों में सबसे ज्यादा चंदा भाजपा को मिला। इसके बाद कांग्रेस, एनसीपी, सीपीएम, सीपीआई का नाम है। केन्द्र या राज्य में किसी भी दल की सरकार बनती है वह भ्रष्टाचार के खात्मे की बातें करती है परन्तु जब भ्रष्ट आचरण की आग अपने आसपास नजर आती है तो बुलेट फायर एक्सिटिंगूशर से उसे तत्काल बुझा देती है। पंचायतों से लेकर संसद तक, संतरी से लेकर मंतरी तक, चपरासी से लेकर पटवारी और एडिटर से लेकर कलक्टर तक भ्रष्टाचार कहीं कम होता नजर नहीं आता।

**- जगदीश सालवी**

Vikas Daga

*With Best Compliments*

9460945001
9351045001
2421155 (O)

प्रत्यूष

SKF

Authorised Distributor :-

**ENDURA** HI-Tech
V-BELTS

# DAGA BEARINGS

A HOUSE OF ALL KINDS OF INDUSTRIAL BEARINGS & V-BELTS

Mahaveer Bhawan, Near Taiyabiya, New Ashwini Bazar
Delhi Gate, UDAIPUR - 313 001 (Raj.) Email : vikassdaga@yahoo.com

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

# मै. धूलचन्द कुरीचन्द

(परसाद वाले)

## गुड़ व शक्कर के थोक विक्रेता

अधिकृत विक्रेता : गोदरेज सराली

8 G 8, कृषि उपज मण्डी यार्ड, उदयपुर – 313 002 (राज.)

# सामाजिक समरसता के गायक : नरसी

महात्मा गांधी के बेहद प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेणे कहिए' के रचनाकार संत कवि नरसी मेहता या नरसिंह मेहता का भक्त कवियों में बहुत अहम स्थान है। हिंदी साहित्य में जो स्थान कृष्णभक्त कवि सूरदास का है, गुजराती साहित्य में वही स्थान नरसिंह मेहता का है। उनके कृतित्व और व्यक्तित्व की असाधारणता का पता इसी बात से चलता है कि साहित्य के इतिहास ग्रंथों में 'नरसिंह-मीरा युग' नाम से एक अलग काव्यकाल का निर्धारण किया गया है जिसकी मुख्य विशेषता श्रीकृष्ण की भक्ति के पदों की रचना है।

-डॉ. प्रीति शर्मा

उनके जन्म के समय को लेकर विवाद है और उसके बारे में बहुत निश्चय के साथ कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन ज्यादातर इतिहासकारों और विद्वानों का मानना है कि उनका जन्म जूनागढ़ के पास तलाजा गांव में सन् 1414 के नवम्बर माह में हुआ था। नरसिंह मेहता की प्रवृत्ति शुरू से ही संतों की-सी थी। माता-पिता उनके बचपन में चल बसे, इसलिए अपने चचेरे भाई के साथ रहते थे। अकसर संतों की मंडलियों के साथ घूमा करते थे। 15-16 वर्ष की उम्र में उनका विवाह हो गया। ईश्वर की भक्ति में ऐसे रमे रहते कि किसी काम में मन ही नहीं लगता। कोई काम न करने पर भाभी उन पर ताने मारती रहती थी। एक दिन उसकी फटकार से व्यथित नरसिंह गोपेश्वर के शिव मंदिर चले गए और वहीं जप-तप करने लगे। मान्यता है कि सात दिन के बाद उन्हें शिव के दर्शन हुए। नरसिंह ने औघड़दानी शिव से कृष्णभक्ति और रासलीला के दर्शन का वरदान मांगा। उन्हें शिवजी का वरदान मिला और द्वारिका में उन्हें रासलीला के दर्शन हुए। अब नरसिंह का जीवन पूरी तरह से बदल गया। भाई का घर छोड़कर वह जूनागढ़ में ही अलग रहने लगे। उनका निवास स्थान आज भी 'नरसी मेहता का चौरा' के नाम से प्रसिद्ध है। वे बहुत ही निर्धन थे। निर्धनता के अलावा उन्हें अपने जीवन में पत्नी और पुत्र की मृत्यु का दुख भी झेलना पड़ा था। सबके बावजूद कृष्णभक्ति ही उनके जीवन का उद्देश्य था। उनके लिए सारे मनुष्य समान थे। न जाति-धर्म और न ऊंच-नीच का कोई भेद। छुआछूत वे नहीं मानते थे और दलितों की बस्ती में जाकर उनके साथ कीर्तन करते थे। इससे बिरादरी ने उनका बहिष्कार तक कर दिया, पर वे अपने पथ से नहीं डिगे। नरसिंह मेहता के बारे में कई किंवदंतियां भी प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि कई बार स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने उनकी मदद की थी। एक बार जब जूनागढ़ के राजा ने उनकी परीक्षा लेनी चाही तो कीर्तन में मग्न नरसी के गले में माला पड़ गई। फक्कड़ नरसी की बेटी के ससुराल में जब 'मायरा' भरने का मौका आया तो उन्होनें कृष्ण को पुकारा और वे अदृश्य रूप में नरसी के साथ कई छकड़े भर इतना सामान लेकर 'नानी' के ससुराल पहुंचे कि वे लोग भौचक्के रह गए जो प्राय: नरसी की गरीबी का मखौल उड़ाया करते थे। उन्होंने गुजराती में कई कालजयी कृतियों की रचना की। 'सुदामा चरित', 'गोविन्द गमन', 'दाणलीला', 'चातुरियो', 'सुरत संग्राम', 'राससहस्र पदी', 'शृंगार माला', 'वंसतनापदो' और 'कृष्णजन्मसनेमानां पदो' आदि उनकी कुछ प्रमुख रचनाएं हैं। नरसिंह मेहता का निधन सन् 1480 ईस्वी में माना जाता है।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

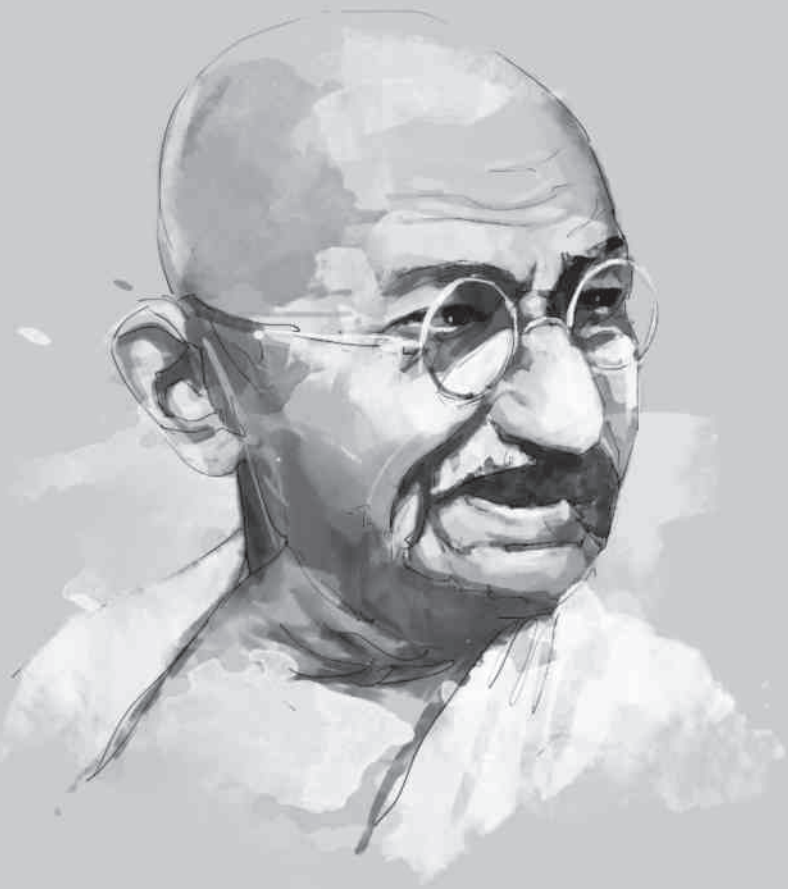

# शौचालय भी घर के कमरे जितना ही साफ हो

–महात्मा गांधी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के लिए स्वच्छता एक काम या आदत नहीं बल्कि जीने का एक तरीका था। आइए, उनकी सबसे बड़ी सीख यानि स्वच्छता को हम अपनी ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बनाएं।

**'स्वच्छता ही सेवा'** का मंत्र अपनाकर देश को स्वच्छ बनाएं।

राजस्थान पत्रिका

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

## सस्ते तेल का महंगा फंडा

# केन्द्र और राज्य दोनों ही काट रहे जेबें

– उमेश शर्मा

*केन्द्र में जब यूपीए सरकार थी, भाजपा पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने पर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करने का कोई भी मौका नहीं चुकते थे । आज उसी के नेता पेट्रो-उत्पादों की आसमान छूती कीमतों को जायज ठहराने के लिए बेतुके बयान दे रहे हैं। मोदी सरकार से पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 112 डॉलर प्रति बैरल थे, जो अब करीब आधे से ज्यादा गिर कर 54 डॉलर रह गए हैं। बावजूद इसके जनता की जेब काटी जा रही है।*

आम आदमी की ज़िंदगी में खुशहाली के रंग भरने के वादे के साथ 2014 में जब मोदी सरकार काबिज हुई, उस वक़्त अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 112 डॉलर प्रति बैरल था। पेट्रोल तकरीबन 75 रुपये और डीजल 57 रुपये प्रतिलीटर था। 13 सितम्बर 2014 को कच्चा तेल गिरकर 106 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया तो उस दिन पेट्रोल 68.51 रुपये प्रति लीटर हो गया। सितम्बर 2017 में अन्तरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल का दाम 54 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास था। ऐसी स्थिति में भी देश में पेट्रोल 80-81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 58-59 रुपये प्रति लीटर बिक रहा था। 16 जून, 2017 से केन्द्र सरकार ने प्रतिदिन के आधार पर तेल के मूल्य तय करने का सिस्टम लागू किया, लेकिन उपभोक्ता पिछले चार माह से हर दिन ठगाता जा रहा। सवाल है कि जब कच्चा तेल काफी सस्ता था तो पेट्रोल की कीमत बढ़ा कर क्यों वसूली जाती रही ?

जब कोई पॉकेटमार जनता की जेब साफ करता है तो उसे कानूनन सजा मिलती है। लेकिन यही काम सरकार बेखौफ़ सरे आम कर रही है। हैरत है कि साढ़े तीन साल पहले अन्तरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड के जो दाम थे, वे आज आधे से भी कम हैं फिर भी सितम्बर 2017 तक मोदी सरकार ने कच्चे तेल में निरन्तर कीमतों में हुई गिरावट का आम जनता को एक धैले का भी फायदा नहीं दिया। यही नहीं सरकार ने पेट्रो-उत्पादों का इंडेक्स 70-75 के आसपास बनाए रखने के लिए ईंधन पर लगातार उत्पाद शुल्क बढ़ाया। पिछले दो सालों में पेट्रोल पर 12 रुपये भी बढ़ाए। देशभर में भारी विरोध के बाद सरकार ने राहत के छींटों के नाम पर एक अक्तूबर के शुरू में दो रुपये प्रति लीटर की मामूली कमी का ऐलान किया। अब राज्य सरकारों को कहा जा रहा है कि वे वैट में कमी कर जनता को राहत पहुंचाएं।

### समझ से परे बाजीगरी

मई 2014 से जनवरी 2017 के बीच केन्द्र ने पेट्रोल पर 11 रुपये तथा डीजल पर 13.47 प्रति लीटर उत्पाद शुल्क बढ़ाया। पिछले तीन वर्षों में पेट्रोलियम उत्पादों से राजस्व वसूली 28 फीसद बढ़ी है। पेट्रोल पर तीन वर्ष पहले के 9.48 रुपये उत्पाद शुल्क की तुलना में सितम्बर 2014 में उत्पाद शुल्क 21.48 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल के संबंध में यह आंकड़ा और भी ज्यादा है, यानी 3.56 रुपये प्रति लीटर की तुलना में 17.33 रुपये प्रति लीटर रहा। पेट्रोलियम उत्पादों की लगातार बढ़ती कीमत से त्रस्त आम आदमी के लिए बहुप्रतीक्षित अच्छे दिनों की झलक देखने का अवसर पिछले दिनों तब आया, जब अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत तीन साल पहले की कीमत करीब छह हजार तीन सौ रुपये से नीचे गिर कर तीन हजार तीन सौ रुपये प्रति बैरल आ गई। लेकिन आम भारतीयों को कीमत गिरने का रत्ती भर भी फायदा नहीं मिला। सरकार बाजीगरी करते हुए तेल की गिरती कीमतों के अनुपात में उत्पाद शुल्क बढ़ाती चली गई। सरकार के अपने तर्क रहे, लेकिन जनता को जो लाभ मिलना चाहिए था वह नहीं मिला। तीन साल में पचास फीसद तक कच्चा तेल सस्ता हो चुका। लेकिन सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 126 प्रतिशत और डीजल पर 387 फीसद तक बढ़ा दी। मई 2014 में जितना कर राजस्व सरकारें वसूल कर रही थीं, उसका दुगुना वसूल करती रही। इसमें केन्द्र के साथ राज्य सरकारें भी सहभागी हैं, जो लगातार अपना वैट बढ़ाती गई। राज्य सरकारें और केन्द्र सरकार पेट्रोल-डीजल के जरिए अपना खजाना भरने में लगी रही। केन्द्र का शुल्क अलग और राज्यों का वैट अलग होता है। महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जो पेट्रोल पर 47.64 तक प्रतिशत वैट वसूलता है। इस वक्त 26 राज्य पेट्रोल पर 25 फीसदी से अधिक वैट वसूल रहे हैं। यह उनकी मोटी कमाई का जबर्दस्त जरिया है। इसीलिए सभी राज्य पेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में लेने का विरोध कर रहे हैं। एक मोटे अनुमान के अनुसार पेट्रो उत्पाद कंपनी के पेट्रोल पर 26.65 रुपये और डीजल पर 26.00 रुपये प्रति लीटर की लागत आती है। इसमें कंपनियाँ करीब 4.1 प्रतिशत मार्जिन वसूलती हैं। केन्द्र सरकार पेट्रोल पर 21.48 और डीजल पर 17.33 रुपये एक्साइज ड्यूटी वसूलती रही, जिसे अब मामूली कम किया गया है। राज्य सरकारें पेट्रोल पर 14.96 और डीजल पर 8.67 रुपये प्रतिलीटर वैट वसूलती है। डीलर मार्जिन के बाद पेट्रोल

की खुदरा कीमत 75-80 रुपये और डीजल की 59-60 रुपये प्रतिलीटर हो जाती है। यानी 26.55 रुपये वाला पेट्रो उत्पाद 37.50 रुपये टैक्स/वैट के बाद कंपनी/डीलर के 7.30 रुपये मार्जिन पर उपभोक्ता को मिल रहा है।

## पड़ोसी देशों में सस्ता

सितम्बर के मध्य में जब भारत में पेट्रोल 75 रुपये प्रति लीटर मिल रहा था। उस वक्त पाकिस्तान में यह 43.54 रुपये, श्रीलंका में 53.72 रुपये, नेपाल में 61.35 रुपये, बांग्लादेश में 69.46 रुपये और भूटान में 62.20 रुपये प्रतिलीटर था। हैरत तो इस बात की है कि श्रीलंका और नेपाल में भारत के जरिए ही पेट्रो पदार्थों की सप्लाई होती है, लेकिन वहां इनके दाम हमारे देश से कम हैं। भारत में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम मुख्य रूप से अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की औसत कीमत, परिवहन व्यय, रिफाइनरियों के खर्चे, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और विभिन्न राज्यों द्वारा निर्धारित वस्तु पर मूल्य आधारित कर या वैल्यू एडेड टैक्स के आधार पर तय होते हैं। भारत में तेल के दाम उछलने का अजब खेल चल रहा है। बाजार में तेल की तेजी से कीमतें गिर रही है, लेकिन सरकार कीमत तीन साल पहले वाली ही रखने पर तुली है। पेट्रोलियम पदार्थों की खपत की दृष्टि से भारत का अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में तीसरा स्थान है। माना जा रहा है कि देश की अरबों-खरबों की संपदा पेट्रो पदार्थों की बेतहाशा खपत पर स्वाहा हो रही है। कहा जा रहा है कि बढ़ी हुई कीमतों के माध्यम से सरकार इनकी खपत पर अंकुश लगाना चाहती है। एक केन्द्रीय मंत्री ने तो यहां तक कह दिया है कि वे 2030 तक पेट्रोल-डीजल के उपयोग वाले वाहन उद्योगों को जमींदोज कर देंगे, यदि उन्होंने वैकल्पिक ऊर्जा चालित वाहन बनाने पर जोर नहीं दिया।

## पहले तमाशा, अब लीपापोती

यूपीए सरकार में जब कभी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े, भाजपा संसद से सड़क तक हंगामा करने से नहीं चूकी। उससे पहले भी दाम बढ़ने पर भाजपा संसदीय दल के नेता अटलबिहारी वाजपेयी संसद परिसर में बैलगाड़ी में बैठकर आए थे। भाजपा की अगुआई वाली मोदी सरकार ने जब सत्ता संभाली थी। उस वक्त पेट्रो-डीजल के जो भाव थे, उससे भी ज्यादा उसका दाम सितम्बर 2017 में रहा। जनता को कष्ट में डालकर सरकार अपना खजाना भर रही है। ताज्जुब इस बात का है कि एक केन्द्रीय नेता कह रहे हैं कि पेट्रो-डीजल वाहन चलाने वाले कोई भूखे नहीं मर रहे हैं, वे बढ़ी कीमतों का भार उठाने में सक्षम हैं। हम टैक्स इसलिए लगा रहे हैं कि गरीबों को बिजली, पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं दी जा सकें। ऐसी दलील तो चंबल के डाकू भी अमीरों को लूट कर गरीबों की मदद के दौरान देते थे।

# क्यों नहीं जीएसटी के दायरे में?

जब सारे देश में समान कर व्यवस्था लागू की गई है तो पेट्रो उत्पादों को वस्तु एवं सेवा कर के दायरे से बाहर क्यों छोड़ा गया? पेट्रोलियम मंत्री ने अब जाकर पेट्रोलियम पदार्थों को सस्ता करने के लिए उन्हें जीएसटी के दायरे में लाने की आवश्यकता बता कर गेंद वित्त मंत्रालय के पाले में डाल दी है। वित्त मंत्रालय तो पहले ही बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और कमजोर अर्थव्यवस्था को लेकर सवालों के घेरे में है। यह भी विस्मय का विषय है कि आम जनता को तो 80 रुपये में प्रतिलीटर पेट्रोल मिलता रहा, वहीं समृद्ध तबके को सस्ता हवाई सफ़र करवाने के लिए एविएशन कंपनियों को एयर टरबाइन फ्यूल(एटीएफ) कम कीमत पर दिया जा रहा है। देश के मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा पेट्रो-उत्पादों के आयात पर खर्च हो जाता है। भारत आत्मनिर्भरता की दृष्टि से पिछले सात साल के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया है। विश्व के डेढ़ दर्जन देश पेट्रोल-डीजल कारों पर प्रतिबंध लगाने के तकनीकी टास्क पर जुटे हैं। चीन, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, नॉर्वे सहित कई देशों ने समय सीमा तय कर ली है। 2016 में 20 लाख इलेक्ट्रिक कारें बेची गई, जिसमें से 40 प्रतिशत तो सिर्फ चीन ने बेची थी। 2020 तक दो करोड़ इलेक्ट्रिक कारें होगी। दोपहिया वाहन और बसें भी इलेक्ट्रिक होंगी। भारत ने भी 2030 तक बिकने वाला हर वाहन इलेक्ट्रिक बनाने की तैयारी शुरू कर दी है।

# मोती उत्पादन के लिए भारत की जलवायु सबसे उपयुक्त

## छह माह से एक साल की अवधि में तैयार हो जाता है मोती

## जापान में लगता है तीन साल से अधिक समय

-रेणु शर्मा

*मोती उत्पादन की दृष्टि से भारत की समुद्री जलवायु दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले सर्वाधिक उपयुक्त है। जहां मोती उत्पादन में एकाधिकार रखने वाले देश जापान में मोती बनने में तीन साल से अधिक का समय लगता है वहीं भारत में अंडमान के स्वच्छ, शांत और विविधताओं से भरे समुद्री जलवायु में मोती बनने में महज छह महीने से एक साल लगता है।*

भारत के ख्यातिलब्ध पर्ल एक्वाकल्चर क्षेत्र के वैज्ञानिक डॉ. अजय सोनकर का कहना है कि भारत दुनिया के सर्वोत्तम मोती उत्पादक देश होने की भरपूर संभावना रखता है। उनका प्रयास है कि भारत मोती उत्पादन में दुनिया का अग्रणी देश बने। जिसका वह कुदरती हकदार है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में एकाधिकार रखने वाले देश जापान का समुद्री पानी काफी ठंडा है। विगत वर्षों में समुद्री जलवायु में आए परिवर्तन और अतिविकास के फलस्वरूप समुद्री पानी काफी प्रदूषित और अनुपयुक्त होने के कारण वहां सीपों की बड़ी संख्या में मौत हो रही है। अब जापान के लिए लागत की दृष्टि से मोती उत्पादन अधिक लाभप्रद नहीं रह गया है। आज उसे दूसरे देशों में जाकर अपनी परियोजना स्थापित करनी पड़ रही है जिससे लागत और बढ़ती है।

चीन के मीठे पानी के बने बेहद साधारण और सस्ते मोती के कारण भी जापान व अन्य मोती उत्पादक देशों का मोती कारोबार प्रभावित हो रहा है। चीन के पास समुद्री पानी में मोती बनाने की प्रौद्योगिकी नहीं है। ऐसे में भारत में अंडमान जैसे द्वीप समूह का साफ-सुथरा वातावरण और भारत में विकसित की गई निजी प्रौद्योगिकी के कारण यह इसके उत्पादन के लिए सर्वोत्तम स्थल है क्योंकि यहां सीपों की दुर्लभ प्रजातियां जैसे कि पिंक टाडा मार्गेरटिफेरा, पिंक टाडा मैक्सिमा और टीरिया पैंग्विन आदि प्रचुरता में उपलब्ध हैं जो दुनिया की बेहतरीन मोती बनाने की क्षमता रखती है। सोनकर असंभव माने जाने वाले 22 मिमी आकार का दुनिया का सबसे बड़ा काला मोती बनाकर जापान सहित दुनिया के तमाम मोती उत्पादक देशों को अचंभित भी कर चुके हैं। उनकी इस उपलब्धि के बाद लोग उनके कार्यस्थल अंडमान निकोबार द्वीप समूह को अंग्रेजी शासन के दौरान 'कालापानी के सजायाफ्ता लोगों की जगह' इसे 'काला मोती' के सृजन स्थल के रूप में चिन्हित करने लगे हैं।

मोती उत्पादन का काम ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, इंडोनेशिया, ताहिती और कुक आइलैंड जैसे देशों में भी हो रहा है। लेकिन इनकी समुद्री जलवायु के मुकाबले भारत में अंडमान के साथ-साथ विभिन्न समुद्री स्थलों की जलवायु मोती उत्पादन के लिए कहीं अधिक उपयुक्त है। सोनकर को सबसे ज्यादा दुःख इस बात का है कि मोती उत्पादन के लिए, इस प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने वाले जीव की तमाम देशों में बड़े पैमाने पर हत्या की जा रही है। उन्होंने सीप के जीवन की रक्षा के लिए ऐसी प्रौद्योगिकी को भी ढूंढ निकाला है, जिससे इनकी बेवजह होने वाली मौतों पर अंकुश लगा है। अब दुनिया के तमाम देश इस काम के लिए उनकी सेवाएं ले रहे हैं। सोनकर की प्रौद्योगिकी के जरिए सीप बार-बार मोती उत्पादन करते हुए भी स्वस्थ और जीवित रहते हैं। सीप पानी को साफ और स्वच्छ रखने का भी अहम काम करते हैं। जब कोई सीप पानी की तलहट पर जमी कांई से भोजन लेता है तो वह इस प्रक्रिया में लगभग 15 गैलन पानी को एकदम स्वच्छ कर देता है, पानी में नाइट्रोजन कम करता है और ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ाने के साथ ही गंदगी भी दूर करता है। सीपों के जीवन को अपना प्रेरणा स्रोत होने का कारण बताते हुए डॉ. सोनकर का कहना है कि सीप जब प्रकृति से भोजन के रूप में कुछ लेता है, बदले में शुद्ध पानी के रूप में एक अनमोल वस्तु प्रकृति को लौटा देता है। और जब सीप के बदन में तकलीफ पहुंचती है तो वह उस तकलीफ को रत्न(मोती) में बदल देता है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

HC

Pradeep Heda
B.E. (Civil)

# HEDA CONSTRUCTION

Civil Contractor, Engineers & Consultants

1, A, Babel ki bari
Govind Nagar, Sector-13,
Udaipur-313001
Phone : (0294) 2484875
(0294) 2484355
Fax : (0294) 2488387
Mobile : 94141 59875

Email: hedaconstruction@yahoo.com

With Best Compliments

**Prateek Khicha**
**Managing Director**

KPL

# KHICHA PHOSCHEM LTD.

204, Vinayak Business Centre, Fatehpura, Pulan Road,
UDAIPUR - 313 001 (Raj.) Phone : 0294-2452151 (O) 6451366, 6451377
2451332 (R) (W) Madri : 0294-2490829, 6451257 Fax : 0294-2452149
E-mail : khichaphoschem@rediffmail.com I Website : www.khichaphoschem.com

# बच्चों को सिखाएं बचत का तरीका

*समय के साथ सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन उससे कहीं तेज रफ़्तार में बढ़ी है, आवश्यकताएं। ऐसे में परिवार में यदि एक ही सदस्य कमाने वाला है तो, उसकी आमदनी भी पर्याप्त नहीं। पति-पत्नी दोनों ही कमा रहे हैं, तो भी घर खर्च बढ़ ही जाता है। ऐसी स्थिति में बचत ज़रूरी है। बचत भावी मुसीबतों अथवा आवश्यक बड़े खर्चों से भी सुरक्षित करती है। बच्चों में भी यह आदत डालें। छोटी उम्र में ही सिखाएंगे तो वह उनके भविष्य के लिए बेहतर होगा।*

बहुत से अभिभावक यह मानते हैं कि बच्चे की चार या पांच साल की उम्र बचत की आदत के लिए बेहद कम है। लेकिन सीखने के लिए कोई निर्धारित उम्र नहीं होती बल्कि यह जितना पहले हो उतना ही बेहतर है। यदि आप घर से बाहर कहीं घूमने जा रहे हैं तो बच्चे को एक सिक्का देकर उसे सुरक्षित रखने के लिए कहें और बताएं कि इस पैसे से उसके लिए चॉकलेट खरीदना है। इससे बच्चे में पैसे की अहमियत बढ़ती जाएगी। बेहद छोटी उम्र में बच्चों को बचत के लिए गुल्लक( पिगी बैंक) देना चाहिए साथ ही खेलों के माध्यम से भी उन्हें बचत करना सिखाने की कोशिश करना चाहिए। जब बच्चों को जेब खर्च देना शुरू करें तब उन्हें बचत और खर्च का हिसाब करना भी सिखाएं।

## नकल करते हैं बच्चे

यह सही है कि बच्चे अभिभावक की नकल करते हैं और वे सभी काम करना चाहते हैं जो उनके अभिभावक करते हैं। घर का माहौल बच्चों के सीखने के लिए सबसे अहम होता है। यदि आप चाहते हैं कि बच्चे खेल मैदान, स्कूल से आने अथवा खाना खाने के बाद हाथ साफ करें तो सबसे पहले आपको ऐसा करके दिखाना होगा। यह नजरिया जीवन के हर पहलू पर लागू होता है। बच्चे उदाहरण से सीखते हैं। ऐसे में अभिभावक को पैसे की अहमियत समझने के साथ बच्चों को भी उसके बारे में बताना चाहिए। लेकिन कई बार अभिभावक इसे अपने ऊपर लागू करना भूल जाते हैं। यदि अभिभावक के तौर पर आप घर में एलसीडी टीवी रहते हुए एलईडी टीवी खरीदना चाहते हैं तो इसे देखते हुए बच्चे भी महंगे मोबाइल की मांग कर सकते हैं और ऐसे में उन्हें गलत ठहराना बेहद मुश्किल होगा। जीवन में खुशी पैसे से ही नहीं मिलती किन्तु यह भी सच है कि पैसे की जीवन में बहुत अहमियत है। अभिभावकों में पैसा खर्च करने और बचत का तरीका उनकी आदतों से दिखना चाहिए। ऐसे में यदि आप बच्चों से बचत की उम्मीद करना चाहते हैं तो सबसे पहले खुद से यह सवाल करें कि क्या आप अपना बजट बनाते हैं ? क्या नियमित तौर पर बचत करने की आदत है ? क्या आपने वित्तीय लक्ष्य तय किया है ? क्या खरीदारी करते समय खुद पर नियंत्रण रखते हैं ? इस बात को हमेशा याद रखें कि बच्चे केवल आपके व्यवहार से सीखते हैं।

## बचत पर दें इनाम

बच्चों में लक्ष्य तय करने की आदत डालने की कोशिश करनी चाहिए जैसे बच्चे को बैट्री वाली कार खरीदने के लिए बचत करने को कहना या अन्य दूसरी वस्तुएं जो उसे पसंद हो उसके लिए बचत करने को कहना आदि। यदि एक बार बच्चा अपने जेब खर्च, रिश्तेदारों से मिले पैसे से अच्छी बचत कर लेता है तो इसके जरिए वह जीवन में बचत का तरीका हमेशा के लिए समझ सकता है। अभिभावकों को इस काम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। जब आप बच्चे को जेब खर्च के लिए पैसे दें तब उनके साथ बैठकर बजट बनवाने में भी मदद करें। अपने बजट को ध्यान रखते हुए खर्च करने के लिए समझ बढ़ाना बेहद जरूरी है। यदि बच्चा अपने बजट के अनुसार बचत और खर्च करना पसंद करने लगे तो उसकी इस आदत को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिससे भविष्य में वह और बचत करने के लिए प्रोत्साहित हो। एक दूसरा तरीका यह है कि जब बच्चा बचत का एक लक्ष्य पूरा कर ले तो आप उसकी बचत के बराबर की रकम का सामान अपनी ओर से खरीदकर उपहार दे सकते हैं। जब बच्चा अपनी जेब खर्च से एक खास रकम की बचत कर ले और अपनी पसंद का कोई सामान खरीदना चाहे तो अभिभावक को मना नहीं करना चाहिए। अभिभावकों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे बच्चों से जिस बात की उम्मीद कर रहे हैं उसे अपनी जिंदगी में भी अमल में लाएं। बच्चों को बचत के लिए प्रोत्साहित करने के साथ उनकी जरूरतों को भी ध्यान रखना चाहिए।

## अनुभव से सीखते हैं बच्चे

बच्चों को सिखाने के लिए अनुभव सबसे बेहतर विकल्प है और कुछ खास बातें सीखने के लिए तो इसका मुकाबला ही नहीं है। यदि आप अपने बड़े होते बच्चे से वयस्कों जैसे व्यवहार की उम्मीद कर रहे हैं और चाहते हैं कि वह घर की आर्थिक स्थिति को समझते हुए उसमें हिस्सेदारी करें तो उसे सीधे तौर पर बताना बेहतर होगा। यदि बच्चों को इस बात की सीधी जानकारी दे दी जाए कि उनके अभिभावक की आर्थिक स्थिति कैसी है और

कितना खर्च करने की स्थिति में हैं तो बच्चे बेहतर तरीके से समझ जाएंगे। ऐसा होने पर बच्चे सामान्यत: ऐसी कोई मांग नहीं करेंगे जो आपके बजट के बाहर की हो। इससे बच्चे पैसे की अहमियत समझने के साथ जेब खर्च के लिए मिली रकम को भी बहुत समझदारी से खर्च करेंगे। यदि बच्चा थोड़ा बड़ा हो तो अभिभावकों को उसके साथ बैठकर पैसा, बचत और उससे मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी देनी चाहिए। हालांकि बच्चों को सिखाने का एक दूसरा पहलू भी है। यदि आप दान देने में भरोसा करते हैं तो यह कोई जरूरी नहीं कि बच्चा भी यह करे। लेकिन जाड़े के इन दिनों में बच्चे को लेकर आप जरूरतमंदों के इलाके में जा सकते हैं और उसे यह एहसास करा सकते हैं कि कैसे यहां लोगों को कंबल और कपड़े की जरूरत है और हम कैसे उसमें मददगार बन सकते हैं। इससे बच्चे में जरूरतों को लेकर समझदारी आएगी।

**– कल्पना नागदा**

## सावधानी

# चाय पीएं, मगर संभल कर

चाय भारतीयों के भी जीवन का अभिन्न हिस्सा है। सुबह आंख खुलते ही चाय चाहिए। सुबह चाय न मिले तो लगता है जैसे दिन की शुरुआत ही नहीं हुई। रात को देर तक जगना हो तो चाय के बिना गुजारा नहीं। दिन में पांच-दस कप चाय हो जाना तो आम बात है भारतीयों के लिए। वैसे चाय कोई फायदा करती हो या नहीं, पर नुकसान जरूर करती है। खासकर खाली पेट चाय तो पेट का कबाड़ा ही कर देती है।

**ना पीयें खाली पेट चाय :** अगर आप खाली पेट चाय पीते हैं या फिर काफी ज्यादा चाय पीते हैं, तो आपको इसके नुकसान के बारे में जरूर पता होना चाहिए। चाय पीने की आदतों को लेकर कई तरह के शोध हुए हैं। भारत में लगभग नब्बे फीसद लोग सुबह नाश्ते से पहले चाय जरूर पीते हैं। सुबह खाली पेट चाय पीना काफी नुकसानदायक होता है, खासकर गर्मियों में। दरअसल, चाय में अम्ल काफी मात्रा में होता है। खाली पेट सुबह चाय पीने से पेट के रस पर इसका सीधा असर पड़ता है। इससे पेट में एसिडिटी बनती है, जो गले से लेकर आंतों तक को प्रभावित करती है। इससे गले और पेट में जलन होती है और खट्टी डकारें आती हैं। पाचन तंत्र बिगड़ने लगता है। इसलिए सुबह खाली पेट चाय पीने से जितना हो सके, बचने का प्रयास करें। जो लोग खाली पेट बहुत ज्यादा दूध वाली चाय पीते हैं, उन्हें थकान की शिकायत होने लगती है। इसकी वजह है कि चाय में दूध मिलाने से एंटीऑक्सीडेंट का असर खत्म हो जाता है।

**बिना दूध की चाय पीएं :** चाय में कैफीन और टेनिन होते हैं, जो शरीर में ऊर्जा भर देते हैं। काली चाय में दूध मिला कर पिया जाए तो इससे चाय में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट खत्म हो जाते हैं और फिर वह उतनी असरदार नहीं होती। बेहतर होगा कि चाय में दूध न मिलाएं। बिना दूध की चाय फायदा करती है। पर ज्यादा ब्लैक टी का सेवन करते हैं, तो वह सीधे पेट पर असर करती है।

**कड़क चाय से बचें :** कड़ी चाय पीने से पेट को सीधा नुकसान पहुंचता है। पेट में अल्सर और एसिडिटी हो सकती है। अगर आप दो अलग-अलग ब्रांड की चाय एक साथ मिला कर पीते हैं, तो उसका बुरा असर काफी तेजी से होता है और लगेगा कि चाय का नशा चढ़ चुका है।

**साथ में कुछ खाएं :** चाय के साथ बिस्कुट या कुछ भी खाने से पेट चाय को पचा लेता है। चाय के साथ नमकीन या मीठा खाने से शरीर को सोडियम मिलता है, जिससे अल्सर नहीं होता।

**खाने के बाद न पीयें :** खाना खाने के बाद चाय पीना ठीक नहीं है। चाय में टेनिन होता है, खासकर गहरे रंग वाली चाय में। ऐसे में वह आपके खाने में मौजूद आयरन के साथ प्रतिक्रिया कर सकती है। इसलिए दोपहर में खाना खाने के बाद चाय न पीयें।

**प्रोस्टेट कैंसर का खतरा :** जो पुरुष दिन में पांच कप चाय पीते हैं, उन्हें प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ता है। इससे पहले कई शोधों में दावा किया है कि चाय पीने से कैंसर का खतरा टलता है।

**ज्यादा गरम चाय पीने का नुकसान :** ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में छपे अध्ययन के मुताबिक ज्यादा गरम चाय पीने से खाने की नली या गले का कैंसर होने का खतरा आठ गुना तक बढ़ जाता है। तेज गरम चाय गले की टिशू को नुकसान पहुंचाती है।

**– उदय प्रजापत**

# गजलें

**- ज्ञानप्रकाश विवेक**

वफ़ा के जश्न हम जैसे फ़कीरों ने मनाए हैं
कि हमने रेत की दीवारे से रिश्ते निभाए हैं
ज़रा तुम उन परिंदों की भी हिम्मत देखते यारों
जिन्होंने वारदातों के शहर में घर अपने बनाए हैं
उसे मेहनतकशों की मुश्किलों का क्या पता होगा
कि चाबी के खिलौने जिसने जीवन भर चलाए हैं
मैं अपने दोस्तों के दर को थपकाता रहा लेकिन
हुआ मालूम कि सबने यहां सांकल चढ़ाए हैं
न जाने बादलों को बात ये किसने बताई है
कि हमने शामियाने आज कागज के बनाए हैं
शहर के उस महाजन का रवैया पूछते क्या हो
भिखारी जिसके घर से हाथ-खाली लौट आए हैं
बहुत ही बदगुमां लगता है मुझको आसमां जैसे
किसी ने कहकशां से आज कुछ तो तारे चुराए हैं
हुआ यह इल्म अब इस उम्र की दहलीज पे आकर
कि अपना कीमती सामान पीछे छोड़ आए हैं

**2**

तंग जूते को पहन कर मैं किधर जाऊंगा
बस, जरा दूर चलूंगा कि ठहर जाऊंगा
जिंदगी, मैं तेरा आंसू हूं मुझे यूं न गंवा
मैं तेरी आंख से टपका तो बिखर जाऊंगा
आज बच्चों के लिए कुछ भी न लाया
आज मैं देर गए रात को घर जाऊंगा
काफ़िले वालों की उभरेंगी कई आवाजें
मैं तो चुपचाप फ़कीरों-सा गुजर जाऊंगा
अपने होने की खबर तुझको जरा-सी दूंगा
बुलबुले की तरह पानी पे उभर जाऊंगा
जिंदगी, अपनी सराय में जरा रहने दे
जब मैं जाऊंगा तेरा शुक्रिया कर जाऊंगा
इतने हँसने के बहाने मुझे मत दे या रब!
इतनी खुशियां न लुटा मुझपे कि डर जाऊंगा

# भाजपा के लिए आसान नहीं गुजरात की चुनावी जंग

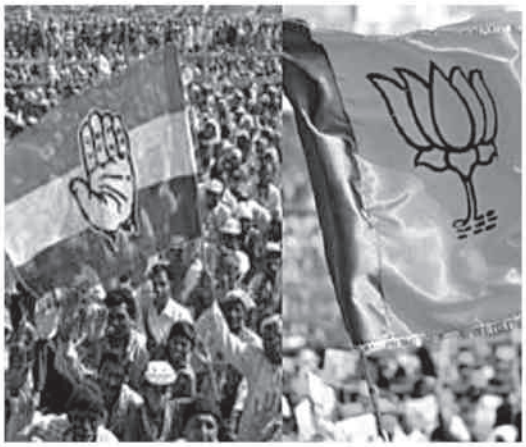

– अशोक तम्बोली

राजनीति का ऊंट कब किस करवट बैठ जाए, पता नहीं। कुछ माह पहले यूपी और उत्तराखंड विधानसभा चुनाव की अप्रत्याशित जीत ने भाजपा के अभिमान को आसमान तक पहुंचा दिया। उसे लगा कि जनता उसके हर निर्णय और अभियान का आंख मूंद कर समर्थन करेगी। ऐसी ही

खुशफ़हमी कभी कांग्रेस ने भी पाली थी, जिसकी उसे भारी कीमत चुकानी पड़ी। केन्द्र सरकार भी आत्ममुग्ध होकर एक के बाद एक लगातार भूलें दोहरा रही है। मोदी के लिए गुजरात ऐसा वरदान था, जिसके बूते उन्होंने देश में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया।

2014 के आम चुनाव के दौरान अर्जुन की भूमिका में नरेन्द्र मोदी ने पार्टी के सारथी रूप में अमित शाह का चयन किया। इस जुगलबंदी ने केन्द्र में सत्तासीन होने के बाद ऐसी धूम मचाई कि कुछ राज्यों तक सीमित भारतीय जनता पार्टी ने देश के अधिकांश भूभाग को भगवां में रंग दिया। शिखर को छूना मुश्किल तो है, उससे ज्यादा कठिन है बुलंदी पर पहुंचकर कायम रहना। गुजरात में अगले माह चुनाव हैं भाजपा वहां 22 साल से सत्ता में जमी है और यह चुनाव उसके लिए प्रतिष्ठा का सवाल भी है। चुनाव से पहले कांग्रेस के तीन युवा आंदोलनकारी हार्दिक पटेल, जिग्नेश मेवाणी व अल्पेश ठाकोर का कांग्रेस को समर्थन मिल गया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को वहां प्रभारी महासचिव के रूप में चुनाव की कमान सौंपने का भी कांग्रेस को अच्छा लाभ मिल रहा है। पिछले दिनों भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के बेटे जय शाह की कंपनी टेंपल इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड पर गंभीर आरोप लगा कि उसने दो साल के भीतर अपना कारोबार 16 हजार करोड़ रुपये तक बढ़ाया? आश्चर्य यह भी कि ऐसा छप्पर फाड़ मुनाफा कमाने वाली कंपनी को नोटबंदीकी घोषणा होने से पहले बंद कर दिया गया। इस कंपनी ने 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद दो साल में जादुई लाभ कमाया। नरेन्द्र मोदी अक्सर कहा करते हैं 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा।' सबको पता है कि अमित शाह नरेन्द्र मोदी के खास हैं। वे उनकी आंख, कान और नाक हैं। दोनों के दिलों की धड़कन भी एक-दूसरे को साफ सुनाई पड़ती है। फिर जय की कारगुज़ारी की भनक क्या पिता और उनके मित्र तक नहीं पहुंची होगी? इस कंपनी को 51 करोड़ की राशि विदेशों से मिली। यही नहीं कंपनी को अंबानी समूह के खास कर्ता धर्ता से 15.78 करोड़ रुपये का अनसिक्योर्ड लोन भी मिला। जय शाह की दूसरी कंपनी कुसुम फिनसर्व प्रा. लि. को भी गुजरात के कालूपुर कॉम. कॉओपरेटिव बैंक से आसान शर्तों पर 25 करोड़ का ऋण मिला। मोदी सरकार का ऊर्जा मंत्रालय भी कंपनी पर मेहरबान रहा और 21 मेगावॉट बिजली उत्पादन के लिए इरडा ने विंडमिल स्थापित करने के लिए तकनीकी अनुभव न होते हुए भी 10.35 करोड़ का ऋण दे दिया।

कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से सवाल भी किया कि आपकी पार्टी के 'शाह-जादा' जब अवैध रूप से करोड़ों रुपये कमा रहे थे, तब आप चौकीदार थे या भागीदार? कांग्रेस ने इस मुद्दे पर पूरे देश में संवाददाता सम्मेलन कर भाजपा को अन्दर तक झकझोर दिया है। पार्टी ने मांग की है कि असाधारण मुनाफ़ा कमाने के आरोपों की उच्चतम न्यायालय के सीटिंग जजों से जांच कराई जाए। साथ ही जांच पूरी होने तक अमित शाह को भाजपा अध्यक्ष के पद से हटाया जाए।

गुजरात चुनाव की निकटता और भाजपा के सारथी अमित शाह की सांप-छछूंदर सी स्थिति को देखकर केन्द्र के कई बड़े मंत्री जय शाह के बचाव में टीवी स्टूडियो तक पहुंच गए। केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री पीयूष गोयल तो शाह के मुलाज़िम की तरह एक-एक बात की सफाई पेश करते नज़र आए। वे भूल गए कि वे सरकार में जिम्मेदार ओहदे पर हैं। भाजपा हाईकमान ने छिछालेदार होते देखकर मंत्रियों और पार्टी प्रवक्ताओं को टीवी स्टूडियो न जाने की हिदायत दी। यह अप्रत्यक्ष कार सेवा पार्टी के उन लोगों की भी हो सकती है जो मोदी-शाह ख़फा हैं। लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, अरुण शौरी, यशवन्त सिन्हा, शत्रुघ्न सिन्हा और गोविन्दाचार्य जैसे दिग्गज इस जोड़ी को आइना दिखाने का काम कर ही रहे हैं। अमित शाह दंभी स्वभाव के कारण पार्टी में अलोकप्रिय हो रहे हैं। गुजरात में पटेल आन्दोलन के चलते भी भाजपा संकट में है। सरकार की आर्थिक नीतियों को लेकर नाराजगी 'अंडर करंट' के रूप में प्रवाहित है। ऐसे में अमित शाह के बेटे की बिजनैस डीलिंग से कांग्रेस को तो धांसू मुद्दा मिल गया है। इधर चुनाव आयोग ने जिन दो राज्य गुजरात और हिमाचल में चुनाव होने वाले हैं, उनमें से सिर्फ एक राज्य हिमाचल प्रदेश के चुनाव 11 नवम्बर को घोषित कर जनता के संशय को बढ़ा दिया कि गुजरात में भाजपा की स्थिति डांवाडोल है। इसलिए प्रधानमंत्री ऐन चुनाव के वक्त कुछ बड़ी घोषणाएं कर लोगों को सम्मोहित करना चाहते हैं, जिसके लिए चुनाव आयोग भाजपा के एजेन्ट के रूप में काम कर रहा है। हालांकि आयोग ने तर्क देकर कहा कि बाढ़ एवं कुछ अन्य कारणों से चुनाव तारीख कुछ आगे की जा रही है। लेकिन तब तक संशय बढ़ चुका था। भाजपा के समर्थन में कार्यवाह सरसंघ संचालक हसबोले भी आ डटे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पुरानी आदत है कि वह मनगढ़ंत आरोप से चुनावों को प्रभावित करती है। यदि ऐसे आरोप हैं तो जय शाह के खिलाफ साक्ष्य पेशे किए जाने चाहिए। जय शाह ने भी आरोपों से तिलमिला कर वेब पोर्टल 'वायर' तथा जर्नलिस्ट रोहिणी सिंह पर 100 करोड़ का मानहानि मुकदमा दायर किया है। रोहिणी सिंह वही हैं जिन्होंने कुछ समय पहले 'इकॉनोमिक टाइम्स' में रॉबर्ट वाड्रा तथा डीएलएफ के साथ सौदेबाजी का पर्दाफाश किया था। तब रोहिणी भाजपा की दुलारी हुआ करती थी।


भूपेश जोशी
9414169397

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

सचिन जोशी
9460084206

शुद्ध एवं
ताजा रसगुल्ले,
स्पंजी रसगुल्ले,
केसरबाटी,
राजभोग, चमचम,
खुरमाणी,
छेना मुर्की

रसमलाई की
टिकिया,
अंगूर पेठा, पेठा,
लच्छा पेठा,
आमरस एवं
सोहन पपड़ी
के होलसोल विक्रेता

# जोशी रसगुल्ला भण्डार

22, नेहरू बाजार, सिद्धी विनायक मो. एसेसरीज के सामने, उदयपुर-313001 (राज.)

सम्बन्धित फर्म

498, चाणक्यपुरी, हिरणमगरी, सेक्टर 4, उदयपुर फोन :- 0294-2468003

# यमलोक में भी आधार कार्ड

यमदेव चिन्तित मुद्रा में हैं। समीप ही जीवन मृत्यु का रजिस्टर पलटते चित्रगुप्त भी सोच-विचार में हैं। दोनों किसी गहन संकट में हैं। बदहवास चित्रगुप्त जी रजिस्टर के पन्ने पलटे ही जा रहे हैं, लगता है जन्म-मृत्यु के हिसाब में कोई भारी घपला हो गया है।

– डॉ. देवेन्द्र इन्द्रेश

घपला!..... और यमलोक में ?.....

'हाँ', क्यों नहीं, यहाँ जीव भी तो मृत्युलोक से ही आते हैं .....।

यमदेव चिन्तित हैं कि इतनी भयंकर गफलत यमलोक में हो कैसे गयी? उन्होंने चित्रगुप्तजी की ओर आग्नेय नेत्रों से देखा – चित्रगुप्त जी! यह कैसे हो गया। जिसका जीवन अभी शेष था, वह यहां कैसे आ गया? डैथ सर्टिफिकेट भी इसके नाम हमने इश्यू नहीं किया।

चित्रगुप्त बोले – देव! इसी बात की तो चिन्ता है, यह सब कैसे हो गया? हम सत्य कहते हैं प्रभो, हम आपके अंडर में सदियों से कार्य कर रहे हैं, कभी ऐसी भूल नहीं हुई, पर इस बार .....। जिस जीव की कुण्डली में जीवन शेष था, वह मृत्यु को कैसे प्राप्त हो गया? घोर आश्चर्य भगवन् ..... घोर आश्चर्य।

चित्रगुप्तजी! यदि ऐसी अव्यवस्था यमलोक में होने लगी, तो जीवन-मृत्यु चक्र ही गड़बड़ा जाएगा। जीवों का जन्म-मरण से विश्वास ही उठ जाएगा। यमदेव की बात पूरी भी न हुई कि चित्रगुप्त जी बोल पड़े – प्रभो, हम बहुत शर्मिन्दा हैं। अब आप ही समस्या का समाधान खोजें। पास खड़े यमदूत पर यमदेव ने वक्र दृष्टि डाली और बोले – क्यों, किस जीव को ले आया यहां। इसका तो जीवन शेष है।

यमदूत हाथ जोड़ कर बोला – भगवन् मैं क्या करूँ। चित्रगुप्त जी ने जीव का जैसा हुलिया बताया, मुझे उसके अनुरूप यही जीव मिला, सो दबोच लाया। यमदेव ने मृत्युपाश से मुक्त कर जीवात्मा से कहा – हे जीव, चूंकि तुम्हारा जीवन अभी शेष है, इसलिए हम तुम्हें पुन: पृथ्वी पर भेजते हैं।

जीवात्मा बोला – भगवन्! मैं आ गया सो आ गया। पुन: पृथ्वीलोक पर नहीं जाना चाहता। मैं जानता हूँ कि मैंने मृत्युलोक में कैसे दिन गुजारे हैं। वहां की सरकार ने अच्छे दिन लाने का वायदा किया था, लेकिन आज तक अच्छे दिन नहीं ला पायी। बैंक लोन से परेशान मुझे आत्महत्या करनी पड़ी। अरे मैं ही क्या, मृत्युलोक के प्राय: सभी प्राणी दु:खी हैं। यह कह जीव ने रोते हुए चुप्पी साध ली।

यमदेव ने चित्रगुप्त की ओर देखा। उनकी पेशानी पर चिन्ता की लकीरें और पसीने की बूंदें झलक रही थीं। वे रजिस्टर के पन्ने पलट रहे थे। तभी देवर्षि नारद प्रकट हुए। यमदेव को चिन्तातुर देख बोले – आप लोग किस चिन्ता में हैं। ऐसा क्या अघटित हो गया कि आप व्याकुल हैं।

यमदेव ने कहा – क्या बताएँ देवर्षि, एक ऐसी समस्या आ खड़ी हुई है, जिससे यमलोक की कार्यप्रणाली पर ही प्रश्न-चिह्न लग गया है। हमारे दूत पृथ्वी से एक ऐसे प्राणी को ले आए हैं, जिसका जीवन अभी शेष है, मृत्यु रजिस्टर में भी इसका नाम व तिथि दर्ज नहीं है। यमदूत कहता है, मैं क्या करूं महाराज, इस जीवात्मा ने मुझे अपना आधार कार्ड दिखाया, जिसमें इसकी मृत्यु आज के ही दिन अंकित थी। जब मैंने इस जीव से पूछा, तो उसने बताया कि पृथ्वीलोक पर इस समय प्रत्येक जीव के आधार कार्ड बन रहे हैं, जिसमें उसके धर्म-कर्म अंकित हैं, और तो और मृत्यु तक का दिन भी अंकित है। भूलोक सरकार का फरमान है कि बिना आधार कार्ड जीव कहीं नहीं आ-जा सकता। अतएव यह जीव आधार कार्ड के बूते यहाँ आ धमका। अब हम क्या करें? आप ही कोई उपाय बताएं इस समस्या से छुटकारा पाने का।

देवर्षि नारद बोले – यमदेव! जीव सही कह रहा है। इस समय पृथ्वी पर विचित्र शासन है, वहां सारी गतिविधियां आधार कार्ड से ही संचालित हैं। आधार कार्ड में जो मृत्यु तिथि अंकित होगी उसके अनुसार ही उस जीव को पृथ्वी लोक में बेदम होना पड़ेगा। अब समस्या यह है यमदेव कि पृथ्वीलोक में तो जीव का आधार कार्ड बन गया है। जिसमें उसकी मृत्यु तिथि अंकित है, यमलोक में जीवात्मा के आधार कार्ड का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए जीव की मृत्यु-तिथि का आपके मृत्यु आवक रजिस्टर से मिलान नहीं हो पा रहा है।

अत: पृथ्वी लोक का यह जीव अपने आधार कार्ड के अनुसार जीवन शेष होते हुए भी यमलोक में आ गया है। अब एक ही समाधान है कि आप भी यमलोक में प्रत्येक जीवात्मा का मृत्यु आधार कार्ड बनवाएँ और पृथ्वी लोक से आने वाले जीव के आधार कार्ड से मृत्यु की तिथि का मिलान करें, मिलान होने पर ही उसे यमलोक में रहने दें, अन्यथा उसे पुन: पृथ्वी लोक भेज दें। इसके अलावा और कोई उपाय नहीं है। यमलोक में जीवात्मा के बनने वाले आधार कार्ड में जीव के पाप-पुण्य का लेखा-जोखा भी अवश्य दर्ज हो। इससे यह लाभ भी होगा कि नरक से स्वर्ग में घुसपैठ पर कुछ अंकुश लगेगा और समस्या का समाधान भी हो जाएगा।

यमदेव ने कहा – वाह देवर्षि, आपकी बुद्धि का जवाब नहीं। सुना चित्रगुप्त जी। कितना कारगर उपाय बताया है नारद जी ने। अब सोच क्या रहे हैं, आज से, अरे आज से क्यों अभी से यमलोक में आधार कार्ड बनाने का अभियान शुरू कर दीजिए।

## होटलों में सिरमौर 'फतहप्रकाश पैलेस'

राष्ट्रपति से पुरस्कार ग्रहण करते एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के कार्यकारी निदेशक लक्ष्यराज सिंह मेवाड़।

**उदयपुर।** विश्व पर्यटन दिवस पर नई दिल्ली में पर्यटन मंत्रालय द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में नेशनल टूरिज्म अवार्ड 2015-16 के तहत विभिन्न श्रेणी में भारत की बेहतरीन होटलों में से चयनित होटलों को पुरस्कृत किया। समारोह में एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स, उदयपुर की फतहप्रकाश पैलेस होटल को बेस्ट होटल अण्डर हेरिटेज(ग्राण्ड) केटेगरी, का पुरस्कार राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने प्रदान किया। पुरस्कार एचआरएच ग्रुप ऑफ होटल्स के कार्यकारी निदेशक लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने ग्रहण किया।

## हारमोनी रेस्टोरेन्ट का शुभारंभ

**उदयपुर।** स्वामी नगर 100 फीट रोड स्थित पूर्णत: वातानुकूलित 'हारमोनी रेस्टोरेन्ट' का उद्घाटन यूआईटी अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, निर्माण समिति के अध्यक्ष पारस सिंघवी, राजेश पुरोहित, सविता पुरोहित, अंकुर मेहता, सुलभ मेहता, पद्मावती शिक्षण संस्थान के संरक्षक बी. एल. जैन व डॉ. लोकेश जैन ने संयुक्त रूप से किया। निदेशक अक्षय जैन व डॉ. शर्मिला जैन ने बताया कि रेस्टोरेंट पर पूर्ण शाकाहारी लज़ीज व्यंजन हर समय उपलब्ध होंगे।

## हितैषी को राज्य स्तरीय सम्मान

**उदयपुर।** सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस 1 अक्टूबर 2017 जयपुर में आयोजित समारोह में शिक्षा, साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए 'प्रत्यूष के प्रधान सम्पादक' विष्णु शर्मा हितैषी को राज्यस्तरीय सम्मान दिया गया। सम्मान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. अरुण चतुर्वेदी, राज्य वरिष्ठ नागरिक बोर्ड के चेयरमैन प्रेम नारायण गालव व निदेशक डॉ. समित शर्मा ने प्रदान किया।

## सिराज ने भेंट की मारुति वैन

सिराज अहमद और उनके सुपुत्र मेहराज खां का अभिनंदन करते जितेन्द्र कोठारी।

**उदयपुर।** संदल ज्वैलर्स के स्वामी एवं सहृदयी समाजसेवी सिराज अहमद एवं उनके परिवार की ओर से पिछले दिनों आयड़ के ऋषभ भवन में परमार्थ सेवा संस्थान द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में संस्थान को मारुति वैन प्रदान की गई। यह वाहन संस्थान द्वारा गरीब बस्तियों में भोजन वितरण के उपयोग के लिए प्रदान किया गया।

## सोजतिया ज्वेलर्स का नया शोरूम : दीया मिर्जा ने किया उद्घाटन

**उदयपुर।** शहर के प्रतिष्ठित और ख्यातनाम सोजतिया ज्वेलर्स के कोर्ट चौराहा स्थित नए शोरूम का 1 अक्टूबर को भव्य शुभारम्भ हजारों लोगों की मौजूदगी में बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा व फिल्म निर्माता दीया मिर्जा, मिस इंटरनेशनल ट्यूरिज्म-पारूल बिन्दल, सुपर मॉडल लवीना इसरानी, मिस एशिया पेसिफिक 2011-पारूल मिश्रा, पाहेर चेयरपर्सन बी. आर. अग्रवाल, पाहेर सचिव राहुल अग्रवाल, श्री सर्राफा एसोसिएशन उदयपुर के अध्यक्ष इन्दरसिंह मेहता और सोजतिया ग्रुप के संस्थापक प्रो. रणजीत सिंह, निदेशक डॉ. महेन्द्र सोजतिया, रीना सोजतिया सहित कई गण्यमान्य लोगों की मौजूदगी में हुआ।

जन्म शताब्दी विशेष

# इन्दु से अद्भुत इन्दिरा बनने का कठिन सफ़र

**19 नवम्बर,** पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की सौवीं जयंती। इसी दिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की इस इकलौती पुत्री का 1917 में जन्म हुआ। नन्हीं इन्दु ने नन्हें कदमों से घर-आंगन का विस्तार नापते हुए बचपन बिताया। लहलहाते वृक्षों, बाग़ीचे में खिले नील पुष्प, ग्लोडियस, नरगिस और गुलाब के फूलों से अठखेलियाँ करता बचपन कब बीत गया पता ही न चला। अनजानी और भागमभाग ज़िंदगी में बस वही चंद लम्हे अपने हैं जो अपने पास रह जाएं। इस हद से उस हद तक पहुंचने तक जीवन भी पहले जैसा कहां रहता है? कितना कुछ पीछे छूट जाता है और जीवन की पगडंडी पर चलते हुए वक़्त कितना बदल जाता है। दादा पंडित मोतीलाल नेहरू और दादी स्वरूपरानी ने सयानी होती बिटिया में अपने इतिवृत्त और संस्कारों का बीजोरोपण किया तो पिता जवाहर और मां कमला ने उसके हौसलों को उड़ान की ताकत दी। नेहरू खानदान के पूर्वज पंडित राज कौल कश्मीर में संस्कृत और फ़ारसी के प्रतिष्ठित विद्वान थे। जिनकी विलक्षण प्रतिभा को देखकर दिल्ली के तत्कालीन मुग़ल बादशाह फ़र्रुख़शियार ने उन्हें दिल्ली आने का न्यौता दिया। यह वक्त सत्रहवीं सदी का सोलहवां साल था। पहाड़ों और वादी-ए-जन्नत की सैर करने वाले कौल साहब के क़दम शोहरत और तक़दीर की तलाश में मैदानों की ओर मुड़ गए। मन में एक टूटन भरी संत्रास थी कश्मीर छोड़ने की, परन्तु दिल्ली के अपनाइयत से परिपूर्ण स्नेह से वे गद्‌गद् हो उठे। अठारहवीं सदी अपने साथ तूफ़ान लेकर आई। दिल्ली की कमान मुग़लों के हाथ से फिसलकर ईस्ट इंडिया कंपनी के पास चली गई। राज कौल के पड़पोते लक्ष्मीनारायण दिल्ली में वकील बन गए। रोजगार की आस में उनके बेटे पं. गंगाधर नेहरू ग़दर के वक़्त शहर के कोतवाल बने। लेकिन ईस्ट इंडिया कम्पनी के भारत पर काबिज होने के कारण समय चक्र के थपेड़े खाते हुए वे बीवी-बच्चों समेत आगरा निकल पड़े। पंडित बंशीधर नेहरू और नन्दलाल नेहरू भी इसी खानदान से आते हैं। गंगाधर नेहरू बाद में इलाहाबाद जा बसे फिर दिल्ली की ओर रूख किया था उनके बेटे पंडित मोतीलाल ने।

विष्णु शर्मा हितैषी

## आजादी के लिए जीवन कुर्बान

पंडित मोतीलाल नेहरू के लाड़ले जवाहरलाल को भारत की आजादी का ऐसा जुनून चढ़ा कि वे स्वाधीनता सेनानी बन गए। नन्हीं इन्दिरा भी स्वाधीनता की उत्कट भावना से ओत-प्रोत हो गई। 1920 में जब वह मात्र तीन साल की थी, तभी गांधीजी ने विदेशी वस्तुओं के परित्याग का आन्दोलन चलाया। इन्दु विदेशी वस्तुओं की होली से स्वतंत्रता का पहला सबक सीख रही थी। गांधीजी से प्रभावित होकर पंडित जवाहरलाल नेहरू ने वकालत छोड़ सक्रिय राजनीति में उतरने का मन बनाया। कुछ समय बाद उनकी गिरफ्तारी हो गई। देश को आजाद कराने का सपना देखने वाला जवाहर हुकूमत की सलाखों में क़ैद होता रहा। बाहर भी आए तो बस सभाएं, रैलियां, मीटिंग और फिर जेल ही उसकी नियति बन गया। इन्दु के रूप में भविष्य का नायक परिवार पर आई विपदाओं से अपने ही वर्तमान से कटता और अन्तर्मुखी होता गया। छह साल की आयु में इन्दु का दाखिला सेंट सेसीलिया हाईस्कूल में करा दिया गया। पत्नी कमला की बीमारी के चलते जवाहर को विदेश जाना पड़ा। कुछ समय बाद इन्दु का दाख़िला स्विटजरलैंड के स्कूल ला इकोले इन्टरनेशनल में करवा दिया गया। 1927 में नेहरू परिवार फिर भारत आ गया।

## नेहरू का निधन

इस बीच पहले आम चुनाव की घोषणा हुई। फ़िरोज ने रायबरेली से चुनाव जीता। राजनीति ने पारिवारिक रिश्तों को भी प्रभावित किया। इंदिरा ग़ैर सरकारी तौर पर पिता के निजी सहायक के रूप में व्यस्त हो गई। परिजनों में मधुर संबंधों के लिए समय देना जरूरी होता है। फ़िरोज-इन्दिरा के बीच ऐसा न हो पाया इस कारण उनके बीच रिश्तों में तल्ख़ी आई। 1958 में फ़िरोज को दिल का दौरा पड़ा।

इंदिरा उन दिनों भूटान यात्रा पर थीं। वह तत्काल दिल्ली पहुंची। वक़्त ने एक बार फिर टूटन और खटास भरे जीवन में स्वस्थ सांसें लौटाई। होनी को कौन टाल पाया है? सितम्बर 1960 को फ़िरोज गांधी की मौत हो गई। इन्दिरा ने यह संत्रास भारी मन से झेला। बिखरते जीवन को संभालते हुए वे राजनीति, समाजसेवा और राष्ट्र सेवा में पूरी तरह समर्पित हो गईं। हालांकि राजनीति के गलियारों में उसकी छवि गूंगी गुड़िया सी थी, लेकिन धीरे-धीरे उनका मौन टूटता गया और वह आत्मविश्वास से लबरेज़ हो गई। वे 1959 में कांग्रेस की अध्यक्ष बनी, परन्तु अगले ही साल उन्होंने के. कामराज नाडार को यह दायित्व संभालने का आग्रह किया। कामराज योजना पर अमल शुरू हुआ और बड़े नेता मंत्री पदों का त्याग कर पार्टी के लिए काम करने लगे। वक़्त की करवटों के साथ तब तक इन्दिरा एक चतुर सियासतदां बन चुकी थी। लेकिन ज़िंदगी नए सिरे से उनकी परीक्षा लेने को बेताब थी। नेहरू की तबियत नासाज हो चली और उनके उत्तराधिकारी की तलाश शुरू हुई। जनवरी 1964 में उड़ीसा की एक सभा में भाषण देते वक्त नेहरू को फ़ालिज का दौरा पड़ा और 27 मई को इन्दिरा के सिर से पिता का साया भी उठ गया।

## देश न भूल पाएगा उन्हें

भारत आने के बाद पंडित जवाहरलाल पुनः स्वाधीनता आन्दोलन में कूद पड़े। घर के सभी लोगों की देखा-देखी इन्दु ने भी स्वयंसेवक दल में सेवा का आवेदन किया। कम उम्र की वजह से आवेदन निरस्त हो गया। तब उसने ही आनन-फानन में बच्चों का सेवा दल गठित किया, जिसे वानर सेना कहा गया। गांधीजी उस वक्त दांडी यात्रा कर नमक कानून तोड़ने का आन्दोलन चला रहे थे। गांधी और नेहरू सहित अनेक नेता जेल में ठूंस दिए गए। महिला आन्दोलन के दस्ते में इन्दु भी आने लगी। छात्र-छात्राओं को साथ लेकर स्वाधीनता की अलख जगाने लगी। फ़िरोज गांधी भी साथ रहते थे। कांग्रेस कार्यकारिणी ग़ैरक़ानूनी घोषित हो चुकी थी। चौदह साल की इन्दु को पढ़ाई जारी रखने के लिए पीपुल्स ऑन स्कूल पूना जाना पड़ा। पढ़ाई पूरी होने के बाद परिजनों को इन्दु के ब्याह की चिंता हुई। फ़िरोज ने इन्दु के प्रति झुकाव जाहिर किया। लंदन स्कूल ऑफ कॉमर्स में अध्ययनरत फ़िरोज को इन्दिरा बहुत पहले से जानती थी। ज़िंदगी के सफ़र में किसी अपने की जरूरत सबको पड़ती है। दुनिया की घनी घाम में पांव के नीचे मज़बूत ज़मीन, तलाशती, इन्दिरा के सामने फ़िरोज छांव का वादा लेकर आए। 16 मार्च, 1942 को दोनों ही विवाह सूत्र में बंध गए और वे सुखी और संतुष्ट जीवन बिताने लगे। 1944 में राजीव और उसके दो साल बाद संजय के जन्म ने इंदिरा के जीवन को नई व्यस्तताएं दी। 1947 में भारत की आजादी के बाद जब जवाहर प्रधानमंत्री बने, तब इंदिरा पर अपनी गृहस्थी के साथ पिता के घर की भी जिम्मेदारी आ गई। उसका ज्यादा वक्त इलाहाबाद और लखनऊ के बीच बीतने लगा। फ़िरोज लखनऊ में अपने श्वसुर द्वारा स्थापित 'द नेशनल हेराल्ड' का संपादन संभाल रहे थे। दिल्ली में जवाहर को इंदिरा की जरूरत थी। इस बीच 30 जनवरी, 1948 को गांधीजी की हत्या हो गई और देश में उथल-पुथल का वातावरण बन गया।

## राजस्थान यात्रा

गोगुन्दा की आमसभा में इन्दिराजी को राजस्थान यात्रा की रिपोर्टिंग दिखाते हुए लेखक। फाइल फोटो

26 जून, 1975 को आपातकाल लागू करने के लगभग दो साल बाद विरोध की लहर तेज होती देख प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने लोकसभा भंग कर नए चुनाव की सिफारिश कर दी। यह फैसला कांग्रेस के लिए घातक साबित हुआ। खुद इंदिरा अपने गढ़ रायबरेली से चुनाव हार गईं। जनता पार्टी भारी बहुमत में सत्ता में आई और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। दो साल बाद ही 1977 में मोरारजी देसाई के नेतृत्व में गठित जनता पार्टी सरकार अन्तर्विरोधों के कारण उपप्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह द्वारा समर्थन वापस लेने से 1979 में गिर गई। बाद में चरण सिंह ने 28 जुलाई, 1979 को समाजवादी पार्टियों व कांग्रेस(यू) की मिलीजुली सरकार बनाई। इसे कांग्रेस द्वारा बाहर से समर्थन प्राप्त था। छह महीने बाद कांग्रेस ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया और यह सरकार भी गिर गई। उसी साल 1979 में लोकसभा के विघटन के बाद देश में नए चुनाव की घोषणा हुई और इन्दिरा जी निकल पड़ी देश भर में चुनाव प्रचार के लिए।

राजस्थान में पाली से बांसवाड़ा तक की यात्रा के दौरान आमसभाओं की रिपोर्टिंग के लिए पत्रकारों के काफिले में लेखक भी शामिल था। आदिवासियों के संदर्भ में जंगलों के संरक्षण को वे बहुत महत्त्वपूर्ण मानती थीं। गोगुन्दा के बस स्टेण्ड चौक और बांसवाड़ा के लक्ष्मण मैदान की सभा में उन्होंने कहा था कि मेरी रुचि है कि जंगलों का विकास हो, वे काटे नहीं जाएं..... ताकि इनमें रहने वालों को वनोपज से कमाई हो और वे आजीविका के बेहतर अवसर खुद बना सकें। वे इस बात की प्रबल पक्षधर थी कि वनवासियों की सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखने के लिए हर स्तर पर प्रयास जरूरी है।

## कर्मठता व योग्यता से पाया मुकाम

नेहरूजी के बाद प्रधानमंत्री पद के तीन दावेदार सामने थे - मोरारजी देसाई, गुलजारी लाल नंदा और लाल बहादुर शास्त्री। इंदिरा का नाम इस पैनल में था ही नहीं। लाल बहादुर प्रधानमंत्री बने लेकिन 1965 में भारत-पाक युद्ध विराम समझौता होने के दौरान ताशकंद में उनका निधन हो गया। 24 जनवरी, 1966 को आसमान जिस वक़्त अलसाया सा चादर ओढ़े पड़ा था, उस वक़्त स्वतंत्र भारत में इन्दिरा गांधी के रूप में एक नई शक्ति का अभ्युदय हो रहा था। उन्हें भारत का प्रधानमंत्री बनाया गया। इस वक्त राजीव गांधी सयाने हो गए थे और 25 फरवरी को पारंपरिक रूप से सोनिया का गठबंधन राजीव के साथ हुआ और इसी के साथ इन्दिरा की संघर्ष भरी कथा को सोनिया के रूप में एक पाठक और सूत्रधार मिल गया। तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इन्दिराजी ने सूझ-बूझ, दूरदर्शिता, धैर्य और साहस के साथ सत्ता पर पकड़ को मजबूत किया।

शेष पृष्ठ 29 पर...

MIRAJ GROUP
तन भी शुद्ध, मन भी शुद्ध... तो वस्त्र क्यों रहें अशुद्ध !
मिराज शुद्ध
ऑयल सोप
100% पशु चर्बी रहित
MIRAJ
SHUDDH
Family Pack
MIRAJ TRADECOM PVT. LTD.
Miraj Campus, Nathdwara - 313 301 (Raj.) India / Email : fmcg@mirajgroup.in / Web: www.mirajgroup.in
Contact us at : 88759 92317, 88759 33370

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा
AADHAR PRODUCTS
डिसाइड
वाशिंग पाउडर, डिटर्जेंट टिकिया एवं बर्तन बार
वाशिंग पाउडर
एडवाइज़
बर्तन बार
Decide
super WHITE
Mfd. & Mktd. by : AADHAR PRODUCTS PVT. LTD., UDAIPUR Trade Enquiry 7727864004 | visit us at : www.aadharproducts.in

पृष्ठ 27 का शेष...



# इंदिराजी का कठिन सफर...

अपने ही दल के लोगों से इंदिराजी को चुनौतियों की आहट का अहसास होने लगा। कांग्रेस के भीतर आंतरिक कलह का प्रभाव 1967 के चुनाव में स्पष्ट नजर आया। कांग्रेस की लोकप्रियता का क्षरण हुआ। फलस्वरूप विरोधी गुट सिंडीकेट को इंदिराजी की आलोचना का एक और मुद्दा मिल गया। 1969 के बीच असहमति इस हद तक बढ़ी कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दो भागों में विभाजित हो गई। उन पर सत्ता के केन्द्रीकरण के आरोप लगे। कांग्रेस विभाजन के बाद उन्होंने मध्यावधि चुनाव कराना उचित समझा। 1971 में मध्यावधि चुनाव हुए। इन्दिरा ने चुनाव के दौरान विरोधियों की 'इन्दिरा हटाओ' मुहिम के जवाब में 'गरीबी हटाओ' का आकर्षक नारा दिया। जिसका अनुकूल प्रभाव पड़ा और वे भारी बहुमत से विजयी हुई। इसी बीच पड़ोसी मुल्क के फौजी शासक याह्या खान का पूर्वी पाकिस्तान में दमनचक्र चल रहा था और वहां के लोग शेख मुजीब के नेतृत्व में पाक हुकूमत का विरोध कर रहे थे। भारत ने पूर्वी पाकिस्तान में मानवाधिकारों का समर्थन किया तो पाकिस्तान ने इसे अन्दरूनी हस्तक्षेप मानकर भारत के खिलाफ युद्ध घोषित कर दिया। चौदह दिवसीय युद्ध में पाकिस्तान की हार हुई। इस जीत ने इन्दिराजी की प्रतिष्ठा में राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर चार चांद लगा दिए। विपक्षी दल भी उन्हें देवी दुर्गा का स्वरूप बताने लगा।

## कठिनतम समय में भी अविचल

इन्दिरा जी के जीवन में सम्मान और आलोचनाओं का एक साथ समावेशन होता रहा। सत्तालोलुपता होने के साथ उन पर आउट ऑफ वे संजय गांधी को सियासत में प्रतिष्ठापित करने के आरोप लगे। जयप्रकाश नारायण तो एक बहाना थे, परन्तु उनकी अगुआई में अतिवादी तत्व हड़ताल, दंगे, आगजनी व लूटपाट करने लगे। देश अराजकता की ओर बढ़ने लगा। मामूली शिकवों की चिंगारी शोलों के रूप में भड़क उठी। हालात पर काबू पाने की इन्दिरा जी ने खूब कोशिशें की, परन्तु आन्दोलन हिंसक बन गया। इधर 12 जून, 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनका चुनाव अवैध घोषित कर उन्हें पद छोड़ने का आदेश दिया। जीवन का यह कठिनतम दौर था। विपक्षी दलों के भानुमति कुनबे ने इन्दिरा गांधी को धूल-धूसरित करने का लक्ष्य बना लिया। 24 जून, को सर्वोच्च अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश पर स्टे ऑर्डर जारी कर दिया। इन्दिरा हमलों से घबरा कर रण छोड़ देने वालों में से नहीं थी। उन्होंने संविधान की धारा 352 के तहत लोगों में अनुशासन व देश के प्रति निष्ठा भाव जगाने के लिए 25 जून 1975 को इमरजेंसी लगा दी।

## बेशक हारे, पर फिर जितेंगे

1977 के लोकसभा चुनाव में इन्दिराजी हार गई। नेपोलियन बोनापार्ट के सेनापति डेसेक्स के ये शब्द उन्हें याद थे कि 'बेशक इस समय दोपहर के दो बजे हैं और हम हार गए हैं पर रात होने से पहले हम जीत भी सकते हैं।' केन्द्र सरकार के मुखिया मोरारजी देसाई ने शाह आयोग के कुछ आरोपों को आधार बना कर इन्दिराजी को गिरफ्तार किया। लेकिन तब तक देशवासियों का नज़रिया काफी बदल गया। जनता दल की आपसी कलह से सरकार धराशायी हो गई और 14 जनवरी, 1980 को इन्दिराजी ने आम चुनाव के बाद फिर से प्रधानमंत्री पद हासिल कर लिया, जो उनके मज़बूत इरादों और दृढ़ संकल्प का परिचायक था। उन्होंने देश के तीव्रगामी विकास का खाका बनाया और उस पर गंभीरता से काम भी किया।

## होनी को टाला नहीं जा सका

कौन जानता था कि खुशी का माहौल निराशा में बदलने वाला है। राजनीति के गरम तेवर वाले उस परिवेश में इंदिराजी की परछाई छोटे बेटे संजय गांधी की 23 जून 1990 को विमान दुर्घटना में मौत हो गई। इन्दिराजी की आशाएं काफूर हो गई, वे टूट चुकी थीं। अगले ही वर्ष जरनैल सिंह भिंडरावाले ने अमृतसर स्थित सिक्खों के पवित्रतम तीर्थ को आतंकी डेरा बना दिया। सरकार को इससे निजात का कोई समाधान नहीं सूझ रहा था। खालिस्तान समर्थक भिंडरावाले ने हरमिंदर साहिब परिसर पर कब्जा मजबूत कर लिया। उसने एक पुलिस अधिकारी की हत्या करके अपने ख़ौफनाक इरादे भी जता दिए। पानी सिर पर आता देख सरकार ने अंतिम उपाय के तौर पर भिंडरावाले और उसके आतंक के खात्मे के लिए सेना को धर्मस्थल में प्रवेश की अनुमति दे दी। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में अकाल तख्त को काफी नुकसान भी पहुंचा। सिक्ख समुदाय ने इस कार्रवाई को आस्था पर चोट माना और देशभर में सिक्ख समुदाय ने विरोध शुरू किया। जिसकी परणिति उनकी हत्या के रूप में हुई। जन्मशती पर सादर श्रद्धांजलि।

## विश्वास की मौत

इन्दिराजी को हरमिन्दर साहब परिसर में ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद अपनी सुरक्षा में तैनात सिक्ख सुरक्षाकर्मियों को हटाने की सलाह दी गई, लेकिन उन्होंने इन्कार कर दिया। 31 अक्टूबर 1984 को इन्दिराजी की सुरक्षा में तैनात सिक्ख पुलिसकर्मी सतवंत और बेअंत ने आयरन लेडी इंदिरा गांधी को गोलियों से छलनी कर मौत की नींद सुला दिया। उनकी हत्या विश्वास की मौत थी। इस जघन्य हत्याकाण्ड से देश सन्न रह गया। विश्व की एक महान नेत्री विदा हो गई। उनकी विरासत को बचाने राजीव गांधी राजनीति में आए, परन्तु प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी भी 21 मई, 1991 को तमिलनाडु के पैरम्बूर में सिरफिरे तमिल आतंकियों ने आत्मघाती हमले में हत्या कर दी। अरसे तक नेहरू-गांधी परिवार राजनीतिक शून्यता में रहा। देशवासियों के आग्रह पर मरहूम राजीव की पत्नी सोनिया गांधी को आगे आना पड़ा। जिन्होंने त्याग की मिसाल पेश करते हुए प्रधानमंत्री पद का मोह त्यागकर एक दशक तक कांग्रेस पार्टी को नेतृत्व देकर एकजुट व सत्ता में बनाए रखा। अब उनके पुत्र राहुल गांधी पर पार्टी की निगाहें हैं, क्योंकि कांग्रेसजन चाहते हैं कि सोनियाजी का स्वास्थ्य ठीक न हरने से वे पार्टी का पथ-प्रदर्शन करें। उम्मीद है कि वे इसी वर्ष वे पार्टी अध्यक्ष पद की कमान संभाल सकते हैं।

# शिक्षा को समर्पित सार्थक यात्रा

***उदयपुर के युवा शिक्षक राहुल बड़ाला ने पिता के आशीष से अपने भाइयों के साथ 'बड़ाला क्लासेज' बैनर से एक सार्थक शिक्षा प्रसार यात्रा शुरू की। वाणिज्यिक शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने बड़ी संख्या में सफल सीए और सीएस तैयार किए। अब तक करीब तीस हजार विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले राहुल की क्लासेज में इस समय 4 हजार छात्र-छात्राएं विभिन्न स्तरों पर कॉमर्स की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।***

टीचिंग पेशे के प्रति लगाव एवं समर्पण ही पहचान है बड़ाला क्लासेज प्रा. लि. के निदेशक राहुल बड़ाला की। अपनी योग्यता के दम पर ही राहुल ने शिक्षा के क्षेत्र में एक अलग और विशिष्ट मुकाम पाया। राजसमंद जिले के देलवाड़ा में जन्मे तथा उदयपुर में पले-बढ़े राहुल ने स्कूली शिक्षा उदयपुर से तथा सीए आईसीएआई से की। अकाउन्टिंग, कोस्ट अकाउन्टिंग और फाइनेंशियल अकाउन्टिंग पर कई किताबें लिख चुके राहुल को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा सम्मानित भी किया गया। टाइम्स ऑफ इण्डिया, हिन्दुस्तान जिंक लि. एवं कई अन्य संस्थाओं द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक सम्मान से नवाजा गया।

वर्ष 2006 में कैम्पस इन्टरव्यू के दौरान देश की जान-मानी कम्पनी रिलाइन्स कम्युनिकेशन और पाटनी कम्प्यूटर्स द्वारा चयनित होने पर भी शिक्षा के प्रति लगाव के कारण इन्होंने प्लेसमेंट की बेहतर ऑफर को भी नकार दिया। इस निर्णय के लिए उन्हें पिता एवं बड़ाला क्लासेज के संस्थापक हिम्मत बड़ाला तथा चाचा बड़ाला का पूरा समर्थन मिला। पिता के इस सपोर्ट को बेस्ट गिफ्ट बताते हुए गर्व से कहा कि उनका मुझमें पूरा विश्वास है।

दादा स्व. घीसूलाल बड़ाला, ससुर रणजीत सिंह चण्डालिया एवं भाई आदित्य बड़ाला को अपने जीवन के तीन मजबूत पिलर बताते हुए वे कहते हैं कि उन्होंने सदैव मेरी योग्यता पर भरोसा करते हुए विश्वास दिखाया। उदयपुर एवं उसके आसपास के क्षेत्र के कॉमर्स विद्यार्थियों को बेहतर कोचिंग सुविधाओं की जरूरत को महसूस करते हुए वर्ष 2001 में केवल 2 विद्यार्थियों के साथ पढ़ाना प्रारम्भ किया। आज बड़ाला क्लासेज में लगभग 4000 स्टूडेन्ट्स विभिन्न स्तरों पर कॉमर्स की शिक्षा ले रहे हैं। उनके भाई एवं संस्थान के निदेशक सौरभ एवं निशान्त ने 15 सीए, 8 सीएस एवं कुछ पीएचडी योग्यताधारियों के साथ मिलकर ऑल इण्डिया रैंकिंग में 150 से भी अधिक सीए एवं सीएस रैंकर तैयार किए। उनकी फेकल्टी विद्यार्थियों की मदद के लिए हर समय तैयार रहती है। वे स्वयं भी 10-12 घण्टे टीचिंग को देते हैं।

पिछले 16 वर्षों में 30,000 से भी ज्यादा स्टूडेन्ट्स को उन्होंने पढ़ाया, जिनमें से अधिकतर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में टॉप पॉजीशन पर हैं। स्कूल के दिनों में अच्छा क्रिकेट खेलने वाले राहुल प्रोफेशनल क्रिकेटर बनना चाहते थे, परन्तु शिक्षा के प्रति लगाव ने क्रिकेट पिच की बजाय क्लासरूम को चुना। राहुल रॉबिनहुड आर्मी जैसी संस्थाएं, जो कि जरूरतमन्दों को भोजन एवं शिक्षा उपलबध कराती है के साथ ही कई अन्य सामाजिक कार्यों से जुड़े हुए हैं। उनकी फैकल्टी खालसा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षण सुविधा प्रदान कर रही है।

अपने काम से फ्री होने पर राहुल अपना अधिकतर समय अपनी मां शीला देवी, पत्नी डॉ. प्रियंका, 8 वर्षीय पुत्र आरव एवं पुत्री नायरा के साथ बिताते हैं। उनके साथ बिताए सुकून के पल उनमें उत्साह का संचार करते हैं। उनका मानना है कि वर्तमान में युवाओं के पास जीवन के प्रति साफ-साफ उद्देश्य होना चाहिए। किसी को भी असफलता के डर से पीछे नहीं हटना चाहिए क्योंकि सपनों की कभी एक्सपायरी डेट नहीं होती।

**प्रस्तुति :- अमित शर्मा**

# Menaria Guest House

Ambalal Menaria

Off. : Opp. Akashwani Colony, Hiran Magri, Sec.5,
UDAIPUR 313002 (Raj.) Ph. : 2461976 (O)

Deepankar

# Silver Square

Opp. Akashwani Colony, Hiran Magri, Sec. 5, Udaipur-313002 (raj.)
Mob. : 9414233164 (Phulshankar Menaria),
9549045301, 7737883838 (Deepankar), 8003763838 (A.L. Menaria)

# स्वास्थ्यवर्धक पेय

***फास्ट फूड और आधुनिकता की ओर बढ़ते समाज में विभिन्न पेय पदार्थों का उपयोग हो रहा है। जिनसे कई बार लोग स्वास्थ्य भी खराब कर बैठते हैं। चाय-कॉफी का ज्यादा प्रयोग भी नुकसानप्रद माना गया है। प्रस्तुत है बल-बुद्धिवर्धक वैकल्पिक पेय। जो प्रकृत्ति प्रदत्त वनस्पतियों से घर में आसानी से तैयार किए जा सकते हैं।***

## रोगहरण चाय

तुलसी के पत्ते, काली मिर्च, अदरक या सौंठ, मुलट्ठी को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लेकर पानी में उबालें। दूध, शक्कर, मिलाइए, छानकर पीजिए। इससे मलेरिया बुखार, खांसी, जुकाम आदि मिट जाते हैं।

## मधु-लेमन पेय

एक कप मधु, आधा कप नीबू का रस, अल्प मात्रा में नमक मिला कर बोतल में भरें। मौसम के अनुसार इसे गर्म या ठण्डा करके पीजिए।

## पीड़ा हरण

श्यामा तुलसी की सूखी पत्तियों का चूर्ण एक तोला और जल आधा पाव लें। इन्हें खूब गर्म करके खौला लीजिए। गुण-स्वाद की दृष्टि से इस घोल में दूध व चीनी मिलाकर गुनगुना ही खांसी, जुकाम के रोगी को पिलाएं।

## पोदीना चाय

पोदीने की सूखी पत्तियां और अजवाइन की थोड़ी-थोड़ी मात्रा लेकर पानी में उबालें। इच्छा अनुसार दूध व शक्कर मिलाकर पिएं। इससे वायु विकार दूर होकर पाचनक्रिया सही तरीके से काम करने लगेगी।

## दलिया कॉफी

गेंहू के दलिये को हल्की आंच में तवे पर भुनिए। एक प्याली कॉफी बनानी हो तो एक चम्मच भुने हुए दलिये को पानी में उबालें। इसे रंग आने पर छानिए। बाद में दूध, शक्कर अथवा ताड़ गुड़ मिश्रित करके पिएं।

## नींबू चाय

उबलते पानी में चायपत्ती को कुछ मिनट उबलने दें। फिर नीचे उतारकर कागजी नींबू का रस और शहद मिला दें। इसे पीने से खांसी और उदर रोग शांत होते हैं। दिनभर शरीर में ताजगी महसूस होगी।

## हर्बल चाय

सौंफ आधा चम्मच, इलायची बड़ी एक पाव, वनशफा एक छटांक ब्राह्मी बूटी एक पाव, लाल चंदन आधा सेर, मुलट्ठी आधा पाव, सौंठ आधा पाव, काली मिर्च आधा छटांक लेकर कुटाई करें और बाद में छान लें। इस अनुपात को कम-ज्यादा मात्रा में तैयार कर साल भर प्रयोग करें। पानी में इस मिश्रण को उबालते समय दूध, गुड़ या चीनी(बूरा) डालिए और छानकर पीजिए। यह खांसी, जुकाम, नजला, वात रोग, रक्तदोष, वीर्य हानि, मस्तिष्क की दुर्बलता जैसे अनेक रोगों में फायदेमंद है। रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

## सहजन की चाय

सहजन को अनेक स्थानों पर सूरजने की फली भी कहा जाता है। बहुत कम लोगों को इसकी जानकारी है कि इसके पत्ते कई बीमारियों में काम करते हैं। डायबिटीज, दिल के रोग, गठिया आदि के लिए यह दुनिया में सुपरफूड के रूप में प्रचलित हो रही है। इसके पत्तों की चाय और कमाल करती है।

**विधि :** एक कप सूरजने के पत्ते के पाउडर को एक चम्मच शहद और आधा कप गर्म पानी के साथ मिलाएं। इसे घुलने दें और सेवन करें। हो सकता है कि शुरुआत में आपको इस चाय का स्वाद मैटलिक लगे, लेकिन जल्द ही यह आदत में आ जाएगा।

**लाभ :** सूरजना विटामिन, खनिज और अमीनो एसिड्स से भरपूर है। इसका सेवन करने से शरीर को विटामिन, ए, सी, ई, कैल्शियम, पोटेशियम और प्रोटीन मिल सकेगा। इसकी पत्तियों, फूलों और बीजों में भरपूर एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। ये शरीर में फ्री रेडिकल्स को कम कर कैंसर और गठिया को दूर करते हैं। सूरजने की फली के पत्ते भी रक्तचाप कम करने से लेकर मधुमेह और अन्य कई बीमारियों में राहत देते हैं। कई जगह यह पेड़ मिल जाएगा। सूरजने की पत्तियों को सुखाकर उसका पाउडर बनाकर भी रखा जा सकता है।

**- वैद्य भगवानलाल शर्मा**

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

# Nalwaya Mineral Industries Pvt. Ltd.

:: Head Office ::

7-A, Bapu Bazar, Udaipur-313 001 INDIA

Ph. : 91-294-2416301, 2422054, 2422947, Fax : 91-294-2524182

:: Residence ::

33, Pologround, Udaipur-313 001 (Raj.) Ph. : 91-294-2560628, 2521387

Vinod Jain
9414158354

Mahaveer Lal Jain
9460794827

# Navkar Metal

# Navkar Steel

**Deals In :**
Steel Brass Copper,
Aluminium Utensils, Gift Artices
& Cooker Parts

7, Bhang Gali, Inside Surajpole,
Udaipur (Raj.) Ph. : 0294-2417354

**Deals In :**
Steel Brass Copper,
Aluminium Utensils, Gift Artices
& Cooker Parts

6, Chokla Bazar, Under Chittora Temple,
Bhupalwadi
Udaipur (Raj.) Ph : 0294-2420579

# शकरकंद के मस्ती भरे स्वाद

फाइबर एंटी-ऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और लवण से भरपूर शकरकंद, सर्दियों में बाजार में आने वाला स्वास्थ्यवर्द्धक जमीकंद है। इसमें मैग्निशियम, विटामिन्स और आयरन जैसे पोषक तत्व होते हैं। नर्वस सिस्टम की सक्रियता को बनाए रखने में यह काफी उपयोगी है, जो सर्दी के दिनों में जरूरी भी है। यह ब्लड शूगर को नियंत्रित तो करता ही है, हृदय व मधुमेह रोग में भी फायदेमंद है। इसमें कोलेस्ट्रॉल की मात्रा नहीं के बराबर होती है। सर्दियों में शंकरकंद उबाल कर अथवा आंच पर सेक कर तो खा ही सकते हैं, लज़ीज व्यंजन बना कर मस्ती भरा स्वाद भी ले सकते हैं। *- कमला गौड़*

## हलुआ

**सामग्री :** 750 ग्राम शकरकंद, 450 ग्राम चीनी, 400 ग्राम घी, काजू बादाम, किशमिश तीनों मिक्स 50 ग्राम, 1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर।

**विधि :** शकरकंद को उबालकर छील लें और फिर मसल लें, एक कड़ाही में घी डालकर गुलाबी रंग होने तक सेकें। अन्दाज से गर्म पानी डालें। जब गाढ़ा हो जाए तो चीनी मिलाकर खूब चलाएं। सब मेवे व इलायची पाउडर डालकर गर्म-गर्म पेश करें।

## बर्फी

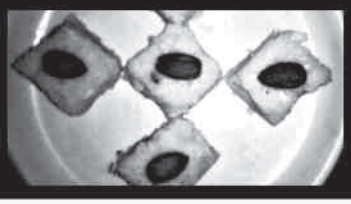

**सामग्री :** 750 ग्राम शकरकंद, 400 ग्राम मावा, 600 ग्राम चीनी, 300 ग्राम घी, 12 इलायची, 10 बादाम, 15 काजू, 3 चांदी के वर्क। **विधि :** शकरकंद को उबालकर छील लें और अच्छी तरह मसल लें। अब कड़ाही में घी डालकर अच्छी तरह से सेक लें। मावे को अलग से सेकें। इसके बाद चीनी की दो तार की चाशनी बाकर इसमें शकरकंद व मावा अच्छी तरह मिला लें। ऊपर से इसमें इलायची पाउडर बुरक दें। ठंडा होने पर थाली में फैला दें। इसके बाद मेवे कतर कर डाल दें और ऊपर चांदी की वर्क लगाकर जमने रख दें। 4-5 घंटे उपरांत शकरकंद की चक्कियां काट लें।

## मीठा समोसा

**सामग्री :** उबले हुए व छिले हुए शकरकंद 500 ग्राम, मैदा 4 कटोरी, चीनी 4 कटोरी, काजू, बादाम मिक्स 50 ग्राम, नारियल बुरादा 1 कटोरी, तलने के लिए तेल। **भरावन सामग्री :** उबले हुए शकरकंद को अच्छी तरह मसल लें। फिर 2 कटोरी पिसी चीनी व काजू, बादाम की टुकड़ी व इलायची पाउडर अच्छी तरह मिला लें। **विधि :** मैदे को अच्छी तरह छानकर उसमें थोड़ा मोयन डालकर गूंथ लें, अब छोटी-छोटी लोई बनाकर पूड़ी की तरह गोल बेलें व बीच में से काटकर उसे तिकोना मोड़कर उसमें सामग्री भरकर चिपका लें। अब धीमी आंच पर तेल गर्म करके उसमें समोसे तलें व ठंडे होने के लिए रखें। **चाशनी के लिए** - एक बर्तन लें, उसमें 2 कटोरी चीनी, थोड़ा पानी डालकर एक तार की चाशनी बनाएं। अब समोसे को एक-एक करके चाशनी में डालकर प्लेट में निकालें व ऊपर से नारियल बुरादा डाल कर पेश करें।

## टिकिया

**सामग्री :** 500 ग्राम शकरकंद, मटर के दाने 200 ग्राम, 2 प्याज, लहसुन 6 कलियां, नमक 2 छोटे चम्मच, हरी मिर्च 5, अमचूर पाउडर 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर 2 छोटे चम्मच। **विधि :** सबसे पहले शकरकंद उबालकर छिलके उतार लें। छिलके उतरे हुए शकरकंद में एक छोटा चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह मसल लें। मटर के दानों को बारीक पीस लें। इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, कटी हुई हरी मिर्च व लहसुन की कतरें डालकर अलग रख दें। गरम तेल में मटर के मिश्रण को डाल दें, जब मटर पकने के बाद खुशबू छोड़ने लगे तो इसमें नमक, लाल मिर्च, अमचूर पाउडर डालकर अच्छी तरह से हिलाएं, अब इस मिश्रण को कुछ क्षणों के बाद उतार कर ठंडा होने दें। अब मसले हुए शकरकंद के अंदर समान मात्रा में मटर के इस मिश्रण को भरकर टिकिया को आकार दें। तवे पर तेल गरम करके टिकिया को दोनों तरफ सेकें और हरे धनिये की चटनी के साथ पेश करें।

卐 ॐ जय भोलेनाथ 卐

खाली बोतलें, काँच शीशी, पेपर रद्दी, ओल्ड स्क्रेप एवं अन्य डिस्पोजल वस्तुओं के क्रेता एवं विक्रेता

विजय पंजवानी (विजु भाई)
मो. 7737746140, 9950271626
राकेश पंजवानी
मो. 9352524901, 7568267951

# श्रीराम ओल्ड स्क्रेप

यूआईटी, शॉप नं. 8-9, आई.ओ.सी. डिपो के सामने, हिरणमगरी सेक्टर 11, उदयपुर

# चार धाम यात्रा को सहज बनाएगी 12 हजार करोड़ की सड़क परियोजना

*धार्मिक यात्राओं के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में तीर्थयात्रियों की मौत के आंकड़े साल दर साल बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में केन्द्र सरकार ने हिन्दुओं के प्रमुख चारों धाम की सम्पर्क सड़कों को सुधारने का जो बीड़ा उठाया है, वह स्वागत योग्य है। उत्तराखण्ड राज्य में स्थित हैं, ये प्रमुख चारों धाम यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ।*

यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धामों पर यात्रा बसों द्वारा ही यात्रा संभव है। यात्रा दुर्गम पहाड़ी मार्गों के कारण अत्यन्त जोखिम भरी होती है। बसें भी आमतौर पर इन मार्गों पर वे ही चल सकती हैं जो 35 सीटर हों और जिनके चालक पर्वतीय क्षेत्रों की इन सड़कों की भौगोलिक संरचना से परिचित हों तथा प्राय: वाहनों का संचालन करते हों।

केन्द्र सरकार ने उत्तराखंड में सड़क सम्पर्क योजना चारधाम को 2018 खत्म होने से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना से संबंधित 10 प्रस्तावों को हरित मंजूरी मिल गई है। पर्यावरणीय मंजूरी मिलने के बाद सड़क और राजमार्ग मंत्रालय ने काम तेज कर दिया है। नरेन्द्र मोदी सरकार के एजेंडे के शीर्ष पर 12,000 करोड़ रुपए की लागत वाली यह परियोजना 2018 समाप्त होने से पहले पूरी हो जाएगी। केन्द्रीय सड़क व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार परियोजना से संबंधित अन्य प्रस्तावों को भी जल्द मंजूरी मिल जाएगी। चारधाम की यात्रा आस्था से जुड़ी है। परियोजना श्रद्धालुओं के लिए सबसे बड़ा उपहार होगा। विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग चारधाम यात्रा के लिए आते हैं। परियोजना के तहत 900 किलोमीटर के राजमार्गों पर हर मौसम में यात्रा की जा सकेगी।

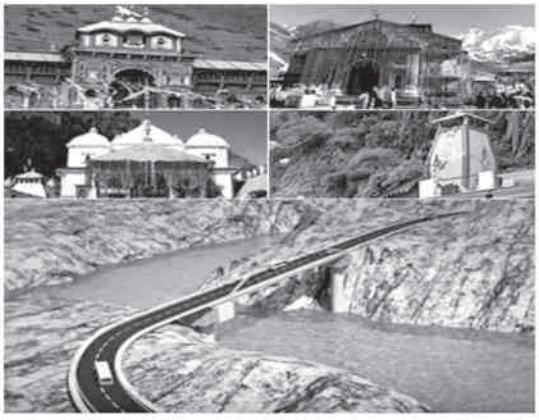

चार धाम यात्रा अक्षय तृतीया अथवा अप्रेल-मई से आरंभ हो कर दीपावली तक की जा सकती है, इसके बाद वहां भारी बर्फबारी से तापमान शून्य तक आ जाता है। ऐसे में चारों धाम के कपाट बंद कर दिए जाते हैं। मई-जून में भी इन पर्वतीय इलाकों में हिमपात, ओलावृष्टि, वर्षा, आंधी-तूफान के कारण यात्राएं प्राय: जोखिम भरी होती हैं। चार वर्ष पूर्व की केदारनाथ त्रासदी को याद करते हुए कलेजा मुंह को आता है। जिसके चिह्न मैंने परिवार के साथ इस वर्ष मई में यात्रा के दौरान भी देखे। स्थान-स्थान पर भूस्खलन के कारण पहाड़ों से पत्थर, चट्टानें और गाद संकड़ें रास्तों को अवरूद्ध कर देते हैं, कहीं तो सड़कें ही धस जाती है। यात्रियों को कई-कई दिनों तक आंधी, वर्षा और बर्फबारी का खुले में सामना करना पड़ता है। लेकिन आस्था और विश्वास के सहारे वे इन कष्टकारी हालातों को झेलते आगे बढ़ते हैं। जब हम यात्रा पर थे उसी दौरान मध्यप्रदेश के इन्दौर से चार धाम यात्रा पर गए 30 तीर्थयात्रियों के समूह को ले जा रही बस उत्तरकाशी और ऋषिकेश के बीच नालूपानी के समीप खाई में गिर पड़ी। इस दुर्घटना में 21 यात्रियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ऐसी ही एक अन्य घटना कुमाऊं मण्डल में हुई। तीर्थ-स्थानों की यात्रा कर लौट रहे कोटद्वार गढ़वाल के तीर्थयात्रियों की बस के पिछले हिस्से पर पहाड़ी मलबा गिरने से 6 महिलाओं की मृत्यु हो गई। चार धाम यात्रा के मार्ग कोई आज ही दुर्गम हो गए हों, ऐसा नहीं है। ये धाम सदियों से भारतवासियों की आस्था का केन्द्र रहे हैं। इन तीर्थ स्थानों से जुड़ा महात्म्य ही श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। वे सदियों से इन दुर्गम पर्वतीय मार्गों से ही यात्रा करते रहे हैं लेकिन वर्तमान जितनी असुरक्षित और जीवनघाती यात्रा पहले नहीं थी। इन तीर्थों पर लोग महीनों तक पैदल चलकर पहुंचते थे। न शीघ्र पहुंचने की आपाधापी और न वापस लौटने की जल्दी। बहुत ही धैर्य के साथ जैकारे लगाते यात्री मार्ग के अनुभवों यथा भाषा, भूषा, संस्कृति, खान-पान से रूबरू होने के साथ प्रकृति से तादात्म्य बनाए गन्तव्य तक पहुंचते थे। गंगा-यमुना के उद्भव और बद्री-केदार के प्राकट्यो स्थल के भव्य दर्शनों के साथ ही मार्ग के अनुभवों की समृद्ध पूंजी सहेजे यात्री पुन: घर लौटते थे और पीढ़ी की नई पौध को उसे समर्पित करते थे। दरअसल इन मार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं के लिए प्रकृति को दोष नहीं दिया जा सकता। पहाड़ों के बीच मार्ग पर हल्के मोटर वाहन तो चल सकते हैं किन्तु कमाई के लालच में लम्बी बसों में यात्रियों को ठूंस कर ले जाया जाता है। सामने से यदि वाहन आ जाता है तो किसी एक को आगे-पीछे होने पड़ेगा और ऐसा चढ़ाई व ढलान में बेहद खतरनाक होता है। लम्बी बसें छोटे मोड़ में अटक जाती हैं। जिसकी वजह से इन दुर्गम रास्तों पर लगने वाला जाम दुर्घटनाओं का कारण बन जाता है। इन हालातों में केन्द्र द्वारा दुर्गम पर्वतीय मार्गों की सुध लेना अच्छी बात है किन्तु प्रशासनिक तंत्र को भी बेहतर किया जाना चाहिए। यात्रियों के साथ होने वाली लूट-खसोट बंद होने चाहिए। विश्राम और भोजन के न मार्गों पर बेहतर प्रबंध हैं और न ही तीर्थस्थलों पर। केन्द्र को वहां कोई भी विकास करने से पहले पारिस्थितिक तंत्र को ध्यान में रखना होगा, अन्यथा उसके दुष्परिणाम भी होंगे।

**प्रस्तुति : लहरीलाल नागदा**

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)
शुभ दीपावली
शुभ दीपावली
दीपावली के मंगल पर्व पर हार्दिक शुभकामनाऐं।
ये नूतन वर्ष आपको सुख और समृद्धि से परिपूर्ण करें।
MEMBER J.K. ORGANISATION
JK TYRE
& INDUSTRIES LTD.

# दुर्लभ हुई प्यारी गौरैया

- रमेश ठाकुर

सब जगह दिखने वाली चंचल गौरैया अब दुर्लभ है। उसे बचाने के तमाम उपाय भी कारगर नहीं हो रहे हैं। फुर्तीली और चहलकदमी करने वाली गौरैया को हमेशा शरदकालीन फसलों के दौरान, खेत-खलिहानों में अनेक छोटे-छोटे पक्षियों के साथ फुदकते देखा जाता था। इसके अलावा शहरों में भी वे भारी संख्या में छतों और पेड़ों पर फुदकती दिखती थीं। गौरैया की सामान्य पहचान उस छोटी सी चंचल प्रकृति की चिड़िया से है जो हल्के धातु रंग की है और चीं-चीं करती यहां से वहां फुदकती रहती है।

बसंत के मौसम में, फूलों की( खासकर पीले रंग के )क्रोकूसेस, प्राइमरोजेस और एकोनाइट्स फूलों की प्रजातियां गौरैया को ज्यादा आकर्षित करती हैं। छोटी होते हुए भी यह चिड़िया लंबी उड़ान भरती है। गौरैया से विश्व को प्रथम परिचय 1851 में अमेरिका के ब्रुकलिन संस्थान ने कराया था। पिछले कुछ सालों से गौरैया पूरे विश्व में तेजी से दुर्लभ होती जा रही है।

हिन्दुस्तान में इस पक्षी को विभिन्न नामों से पुकारा जाता है। हिन्दी भाषी क्षेत्रों में यह गौरैया के नाम से लोकप्रिय है, जबकि गुजरात में चकली, मराठी में चिमानी, पंजाब में चिड़ी, जम्मू और कश्मीर में चेर, तमिलनाडू और केरल में कूरूवी, तेलगू में पिच्चूका, कन्नड़ में गुब्बाच्ची, पश्चिम बंगाल में चराई पाखी और ओडिशा में घरचटिया से इसे जाना जाता है, जबकि उर्दू में इसे चिड़िया और सिंधी भाषा में झिरकी कहा जाता है। दरअसल गौरैया के लुप्त होने के कई कारण हैं। इनमें सीसारहित पेट्रोल का उपयोग प्रमुख कारण है। जिसके जलने पर मिथाइल नाइट्रेट नामक यौगिक तैयार होता है जो इस प्रजाति के लिए घातक है। गौरैया की नौ प्रजातियां मानी गई हैं। सर्वेक्षण से पता चला है कि 2005 तक 97 फीसद गौरैया खत्म हो चुकी हैं। शहरीकरण, कीटनाशकों का अंधाधुंध, प्रयोग, प्रदूषण और बड़े स्तर पर गौरैया को मारना जैसे कई कारक हैं जिनसे यह प्राणी आज लुप्त होने की कगार पर है। आधुनिक युग में पक्के मकान, लुप्त होते बाग-बगीचे, खेतों में कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग और भोज्य-पदार्थ स्रोतों की उपलब्धता में कमी प्रमुख कारक हैं जो इनकी घटती आबादी के लिए जिम्मेदार हैं। गौरैया फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को भी समाप्त करने में सहायक है। यह बुद्धिमान चिड़िया है, जिसने घोंसला स्थल, भोजन और आश्रय परिस्थितियों में अपने को उनके अनुकूल बनाया। इन्हीं विशेषताओं के कारण वह विश्व में सबसे ज्यादा पाई जाने वाली चिड़िया बन गई।

अभी पृथ्वी के दो-तिहाई हिस्से में उड़ने वाली प्रजातियों का पता लगाया जाना बाकी है, फिर भी यह बड़ी विडंबना है कि जो प्रजाति कभी बहुलता में यहां थी, कम हो रही है।

गौरैया का प्रमुख आहार अनाज के दाने या कीट हैं। घरों से बाहर फेंके गए कूड़े करकट में भी वह अपना आहार ढूंढ लेती हैं। इनके घोंसले पेड़ों की सूराखों या चट्टानों में, घर या नदी के किनारे, समुद्र तट या झाड़ियों में, आलों या प्रवेश द्वारों जैसे स्थानों पर होते हैं। ये घोंसले घास के तिनकों से बनाती हैं। इनके अंडे अलग-अलग आकार आकार और पहचान के होते हैं। अंडे को मादा गौरैया सेती है।

गौरैया केवल भारत से ही नहीं बल्कि अनेक देशों से भी लुप्त हो रही है। पर्यावरण संतुलन में इनकी एक व्यापक भूमिका है। गौरैया की तुलना युगल प्रेमियों से की जाती है क्योंकि ये पक्षी सदा जोड़े में दिखाई देते हैं, मानो स्नेह की डोर में बंधे हुए हों। इन पक्षियों का आकार और आकाश में उड़ने की उनकी क्षमता जैसी उनकी विशेषताएं ही उन्हें जोड़ा बनाने, प्रेम के सूत्र में बंधने, एक-दूसरे की सुरक्षा और प्यार देने में सहायक होते हैं। अब घर के बाहर चिड़ियों का झाड़ियों की डाली पर उछलना और उनका चहचहाना किसी को शायद ही दिखाई पड़ता है। घरेलू गौरैया विश्व के पुराने गौरैया परिवार पासेराडेई की सदस्य है। कुछ लोग इसे वीवर फिंच परिवार से संबंधित मानते हैं। इनकी कई भौगोलिक प्रजातियों का नामकरण हुआ है और उन्हें आकार और रंग के आधार पर अलग किया गया है। नर गौरैया को उसके सीने के रंग से पहचाना जा सकता है। पश्चिमी गोलार्द्ध की चिड़िया उष्णकटिबंधीय दक्षिण एशियाई चिड़िया की तुलना में बड़ी होती है। शहरों के आसपास देखी जाने वाली गौरैया धीरे-धीरे अब दुर्लभ होती जा रही है।

# लेखक, पत्रकार और अभिनेता टॉम ऑल्टर नहीं रहे



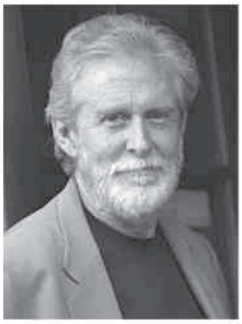

मशहूर अभिनेता टॉम ऑल्टर का 29 सितम्बर 2017 को देर रात मुंबई में निधन हो गया। 67 वर्षीय टॉम लम्बे समय से स्किन कैंसर से जूझ रहे थे। 1972-74 में उन्होंने पुणे के फिल्म एण्ड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट से एक्टिंग का डिप्लोमा किया था। हिन्दी व उर्दू भाषा में अच्छी पकड़ के कारण फिल्मों में खास जगह बनाई। 1976 में फिल्म 'चरस' से करियर की शुरुआत करने वाले टॉम ने तकरीबन 300 फिल्मों में काम किया। छोटे पर्दे पर भी उन्होंने अभिनय किया। हाल ही में वे स्टार प्लस के धारावाहिक रिश्तों का चक्रव्यूह में नजर आ रहे थे। अभिनय के अलावा वे 80-90 के दशक में खेल पत्रकार भी रहे और सचिन तेंदुलकर का पहला इंटरव्यू उन्होंने ही लिया था। टॉम अमेरिकन मूल के थे, सन् 1916 में उनके दादा-दादी पाकिस्तान में ही रह गए पर माता-पिता भारत आ गए और यहीं 1950 में मसूरी में उनका जन्म हुआ। टॉम ने तीन किताबें भी लिखी हैं। वे अपने पीछे पत्नी, पुत्र व एक पुत्री छोड़ गए हैं।


S.P. Jhanwar
09414163060

Jagdish Nawal
09414024022

SHREEJI TRADERS

All Type of Hydraulics Hose Assmeblies & Stone Processing Machineries

ENGINEERING WORKS

CNC Metal Cutting Services

Our Products/Services

Opposite Hotel Rajkamal International, Bhuwana Bypass, Udaipur-313001 INDIA
**Email :-** spjhanwar@shreejiengineeringworks.in, jnawal@shreejiengineeringworks.in
**Website :-** www.shreejiengineeringworks.in

# पाठक पीठ

## लाजवाब आलेख

दीपावली अंक में प्रकाशित 'घर-आंगन हो जगमग, मिटे दु:खों का अंधियारा' आलेख अच्छा लगा। इसमें सनातन संस्कृति और जीवन मूल्यों पर नवीन चिंतन दृष्टि मिली। धन ही सब कुछ नहीं, अपितु स्वस्थ तन-मन, सुरूचिपूर्ण परिवार, सामाजिक सरोकार और रिश्तों को निभाना भी उतना ही जरूरी है।

**सुशील अग्रवाल, उद्योगपति**

## मौत का खेल

ब्लू व्हेल का मायाजाल सोशल मीडिया पर सवाल खड़े करता है। संसार में साइनाइड जैसे पाइजन भी उपलब्ध है पर, इसका यह मतलब तो नहीं कि उसे निगल लिया जाए। संसार सागर है, जिसमें विभिन्न पदार्थ भरे पड़े हैं और उनका इस्तेमाल सोच-समझ कर ही किया जाना चाहिए। समस्या यह है कि अभिभावक सैर-सपाटे, धन कमाने, व्यसन जाल और फालतू के कामों में इतने उलझे रहते कि उन्हें बच्चों पर ध्यान देने की फुर्सत ही नहीं है। इस शून्य को भरने के लिए ही बच्चे ऐसी खतरनाक पहेलियों में उलझ जाते हैं।

**शांतिलाल गंगावत, उद्योगपति**

## ट्रिपल तलाक पर बड़ी जीत

'प्रत्यूष' के अक्टूबर अंक में मुस्लिम महिलाओं की दर्दभरी दास्तां और उनकी ज़िंदगी में आशा की एक किरण बन कर आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला वास्तव में सराहनीय है। आलेख में सामाजिक और कानूनी मुद्दे की सरल शब्दों में अच्छी व्याख्या हुई। तीन बार तलाक कहकर पत्नी के परित्याग को ग़ैर-कानूनी माना जाना तो मुस्लिम महिलाओं के लिए राहत ही नहीं, उनकी बड़ी जीत है।

**डॉ. लक्ष्मी झाला, चिकित्सक**

## संपादकीय के तेवर

'प्रत्यूष' के अक्टूबर अंक का संपादकीय अच्छा लगा। ताज्जुब है वर्षों तक दुष्कर्मी, मक्कार, दंभी और धन कमाने वाले बाबाओं का मायावी संसार फलता-फूलता ही गया और धर्म भीरू जनता उनके झांसे में धन-दौलत ही नहीं, आबरू भी उन्हें सौंपती रही। पाखंडी बाबाओं के चरणों में राजनेताओं और अधिकारियों को साष्टांग दण्डवत होते देख लगता है कि समाज को गुमराह करने के लिए ये भी कम दोषी नहीं है।

**एस.एस. बिष्ट, उद्योगपति**

निःशुल्क नेत्र सेवा प्रकल्प

सोमवार से शनिवार

तारा संस्थान

के नेत्र चिकित्सालय तारा नेत्रालय में निःशुल्क

PHACO पद्धति द्वारा मोतियाबिन्द ऑपरेशन,

नेत्र परीक्षण एवं लेन्स प्रत्यारोपण तथा चश्मे के नम्बर

236, सेक्टर 6, हिरण मगरी (जे.बी. हॉस्पीटल के पास वाली गली),

उदयपुर-313002 (राज.) भारत (+91) 9549399993, 9649399993

# उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि.

(Retail Revolution)

शुद्धता | विश्वसनीयता | गुणवत्ता

उदयपुर भण्डार को सहकारी क्षेत्र में
उत्तरी भारत का सर्वश्रेष्ठ भण्डार का गौरव प्राप्त है।

## सुपर मार्केट की नियमित स्कीमें

समस्त उत्पाद (**M.R.P.**) से कम दरों पर

- 101 रूपये का सामान प्रतिमाह जीवन भर मुफ्त
  (10 हजार जमा योजना अन्तर्गत जमा कराने पर)
- 1 किलो शक्कर आधी कीमत पर 1500.00 रूपये की खरीद पर

या

- 1 किलो शक्कर मुफ्त 2500.00 रूपये की खरीद पर

या

- 1 लीटर खाद्य तेल मुफ्त 3500.00 रूपये की खरीद पर
- 5 प्रतिशत की छूट समस्त नहाने के साबुन पर/समस्त कपड़े धोने के साबुन पर /समस्त डिसवॉश बार पर/समस्त बिस्किट पर
- मात्र 500 रूपये में सदस्यता ग्रहण कर अधिक से अधिक लाभ उठावें, 1 प्रतिशत की छूट सदस्यता पर
- www.thokbhandar.com वेबसाइट पर ऑनलाईन शॉपिंग सुविधा उपलब्ध है।

(शर्तें लागू)

( आलोक भटनागर )
प्रशासक

( आशुतोष भट्ट )
महाप्रबन्धक

# इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

## मेष

विरोधियों से परेशानी रहेगी, रक्त सम्बन्धी पुराना रोग उभर सकता है। राजकीय एवं शासकीय क्षेत्र में लाभ मिलेगा, यात्रा के योग बनेंगे, मित्रों का सहयोग मिलेगा व स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। चल रहे कार्य एवं परियोजनाओं को अधूरा छोड़ना पड़ सकता है, दाम्पत्य जीवन उत्तम, सन्तान पक्ष मध्यम है।

## वृषभ

राशि स्वामी का स्व राशि में भ्रमण लाभदायक है, परन्तु स्वास्थ्य को कमजोर कर सकता है। कुछ नया करने के लिए भी समय श्रेष्ठ है, किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। अपने ही प्रियजन से आहत हो सकते हैं, पदोन्नति की प्रबल सम्भावनाएं, साझेदारी लाभप्रद रहेगी।

## मिथुन

मनोबल और भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि, श्रेष्ठीजनों से मुलाकात एवं कार्य विस्तार की योजना बनेगी। राजकीय क्षेत्र से जुड़े जातकों को शुभ समाचार मिलने से परिवार में हर्षोल्लास रहेगा। चिन्ताओं में कमी होगी, सार्वजनिक मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी, सन्तान से सन्तोष एवं प्रसन्नता, दाम्पत्य जीवन मध्यम।

## कर्क

कोई भी निर्णय लेते समय उसे तार्किक कसौटी पर परख लें वरना पश्चाताप ही हाथ लगेगा। मानसिक तनाव रहेगा, जोखिम न लेंवे, धार्मिक आयोजन में खर्च बढ़ेगा, दृढ़ता से कार्य में लगना होगा, परिवार वालों से पूर्ण सहयोग, स्वास्थ्य सामान्य।

## सिंह

माह के पूर्वार्द्ध में आत्मबल की कमी महसूस करेंगे, मानसिक चिन्ताओं का निवारण होगा, समाज में प्रतिष्ठा मिलेगी, कार्य क्षेत्र में नई चमक दिखाई देगी एवं कुछ नया कर पायेंगे, प्रियजनों द्वारा गतिरोध उत्पन्न हो सकता है, पैतृक मामले सुलझ सकते हैं, भाग्य का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा, स्वास्थ्य सामान्य।

## कन्या

अतिमहत्वाकांक्षा हानिप्रद सिद्ध होगी, आय पक्ष प्रभावित रहेगा, भाग्य पूर्ण रूप से साथ देगा, परिवारजन मदद करेंगे। भावी योजनाओं के क्रियान्वयन में परेशानी होगी परन्तु दीर्घकालीन परिणाम श्रेष्ठ होंगे। उलझनों से मुक्ति मिलेगी, अधिकारों के लिए टकराव संभव है, स्वास्थ्य पक्ष श्रेष्ठ है।

## तुला

2 नवम्बर से समय पक्ष में है, कोई नया रचनात्मक कदम उठाएं, सफलता मिलेगी। कार्य क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा परन्तु सफलता प्राप्त होगी, भाग्य पूर्णरूपेण साथ देगा। जीवन साथी का सहयोग, कार्य क्षेत्र में रूकावटों के साथ सफलता। आर्थिक दृष्टि से माह श्रेष्ठ है।

## वृश्चिक

धैर्य बनाये रखें, वर्तमान योजना भविष्य में अच्छा प्रतिफल देगी, जिस उत्साह से लगे हुए हैं उसमें कमी न आने दें, रूकावटें तो होगी परन्तु परिणाम सुखद रहेंगे। कार्य क्षेत्र में गतिरोध सम्भव है, परिणय सम्बन्धों में सफलता, सन्तान पक्ष से असन्तुष्ट, आय पक्ष उत्तम, कॅरियर की चिन्ता रहेगी, प्रतियोगी परीक्षाएं अच्छे परिणाम देंगी।

## धनु

सामाजिक सहभागिता में वृद्धि होगी, आय के नये स्रोत बनेंगे। भोग विलास में समय व्यतीत होगा, दुविधाओं से मुक्ति मिलेगी, यदि व्यापार करते हैं तो आयात-निर्यात में लाभ की पूर्ण संभावनाएँ हैं। भाग्य सामान्य, आकस्मिक घटनाएँ परिवार में प्रसन्नता लाएंगी, जीवन साथी के स्वास्थ्य में गिरावट।

## मकर

अनिर्णय की स्थिति रहेगी, नये सम्पर्कों से लाभ मिलेगा, खुद तो कुछ नहीं कर पायेंगे परन्तु भाग्य आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। किसी भी तरह का कोई अवसर आता है तो अविलम्ब उसे भुनाएं। कार्य क्षेत्र में सफलता, प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम सुखद होंगे, दाम्पत्य जीवन में कड़वाहट अनुभव करेंगे, व्यावसायिक यात्राओं के योग हैं।

## कुम्भ

आपके कार्य क्षेत्र एवं विचारों का प्रखर विरोध होगा, डटे रहें, विजयी होंगे। वाद-विवाद में भी जीत हासिल करेंगे, कार्य क्षेत्र में निखार आएगा, लेन-देन में सावधानी आवश्यक है, भाग्य साथ देगा। कमर एवं कमर से नीचे कोई परेशानी हो सकती है, आय पक्ष सामान्य रहेगा, अपने ही लोग आपको नीचा दिखाने की चेष्टा करेंगे।

## मीन

आकस्मिक धन लाभ के योग हैं, अनावश्यक खर्च भी अधिक होगा, सावधानी बरतें, अधूरी परियोजनाएं पूरी होगी, व्यावसायिक कारणों से यात्राएं भी करनी पड़ सकती हैं। स्थाई कार्यों को महत्व देवें, सन्तान पक्ष से अकारण चिन्ताएँ, शेयर, सट्टा, लॉटरी से दूर रहें, छोटे कार्यों में अधिक सफलता मिलेगी।

# T-JEWELLERS

## Gold and Silver Ornaments & Silver Utensil

233A, BAPU BAZAR, UDAIPUR-313001
Phone :- 0294-2422758 (S), 0294-2410683 (R)

Kailash Agarwal
9414159130

Pankaj Agarwal
9414621211

YUVRAJ PAPERS

# Yuvraj Papers

design | paper | print

11-A, Indira Bazar, Nada Khada, Near Bapu Bazar,
Udaipur - 313001 Phone :- + 91-294-2418586

email : info@yuvrajpapers.com

# शिक्षित नागरिकों से ही विकास संभव : सारंगदेवोत

'केहर प्रकाश' के पुनर्प्रकाशित संस्करण का विमोचन करते प्रो. एस. के. शुक्ला, प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत, जितेन्द्र उपाध्याय व अन्य।

**उदयपुर।** राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने कहा कि कोई भी देश अपने नागरिकों को शिक्षित किए बिना विकसित नहीं हो सकता। वे पिछले दिनों ''उच्च शिक्षा की चुनौतियां गुणवत्ता के सवाल'' विषय पर आयोजित कविराव मोहन सिंह स्मृति व्याख्यान में अध्यक्षीय उद्बोधन दे रहे थे। व्याख्यान के मुख्य वक्ता जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. संतोष कुमार शुक्ला थे। इससे पूर्व मुख्य अतिथि देवस्थान आयुक्त जितेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में पुनर्जागरण की आवश्यकता है प्राथमिक शिक्षा को मजबूत किए बिना उच्च शिक्षा की गुणात्मकता में सुधार संभव नहीं है। कार्यक्रम में कविराव मोहनसिंह जी के प्रपितामह कविराव बख्तावर सिंह द्वारा रचित 'केहर प्रकाश' के द्वितीय संस्करण का विमोचन भी किया गया। इसका सम्पादन कविराव मोहन सिंह ने किया था। इस पुस्तक का प्रथम प्रकाशन महाराणा भूपालसिंह ने अपने निजी खर्च से 84 वर्ष पूर्व करवाया था और इसके कुछ वर्षों बाद ही यह ग्रंथ दुर्लभ प्राय: हो गया। प्रथम संस्करण की भूमिका राव जसवंत सिंह(कुराबड़) मेवाड़ ने लिखी थी। जबकि नये संस्करण की भूमिका उन्हीं के वंशज उग्रसेन राव ने लिखी है। कवि किशन दाधीच और पत्रकार उग्रसेन राव ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. धीरज प्रकाश जोशी व धन्यवाद ज्ञापन कुलप्रमुख बी. एल. गुर्जर ने किया।

## नेत्र-रोग चिकित्सा विभाग का उद्घाटन

**उदयपुर।** कस्तूरबा मातृ मंदिर : डॉ. आत्मप्रकाश भाटी हॉस्पीटल, में पिछले दिनों नेत्र रोग चिकित्सा विभाग का उद्घाटन संस्था अध्यक्ष तेजसिंह बांसी ने किया। सचिव डॉ. जयप्रकाश भाटी ने बताया कि इससे पूर्व दंतरोग चिकित्सा विभाग शुरू किया जा चुका है। हॉस्पीटल पिछले साठ वर्ष से स्त्री रोग एवं शिशु रोग चिकित्सा के क्षेत्र में सेवाएं दे रहा है। इस अवसर पर हॉस्पीटल कार्यकारिणी के पदाधिकारी डॉ. जगदीश भाटी, विष्णु शर्मा हितैषी, डॉ. गिरिराज शर्मा 'गुंजन' एवं गणपत सिंह हिंगड़ आदि भी उपस्थित थे।

## डॉ. कोठारी का नाम वर्ल्ड रिकॉड्र्स इण्डिया में

**उदयपुर।** लेकसिटी के डॉ. यशवन्त कोठारी का नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इण्डिया में दर्ज किया गया है। वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इण्डिया के संस्थापक पावन सोलंकी ने डॉ. कोठारी को प्रमाण-पत्र, स्मृति चिह्न एवं पदक प्रदान किया। उक्त सम्मान उदयपुर में उच्च तकनीकी संस्कृति शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री किरण माहेश्वरी ने प्रदान कर उज्जवल भविष्य की कामना की। सम्मान डॉ. कोठारी को वर्ष 1981-82 से पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में अति विशिष्ट सेवाएं प्रदान करने के उपलक्ष्य में प्रदान किया गया। इस अवसर पर विनय भाणावत भी उपस्थित थे।

डॉ. कोठारी को वर्ल्ड रिकॉड्र्स का प्रमाण-पत्र प्रदान करती किरण माहेश्वरी एवं विनय भाणावत।

# सुई से हड्डी के फ्रैक्चर का इलाज

**उदयपुर।** जीबीएच अमेरिकन हॉस्पीटल के एडवांस यूरो केयर इंस्टीट्यूट में रीढ़ की हड्डी के फ्रैक्चर का मिनिमल इंवेजिव पद्धति सुई से ऑपरेशन कर बोन सीमेंट की गई। मेडिकल साइंस में इसे परकुटेयिस बैलून काइफोलास्टी कहा जाता है। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. आनंद झा ने बताया कि जीबीएच अमेरिकन हॉस्पीटल की एडवांस न्यूरो केयर इंस्टीट्यूट में पिछले दिनों कमर दर्द की शिकायत लेकर एक महिला को उनके बेटे लेकर आए थे। महिला कमर दर्द से तीन महीने से परेशान थी। उन्हें पैरों में सुन्नपन, चलने में तकलीफ और कमजोरी भी रहने लगी। यहां न्यूरो सर्जन डॉ. अजीतसिंह ने एमआरआई और सीटी स्कैन की जांच में पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस के कारण कमजोरी और उसकी वजह से रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया था। इसी कारण रीढ़ की हड्डी दब गई जो नसों पर दबाव डाल रही थी। वृद्धा को हार्ट संबंधित बीमारी होने से ऑपरेशन भी संभव नहीं था, लेकिन नसों पर लगातार दबाव से लकवा होने का भी खतरा था। इस पर मिनिमल इंवेजिव पद्धति से ऑपरेशन तय किया गया। इसमें न्यूरो सर्जन डॉ. अजीत सिंह के साथ निश्चेतना विभाग से डॉ. पीयूष गर्ग को भी शामिल किया गया। इसमें टूटी हुई हड्डी में सुई से बोन सीमेंट भरकर हड्डी को मजबूत किया गया। सिर्फ आधा घंटे के ऑपरेशन से रीढ़ की हड्डी का नसों पर दबाव हट गया और ऑपरेशन के तुरंत बाद मरीज ने राहत महसूस की।

## डीपीएस छात्रसंघ ने ली शपथ

छात्र-छात्राओं के साथ चेयरमैन गोविन्द अग्रवाल, अपूर्वा अग्रवाल, कर्नल दीपक रामपाल, डॉ. भावना देथा एवं अन्य।

**उदयपुर।** दिल्ली पब्लिक स्कूल छात्रसंघ की नई कार्यकारिणी ने गत दिनों शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि वीरचक्र विजेता कर्नल दीपक रामपाल, डॉ. भावना देथा व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रानू शर्मा ने सम्बोधित किया। अतिथियों का स्वागत प्रो वाइस चेयरमैन गोविन्द अग्रवाल ने किया। प्रबंधकारिणी की सदस्य अपूर्वा अग्रवाल ने विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्रभारी प्रधानाचार्य संजय नरवारिया ने अतिथियों, स्कूल चेयरमैन व प्रबंध समिति के सदस्यों का स्वागत किया। संचालन राजेश धाभाई ने किया।

## हिन्दुस्तान जिंक को 'राष्ट्रीय सफाईगिरी अवार्ड'

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू से 'सफाईगिरी अवार्ड - 2017' ग्रहण करते हुए हिन्दुस्तान जिंक के पवन कौशिक, टी. आर. गुप्ता एवं देविका गुप्ता।

**उदयपुर।** दिल्ली में आयोजित एक समारोह में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने हिन्दुस्तान जिंक को 'राष्ट्रीय स्तर का सफाईगिरी अवार्ड-2017' प्रदान किया। हिन्दुस्तान जिंक को यह पुरस्कार उदयपुर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए बेस्ट पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल श्रेणी के तहत प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित अवार्ड पवन कौशिक, हेड-कार्पोरेट कम्यूनिकेशन टी. आर. गुप्ता, हेड-कार्पोरेट अफेयर्स एवं देविका गुप्ता, एसोसिएट मैनेजर-कार्पोरेट कम्यूनिकेशन ने ग्रहण किया।

## एनिमेशन कार्यशाला

**उदयपुर।** एरिना एनिमेशन की ओर से गत दिनों एनिमेशन का कॉर्पोरेट इंडस्ट्री में योगदान पर कार्यशाला हुई। इसमें छात्रों को एनिमेशन इंडस्ट्री के बारे में बताया गया। डॉ. गौरव चित्तौड़ा ने रोजगार की जानकारी दी।

## मणिभद्र पूजन व स्नात्रपूजा

**उदयपुर।** वर्षावास के समापन पर आदिनाथ मानव कल्याण समिति, कविता में म. सुधर्मसागर जी के सान्निध्य में मणिभद्र पूजन, स्नात्र पूजा, अभिषेक और सत्संग का आयोजन किया गया। जिसमें आदिनाथ भक्ति मंडल, गायत्री परिवार व साधकों ने सहयोग किया। समणी आनंदी बाई ने बताया कि 4 नवम्बर को शिशु-निकेतन, सेक्टर 4 में नूतन भजनावली व समिति सदस्यों के परिचय की सचित्र पुस्तिका का विमोचन किया जाएगा। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष अशोक सेठ, उपाध्यक्ष रणजीत सिंह मेहता व सचिव काननबाला लोढ़ा भी उपस्थित थे।

# केबीसी में जीती कार

केबीसी में कार विजेता को कार की चाबी सौंपते कम्पनी के उदयपुर शोरूम के महाप्रबन्धक हेमेन्द्र सिंह।

**उदयपुर।** सोनी टीवी के कौन बनेगा करोड़पति सीरियल में घर बैठे खेलो प्रतियोगिता के तहत होस्ट अमिताभ बच्चन के पूछे गए प्रश्न के जवाब में नाथद्वारा के देवेन्द्र कुमार जांगिड़ ने डेटसन रेडी गो कार जीती। मादड़ी औद्योगिक क्षेत्र स्थित निधि कमल निसान के शोरूम पर महाप्रबन्धक हेमेन्द्र सिंह ने उन्हें कार की चाबी सौंपी।

# गजेन्द्र शर्मा को डॉक्टरेट की उपाधि

**उदयपुर।** दिल्ली पब्लिक स्कूल में कार्यरत जयपुर मूल के वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक गजेन्द्र शर्मा को 'उदयपुर संभाग के रिहायशी व गैर रिहायशी विद्यालयों में प्रतिदिन परिवर्तन लाने वाले चुनिंदा कारणों के प्रभाव का विश्लेषण' विषय पर पेसैफिक विश्वविद्यालय उदयपुर ने डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने यह शोध डॉ. सीमा गुर्जर के निर्देशन में किया।

# इन्दिरा आईवीएफ के तीन और सेन्टर

देहरादून सेन्टर का शुभारम्भ करते ग्रुप चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया, मनीष खत्री, आशीष लोढ़ा एवं अन्य।

**उदयपुर।** नि:संतानता के क्षेत्र में कार्यरत इंदिरा आईवीएफ ने पिछले अक्टूबर में तीन और नए सेन्टर देश में स्थापित किए। देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में 28वां, भागलपुर(बिहार) में 29वां तथा 30वां सेन्टर देहरादून में खोला गया। मुम्बई सेंटर का उद्घाटन महाराष्ट्र के गृह निर्माण मंत्री प्रकाश मेहता ने, भागलपुर केन्द्र का शुभारम्भ भागलपुर एमएलसी डॉ. एन. के. यादव ने जबकि देहरादून सेन्टर का उद्घाटन ग्रुप चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया ने किया।

# सूक्ष्म पुस्तिका का विमोचन

गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया सुक्ष्म पुस्तिका का विमोचन करते हुए

**उदयपुर।** सूक्ष्म पुस्तिका शिल्पी चन्द्रप्रकाश चित्तौड़ा द्वारा जैन मुनि सुनील सागर महाराज के 41वें जन्मदिवस पर बनाई 41 पृष्ठीय पुस्तिका का गत दिनों गृहमंत्री गुलाबचन्द कटारिया ने विमोचन किया। महाराज सुनील सागर ने भी चित्तौड़ा को शुभाशीष प्रदान किया। इस अवसर पर सांसद अर्जुनलाल मीणा, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, महापौर चन्द्रसिंह कोठरी आदि भी मौजूद थे।

# आसोलिया जिला संयोजक

**उदयपुर।** भारतीय जनता पार्टी शहर जिलाध्यक्ष दिनेश भट्ट ने राव नरपतसिंह आसोलिया को पंचायतराज प्रकोष्ठ शहर जिला संयोजक पद पर मनोनीत किया है।

सहकारिता मंत्री अजयसिंह किलक को भण्डार की व्यवस्थाओं की जानकारी देते महाप्रबंधक आशुतोष भट्ट।

# सहकारिता मंत्री का दौरा

**उदयपुर।** सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार का पिछले दिनों सहकारिता मंत्री अजयसिंह किलक ने दौरा किया। उन्होंने इस दौरान भण्डार के विभिन्न प्रकोष्ठों की कार्य प्रणाली का जायजा लिया। महाप्रबंधक आशुतोष भट्ट ने उन्हें कॉप दीवाली फेस्ट पर उपभोक्ताओं के लिए जारी इनामी योजना की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान विधायक फूल सिंह मीणा, उदयपुर दुग्ध डेयरी की अध्यक्ष डॉ. गीता पटेल, डॉ. किरण जैन व उपभोक्ता भण्डार के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद सामर भी मौजूद थे।

# वर्डिया अध्यक्ष और जोशी सचिव

प्रकाश वर्डिया

आर के जोशी

**उदयपुर।** वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति उमंग की कार्यकारिणी में प्रकाश वर्डिया अध्यक्ष तथा आर के जोशी को सचिव चुना गया है। यह समिति वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के निमित्त समर्पित है।

# दुग्ध उत्पादक संघ की आमसभा

**उदयपुर/प्रब्यू(** उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ की आमसभा सितम्बर 017 के अन्तिम सप्ताह में डेयरी परिसर में संघ अध्यक्ष डॉ. गीता पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें संघ को सर्वाधिक दूध सप्लाई करने वाली प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाली तीन-तीन सामान्य दुग्ध समितियों व महिला दुग्ध समितियों को पुरस्कृत किया गया। आम सभा में दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के 321 अध्यक्षों ने भाग लिया। जिनमें 44 महिला अध्यक्ष थीं। इस अवसर पर संचालक मण्डल के सदस्य भी उपस्थित थे। आम सभा में संघ अध्यक्ष श्रीमती पटेल ने विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ लेने पर जोर दिया। उन्होंने संघ की उपलब्धियों, आर्थिक स्थिति, विपणन गतिविधियों, प्रस्तावित विस्तार योजनाओं की जानकारी दी। दुग्ध समितियों के सुदृढ़ीकरण, आधुनिकीकरण, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, पशु आहार एवं चारा विकास, पशु नस्ल सुधार पशु बीमा योजना, पशु ऋण योजना, महिला विकास एवं सशक्तिकरण, सुरक्षित मातृत्व, तकनीकी आदान, शिक्षा

दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ की आमसभा को संबोधित करती अध्यक्ष डॉ. गीता पटेल।

सहयोग प्रोत्साहन, सरस लाडली योजना एवं प्रधानमंत्री बीमा योजनाओं आदि के बारे में भी बताया। प्रबंध संचालक नटवर सिंह ने दुग्ध संकलन, विपणन एवं अन्य गतिविधियों की प्रगति का विवरण दिया।

# 'दिव्यश्री रत्न' अलंकरण समर्पण समारोह

**उदयपुर।** फैडरेशन ऑफ दिव्यांग वेलफेयर सोसायटी व दिव्य परिवार द्वारा आलोक स्कूल पंचवटी में शहर के प्रबुद्धजनों को 'दिव्यश्री रत्न' अलंकरण से सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रत्यूष के सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी एवं एडवोकेट प्रकाश मेघवाल को राज्य सरकार द्वारा 'वरिष्ठ नागरिक सम्मान-2017' से सम्मानित किये जाने, संस्था के संरक्षक डॉ. यशवंत कोठरी का नाम पोलियो उन्मूलन में विशेष भूमिका के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होने तथा विमंदित बच्चों की शिक्षा व पुनर्वास में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'प्रयास' की संस्थापिका सुनीता भण्डारी को सम्मानित किया गया। वेलफेयर सोसायटी के संस्थापक भरत कुमावत, मुख्य अतिथि देवस्थान विभाग के पूर्व आयुक्त एस. एल. नागदा, अध्यक्ष डॉ. ओ. पी. महात्मा व विशिष्ट अतिथि कवि श्रेणीदान चारण, पैरालिम्पिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन के जिला सचिव गोविन्द सिंह

'दिव्यश्री रत्न' से सम्मानित प्रबुद्धजन ।

राठौड़ ने स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम में जमनालाल सुथार, उमेश शर्मा, लोकेश चौधरी, रमेशराज सुवालका, हेमलता जोशी, कारूलाल कुमावत, महेन्द्र रेगर, कमलेश वैष्णव आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

## राष्ट्रीय पैरा तैराकी स्पर्द्धा 5 नवम्बर से

**उदयपुर।** भारतीय पैरालिम्पिक कमेटी, नारायण सेवा संस्थान, पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन राजस्थान एवं महाराणा प्रताप खेलगांव सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 5 से 7 नवम्बर तक महाराणा प्रताप खेलगांव तरणताल पर 17वीं राष्ट्रीय पैरा स्वीमिंग चैम्पियनशिप होगी। आयोजन समिति अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि उदयपुर में पहली बार हो रही पैरोलिम्पिक तैराकी प्रतियोगिता में 26 राज्यों से (275 पुरूष व 125 महिला) तैराकों के भाग लेने की संभावना है। आयोजन समिति के मुख्य संरक्षक कैलाश मानव, अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, उपाध्यक्ष जिला खेल अधिकारी ललित सिंह झाला, सचिव दिनेश उपाध्याय, तकनीकी निदेशक डॉ. वी के डबास व तकनीकी सचिव महेश पालीवाल होंगे।

## सिवाना में पुष्कर गुणानुवाद सभा

**सिवाना( बाड़मेर )।** साधना के शिखर पुरुष पुष्कर मुनि जी महाराज की जयंती पर यहां श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में गुणानुवाद सभा एवं अन्य कार्यक्रम हुए। उपाध्याय रमेश मुनि जी, प्रवर्तक डॉ. राजेन्द्र मुनिजी, साहित्य दिवाकर सुरेन्द्र मुनिजी, दीपेश मुनिजी उपप्रवर्तिनी चरित्रप्रभा, डॉ. रूचिकाश्री एवं अन्य साधु-साध्वियों ने पुष्कर मुनि के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महामानव बताया। समारोह की अध्यक्षता जैन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मोहनलाल चोपड़ा ने की। चातुर्मास के लाभार्थी बाबूलाल-अशोक कुमार रांका परिवार सहित धर्म व समाज की सेवा में समर्पित श्रीसंघों व उनके पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

## शैलेष को 'सयाजीराव भाषा सम्मान'

**मुम्बई।** बैंक ऑफ बड़ौदा के कॉर्पोरेट कार्यालय में वार्षिक राजभाषा समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कवि-अभिनेता, लोकप्रिय टीवी धारावाहिक तारक मेहता का उल्टा चश्मा के मुख्य सूत्रधार शैलेष लोढ़ा थे। विशिष्ट अतिथि अशोक ओझा, बैंक के कार्यपालक निदेशक मयंक के. मेहता, अशोक कुमार गर्ग, पापिया सेनगुप्ता थीं। अध्यक्षता प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी पी. एस. जयकुमार ने की। शैलेष लोढ़ा को महाराजा सयाजीराव भाषा सम्मान-2017 के तहत सम्मान पत्र और एक लाख इक्यावन हजार की राशि प्रदान की गई।

# शोक समाचार

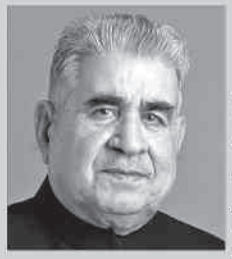

**उदयपुर।** जी. आर. इन्फ्राप्रोजेक्ट्स लि. के संस्थापक एवं प्रमुख उद्योगपति **श्री गुमानी राम जी अग्रवाल** का 24 सितम्बर 2017 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र देवकी नंदन अग्रवाल, विनोद, महेन्द्र, अजेन्द्र, हरीश व पुरूषोत्तम अग्रवाल तथा पुत्री शकुन्तला गुप्ता सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र व भतीजों का वृहद एवं समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

**उदयपुर।** पेरीवाल एक्सपोर्ट एवं मयूर आर्ट प्रतिष्ठानों के संस्थापक **श्री दीनदयाल जी पेरीवाल** चुरू वालों का 26 सितम्बर 2017 को स्वर्गवास हो गया। वे 84 वर्ष के थे। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती आनंदी पेरीवाल, पुत्र जयंत, हेमन्त व सुमन पेरीवाल तथा पुत्रियां कुमुद गट्टानी, कुसुम मर्डा व कुमकुम झंवर एवं पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

**उदयपुर।** पंचायत समिति बड़गांव के पूर्व उपप्रधान एवं सुथार समाज ऊपर का गिर्वा के अध्यक्ष **श्री भंवरलाल शर्मा (बम्बोरिया)** का 11 अक्टूबर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती धापूबाई, पुत्र प्रभुलाल, सुरेश व ललित शर्मा, पुत्रियां मोहिनी देवी, पुष्पा देवी, गीता देवी, उषा देवी व तनुजा देवी तथा उनका व भाई-भतीजों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। **श्रीमती विरमा देवी** गुप्ता धर्मपत्नी श्री शिवचरण जी गुप्ता का आकस्मिक निधन 28 सितम्बर 2017 को हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र अनिल व सुनील तथा पुत्रियां वीनू गुप्ता, शशि नदेडिया, सुनीता जयसवाल, सीमा जयसवाल तथा प्रीति जयसवाल एवं उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई है।

**उदयपुर।** श्री परशुराम-जसोदा देवी सुयल की **पुत्रवधू श्रीमती हेमलता सुयल** (धर्मपत्नी हेमेन्द्र सुयल) का 13 अक्टूबर, 2017 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र दिपेन्द्र व पुत्री हिमानी व पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों सहित समृद्ध एवं सम्पन्न परिवार छोड़ गई है।

**उदयपुर। श्री प्रेम कुमार बृजवासी** का आकस्मिक स्वर्गवास दिनांक 20 अक्टूबर 17 को हो गया। वे अपने पीछे विरह व्यथित पत्नी श्रीमती पुष्पा बृजवासी पुत्र प्रणय व पुत्री निहारिका सहित सम्पन्न व भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

**श्रीमती गुणमाला देवी बण्डेला** का स्वर्गवास दिनांक 15 अक्टूबर, 17 को हो गया। वे अपने पीछे विरह व्यथित पति गणेशलाल बण्डेला, पुत्र रमेशचन्द्र, जितेन्द्र, पुत्री शीला, विजयलक्ष्मी, संतोष सहित सम्पन्न व भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

## शब्द ज्ञान — अंग्रेजी-हिन्दी शब्दों का सटीक प्रयोग

अनेक ऐसे शब्द हैं, जिनको प्रायः पर्याय समझ लिया जाता है। ऐसे शब्दों की व्यवहार में निकटता तो होती है, परन्तु अर्थ में कदापि नहीं। जानकारी के अभाव में प्रायः इन शब्दों का ठीक-ठीक प्रयोग नहीं हो पाता, जिसके कारण प्रायः अर्थ का अनर्थ होने की संभावना रहती है।

**appeal** - अपील, उच्च प्राधिकारी से अत्यंक आवश्यक प्रार्थना/ निर्णय की सुनवाई हेतु।
**Application** - आवेदन पत्र( अर्जी), किसी पद/अवसर के लिए लिखित निवेदन
**Pettition** - याचिका, किसी प्राधिकारी/न्यायधीश के सामने प्रस्तुत लिखित अर्जी।
**Plead**- पक्ष/समर्थन में अभिवचन, किसी एक पक्ष के समर्थन में अपना निवेदन।
**Prayer** - प्रार्थना, सामान्य रूप से आत्मिक निवेदन, खासकर इष्टदेव को।
**Request** - अनुरोध/निवेदन, आग्रह सहित विनम्र निवेदन।
**Sue** - औपचारिक निवेदन, खासकर मुकदमा प्रारंभ की विधिवत प्रक्रिया।
**Supplicate** - नम्र निवेदन, विनम्रता से अपना पक्ष प्रस्तुत करना।

**Applicant** - आवेदक, वह जो प्रार्थनापत्र देता है।
**Aspirant** - इच्छुक, व्यक्ति जो किसी पद/वस्तु प्राप्त करने में अत्यधिक इच्छुक है।
**Candidate** - प्रत्याशी/अभ्यर्थी, कोई स्थान/सम्मान हेतु स्वयं को प्रस्तुत करने वाला।
**Nominee** - नामांकित व्यक्ति, जिसे अपने हित लाभ हेतु घोषित किया जाए।
**Appeasement** - तुष्टीकरण, किसी को प्रसन्न करने की बात।
**Conciliation** - समाधान/सुलह, दो पक्षों में आपसी सुलह होना।
**Gratification** - परितोषण, जो सुखद और साथ ही संतोषजनक हो।
**Pacification** - शमन/शान्त करना, दो पक्षों में विवाद को समाप्त करना।

Nikunj Bhatt
+919414163030
Neeraj Bhatt
+919414343555
Shiv Bartan & Caterers
■ बिस्तर, बर्तन ■ हलवाई व्यवस्था ■ गीली दाल ■ काजू की पिसाई ■ कॉफी मशीन व एक्स्ट्रा काउन्टर की व्यवस्था ■ पत्तल-दोने ■ डिस्पोजेबल आइटम ■ नेपकिन फ्यूल के विक्रेता
Sutharwara, North Ayad,
Udaipur - 313001 (Raj.)
Phone :- 0294-2410237
Tele/Fax : +91 294 2410237
Email : shivbartan@gmail.com
Website : shivbartancaterers1.getit.in


A Product of
अर्चना Panch 5 mani Fragrance
TM
अर्चना
एक्टिव
डिटर्जेन्ट वॉशिंग पाउडर
कपड़े रहे एक्टिव अर्चना एक्टिव डिटर्जेन्ट के साथ
आधुनिक एवं सर्वश्रेष्ठ तकनीक का आविष्कार एक्टिव डिटर्जेन्ट पाउडर
1 Kg. वाले कट्टे में 25 पाउच
500 Gram वाले कट्टे में 40 पाउच
200 Gram वाले कट्टे में 80 पाउच
निर्माता : पंचमणी फ्रेगरेन्स
कार्यालय : ने. हा. 76, एयरपोर्ट रोड
ग्लास फैक्ट्री चौराहा, खेमपुरा की तरफ
उदयपुर-313001 (राजस्थान)
वेबसाईट : www.archanaagarbatti.com
ई-मेल : sales@archanaagarbatti.com
www.facebook.com/Archana Agarbatti
फोन : 0294-2492161, 2490899
व्यावसायिक पूछताछ एवं डीलरशिप हेतु आर्थिक रूप से सुदृढ़ पार्टियां (वितरक रहित क्षेत्र में) सम्पर्क करें।
मो.: +91-98290 42705, +91-99508 15555

॥ विवाह ॥
LEHNGAS
SAREES
POSHAK
सम्पूर्ण वैवाहिक वैश वैवाहिक
साड़ियां एव राजपुताना पौशाकों
के होलसेल एवं रिटेल विक्रेता
14, टाउनहॉल रोड, उदयपुर ( राज. ) फोन : 0294-2411482 मो. 8104854301


Paragon
The Mobile Shop
Jio
BlackBerry
mi
INTEX
vivo
oppo
GIONEE SMART PHONE
htc
SAMSUNG
Redmi 1S
honor
lenovo FOR THOSE WHO DO.
LAVA MOBILEPHONE
SONY
NOKIA Connecting People
MOTOROLA
itel
micromax nothing like anything
and all other mobile trusted brands are available under one roof..
For More Detail
Pls Contact
Paragon The Mobile Shop
23, inside Udaipole Udaipur
Contact No. 0294-2383373, 9829556439

## Founded on Trust. Envisioning Infinite Possibilities.

Becoming a leading Agri Chem company took us foresight, acumen and ability. But it all started with our foundation of trust. Our principles of complete business transparency and an adherence to the highest standards have made us global experts and a partner of choice in our business. We are confident that our belief in trust will lead us to infinite possiblities by leveraging our capabilities across the Agri Sciences value chain by providing integrated and innovative services & solutions by partnering with the best.

### OUR BUSINESS PRINCIPLES

**ADAPTABILITY**
Constantly transforming ourselves like water, we are nimble footed and highly responsive to change.

**TRUST**
We work with integrity of purpose, honesty in action and fairness in all our dealings.

**SPEED**
Blazing ahead, we constantly strive to work with speed in the way we observe, think and act.

**INNOVATION**
The constant quest for horizon, the never ending search for a better, newer way to do things. Innovation is a way of life for us.

Inspired by Science

***PI Industries Ltd***

www.piindustries.com | info@piindustries.com

# Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed) University

सरस्वती देवयन्ते हवन्ते

Airport Road, Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Rajasthan)
Phone: 0294-2492440, Fax: 0294-2492441Email: admissions@jrnrvu.edu.in

## ADMISSIONS OPEN 2017-18

## "NAAC Accredited 'A' Grade University"

### Faculty of Management Studies (F.M.S.) Ph. 0294-3296232, 2490632

- Master of Business Administration (M.B.A.)
- Master of Business Administration Human Resource Management (M.B.A.- H.R.M.)

### Manikya Lal Verma Shramjeevi College Ph. 0294-2413029, 9460826362
**Faculty of Social Sciences and Humanities**

**Post Graduate :**
- M.Phil. – English, Hindi, Sanskrit, Political Science, Sociology, Geography, Economics, History
- M.A.– English, Hindi, Sanskrit, Political Science, Sociology, Geography, Economics, History

**Graduate :**
- Bachelor of Arts (B.A.) in all subjects
- B.J.M.C

**Diploma Courses :**
- PG Diploma in G.I.S. and Remote sensing
- Proficiency in English and Communication Skills
- PG Diploma in Yoga Education

**Certificate Course :** •Spoken English

### Faculty of Commerce, 0294-2413029, Mob. 9413481657

- M.Phil. – Business Administration and Accounting
- M.Com. – A.B.S.T., Business Administration
- Bachelor of Commerce (B.Com.)

**Diploma Courses**
- PG Diploma in insurance and Banking Management
- Marketing and Sales Management
- Taxation •Computer Basics and Accounting

**Certificate Courses:** •Tally ERP 9.0 •Accounting Technicians (CAT) (in collaboration with ICAI)

### Jyotish and Vastu Sansthan, Mo. 9460030605

- M.A. – Jyotirvigyaan
- Diploma in Jyotish and Vastu
- Certificate – Pooja Paddhati and Karm Kand
- Certificate – Bhartiya Jyotish and Hastrekha Vigyaan

### Evening College, Mo. 9414166169, 9829332300, 0294-2426432

- M.A./M.Sc. (Psychology) (Inds./Educational/Clinical) (9460490072)
- M.A. Yoga Education (9829797533)
- M. Music, Vocal & Intrumental •M.Sc. Chemistry
- M.Com. – Accounting / Business administration
- M.A. – English, Hindi, Sanskrit, Political Science, Sociology, Geography, Economics, History, Public Administration, Psychology, Yoga
- B.Ed. Special Education (M.R.) (9414291078)(R.C.I. Approved)
- B.A. (all subjects) & (Psychology, Yoga, Rajasthani, Physical Education, Jyotier Vigyan, Drawing)
- B.Com. •B.Sc. •B.Lib. •M.Lib. • BCA • MCA
- B. Music •Bachelor in Special Education (HI/LD) (B.Ed. Special HI/LD)
- Bachelor in Special Education BI (B.Ed. Special BI) •B.A. (Additional) in all subjects.
- PG Diploma – Guidance and Counseling
- P.G. Diploma – Yoga Education (9352500445)
- Diploma in Special Education (MR, HI and VI) *(to be approved)*
- Certificate in Spiritual Values and Human Values •Diploma in Heart Fulness and Health Management
- Diploma and Certificate in Fine Arts •Certificate– French/German/Spanish Language
- Diploma in Dietetics and Applied Nutrition

### Department of Business Management Studies, Ph. 0294-2413029, 9460022300

- Bachelor of Business Administration – (B.B.A.)
- Master of International Business – (M.I.B)
- Master of NGO Management •P.G. Diploma – Training and Development

### Department of Physical Education, Mo. 9829943205, 9352500445

- Master in Physical Education (M.P.Ed.) •M.A. (Yoga Education)

### Department of LAW, Mo.: 9414343363, 9928246547

- LL.M. (2 Year Degree Course)
- B.A. – L.L.B. (5 Year Integrated Course)
- P.G. Diploma in Labor LAW (1 Year)
- LL.B. (3 Year Degree Course)
- P.G. Diploma in Forensic Science (1 Year)
- P.G. Diploma in Cyber LAW (1 Year )

### Faculty of Computer Science and Information Technology
**(Ph. 0294-2494227, 2494217, Mo.: 9887285752)**

- M.Phil. (Computer Science)
- B.C.A. (Bachelor of Computer Application)
- M.C.A. (Master of Computer Application)
- M.Sc. (Computer Science)
- M.C.A. Lateral Entry in II Year
- B.Sc. (Computer Science)
- P.G.D.C.A

### Faculty of Engineering and Technology, Mo. 9829009878, Ph.: 0294-2490210

- B.Tech. - Civil, Electrical, Mechanical, Electronics and Communication, Computer Science Engineering
- Diploma – Civil, Electrical, Mechanical, Electronics and Communication, Computer Science Engineering

### Institute of Rajasthan Studies (Sahitya Sansthan) Ph.: 0294-2491054

- M.A. – Ancient History of India, Culture and Archeology
- P.G. Diploma in Archeology

### Udaipur School of Social Work, Ph.: 0294-2491809

- Master of Social Works (MSW)
- P.G. Diploma in N.G.O. Management
- P.G. Diploma in Rural Development
- Master of Social Works (Executive)
- P.G. Diploma in H.R.M.
- Certificate Course in Road Safety

### Directorate of Janshikshan and Extension Programme Mob. 94 14 737125

- **Department of Agricultural Sciences – 98872 71976**
  -B.Sc. Agriculture Honors
- **Department of Rural Technology and Management – 98872 71976**
  - B.Sc. Rural Technology and Management
- **Department of Women Studies - 0294-2490234**
  -Diploma in Computer Application (D.C.A.)
  -P.G. Diploma in Gender Studies and Technology
- **Maharana Kumbha Sangeet Kala Kendra – 94602 54432**
  -Sangeet Bhushan – One Year Course
  -Sangeet Prabhakar – Two Years Course
- Mangalmurty Indira Gandhi Janta College
- Department of Community Centres
- Department of Lok Shikshan
- Department of Janpad

### Faculty of Education
**Lok Manya Tilak Teachers' Training College, Dabok (Ph.: 0294-2655327, 2657753)**

- M.Phil. •M.Ed. •M.A. (Education) •B.Ed. •B.A. – B.Ed. (Integrated)
- B.Sc. – B.Ed. (Integrated) •B.Ed. (Child Development) •D.El.Ed.
- M.P.Ed. •B.Ed. – M.Ed. (Integrated)

### Manikya Lal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok, (Ph. 0294-2655223, Mo. 9460856658)

- B.A. •B.Com. •M.A. •M.Com.

### Faculty of Medicine
**Rajasthan Vidyapeeth Homeopathic Medical College and Hospital, Dabok, Ph.: 0294-2655974-5 Mo.: 9414156701, 9351343740**

- Bachelor of Homeopathic Medicine and Surgery (B.H.M.S.)

### Department of Physiotherapy Ph.: 0294-2656271, Mo.: 9414234293

- Master of Physiotherapy •Bachelor of Physiotherapy
- Post Graduate Fellowship in Geriatric Rehabilitation

### Vocational Education

- Bachelor of Vocation (B.Voc.) in Hospitality & Catering Management

**For more information visit University website www.jrnrvu.edu.in**

**Registrar**

SHIVA © 98282-44344